● वर्ष-3
● अंक-235
रायपुर, शनिवार
11 मई 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› सुबह के समय इन नेचुरल चीजों ...

मुठभेड़ में मारे गए 12 नक्सली

दो जवान घायल, घटनास्थल से मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद

बीजापुर। बीजापुर में पीड़िया के जंगल में शुक्रवार की सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई जबरदस्त मुठभेड़ में 12 नक्सली मारे गए। वहीं मुठभेड़ के दौरान दो जवानों के घायल होने की भी जानकारी मिल रही है। सुकमा, बीजापुर और दंतेवाड़ा की डीआरजी कोबरा की 210 बटालियन और एसटीएफ के जवानों की सर्चिंग जारी है। मौके से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री और हथियार भी बरामद।

जंगल मे मौजूद कई बड़े नक्सलियों को जवानों ने घेर रखा है। घटनास्थल से मारे गए नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं। तीन जिलों के जवान एंटी नक्सल ऑपरेशन पर हैं और 12 घंटे तक मुठभेड़ हुई है। बड़े नक्सल लीडर्स की मौजूदगी के हिंट पर ऑपरेशन लॉन्च किया गया है। बस्तर आईजी और डीआईजी समेत जिले के एसपी ऑपरेशन पर नजर बनाए हुए हैं। जवानों को गंगालूर थाना क्षेत्र के पीड़िया इलाके में नक्सलियों के टॉप हार्डकोर नक्सली कमांडर लिंगा, पापाराव समेत बड़े लीडर्स के जंगल में होने की सूचना मिली थी। नक्सलियों की इस कमेटी में डीकेएसजेडसी, डीवीसीएम व एसीएम कैडर के बड़े नक्सली भी मौजूद हैं। सूचना के बाद पड़ोसी जिले दंतेवाड़ा, सुकमा व बीजापुर से एसटीएफ, डीआरजी, सीआरपीएफ व कोबरा बटालियन के 1200 जवानों ने साझा अभियान चलाया। जहां जंगल में शुक्रवार की सुबह हुई जबरदस्त मुठभेड़ में 12 नक्सलियों को मार गिराया।

मुठभेड़ में दो जवान घायल

मुठभेड़ के दौरान द्बश्बष्ठ की चपेट में आने से 2 जवानों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। घायल जवानों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है। डीआरजी का एक और एक एसटीएफ का जवान घायल हुआ है। घायल जवानों को उपचार के लिए हेलीकॉप्टर से रवाना किया गया है।

30 अप्रैल को मारे गए थे 10 नक्सली

इससे 10 दिन पहले 30 अप्रैल को नारायणपुर मुठभेड़ में बस्तर पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी थी। नक्सलियों और जवानों के बीच करीब 9 घंटे चली मुठभेड़ के बाद जवानों ने 10 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए नक्सलियों में 3 महिला और 7 पुरुष माओवादी शामिल थे। नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर 29 अप्रैल को जवान नारायणपुर और कांकेर जिले के बॉर्डर इलाके में सर्चिंग पर निकले हुए थे। रात भर सर्चिंग के बाद 30 अप्रैल की सुबह अबूझमाड़ के टेकामेटा के जंगलों में डीआरजी और एसटीएफ़ के जवानों का सामना नक्सलियों से हो गया था। इससे पहले उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दावा किया था कि छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र बॉर्डर पर नारायणपुर के अबूझमाड़ इलाके में मंगलवार सुबह डीआरजी और एसटीएफ के जवानों के साथ हुई मुठभेड़ में नौ नक्सली मारे गए हैं। इनमें 3 महिला नक्सली शामिल हैं। इन सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। घटनास्थल से एक एके 47 समेत भारी मात्रा में हथियार मिले हैं।

मुख्यमंत्री साय ने दी शुभकामनाएं

छत्तीसगढ़ में आज सुरक्षाबलों को फिर एक बड़ी कामयाबी मिली है। बीजापुर में नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 12 नक्सलियों को मार गिराया है। जिस पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जवानों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आज बीजापुर जिले के गंगालूर क्षेत्र के पीडिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत नक्सलियों के साथ हुए मुठभेड़ में हमारे सुरक्षाबलों को भारी सफलता मिली है। मुठभेड़ समाप्त हो चुका है, 12 डेडबॉडी नक्सलियों के मिले हैं। मैं इसके लिए सुरक्षाबलों को, अधिकारियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। जब से हम लोग सरकार में आए हैं नक्सलवाद के खिलाफ मजबूती से लड़ाई लड़ रहे हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह चाहते हैं कि प्रदेश से नक्सलवाद समाप्त हो। डबल इंजन की सरकार होने के कारण इसका लाभ हमको मिल रहा है।

तिहाड़ जेल से रिहा हुए केजरीवाल

मैंने कहा था जल्दी आऊंगा, आ गया, 1 जून तक मिली है अंतरिम जमानत

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख अरविंद केजरीवाल को मौजूदा लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करने के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा अंतरिम जमानत दिए जाने के कुछ घंटों बाद शुक्रवार शाम को तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया।मुख्यमंत्री अब अपने आधिकारिक आवास की ओर जा गए जहां उनका परिवार, आप नेता और पार्टी समर्थक स्वागत किया।

शीर्ष अदालत ने 50 दिन की हिरासत के बाद लोकसभा चुनाव प्रचार के लिए 21 दिन की रिहाई देते हुए केजरीवाल को सात चरण के मतदान के अंतिम चरण के समाप्त होने के एक दिन बाद 2 जून को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। गाड़ी की सनरूफ खोलकर केजरीवाल बाहर आए और संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों के बीच आकर अच्छा लग रहा है।

मैंने कहा था कि मैं जल्दी आऊंगा, आ गया। उन्होंने कहा, आप सभी का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। सुप्रीम कोर्ट के जजों का शुक्रिया अदा करता हूं।

इन शर्तों पर मिली है अंतरिम जमानत

सुप्रीम कोर्ट ने निम्नलिखित शर्तों पर सीएम अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत दी। उन्हें जेल अधीक्षक की संतुष्टि के लिए 50,000 रुपये की राशि में जमानत बांड और इतनी ही राशि की एक जमानत राशि देनी होगी। वह मुख्यमंत्री कार्यालय और दिल्ली सचिवालय का दौरा नहीं करेंगे। वह अपनी ओर से दिए गए बयान से बाध्य होंगे कि वह आधिकारिक फाइलों पर तब तक हस्ताक्षर नहीं करेंगे जब तक कि यह आवश्यक न हो और दिल्ली के उपराज्यपाल की मंजूरी/अनुमोदन प्राप्त करने के लिए आवश्यक न हो।

के कविता आरोपी के तौर पर शामिल

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली की एक अदालत के समक्ष एक ताजा आरोप पत्र दायर किया, जिसमें बीआरएस नेता के कविता को आरोपी के रूप में नामित किया गया। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अभियोजन शिकायत धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 45 और 44(1) के तहत दिल्ली राउज़ एवेन्यू कोर्ट के समक्ष दायर की गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल के खिलाफ इसी तरह की शिकायत अगले हफ्ते दायर होने की उम्मीद है। फिलहाल पूरक आरोप पत्र में केजरीवाल का नाम शामिल नहीं है। अरविंद केजरीवाल पर बाद में अलग से चार्जशीट दाखिल की जा सकती है।

तृणमूल का मतलब तुष्टिकरण, माफिया और करप्शन हैः शाह

नई दिल्ली। ममता बनर्जी की नाक के नीचे वर्षों तक उन्हीं की पार्टी का नेता संदेशखाली की गरीब माताओं पर अत्याचार करता रहा, शोषण करता रहा। लेकिन ममता बनर्जी ने तुष्टिकरण की राजनीति के कारण संदेशखाली की माताओं के अपराधी को नहीं पकड़ा। ममता बनर्जी ने वोट बैंक के कारण वर्षों तक गरीब माताओं का शोषण होने दिया। जिस मंत्री पर गरीब युवाओं को नौकरी देने की जिम्मेदारी थी, उनसे 51 करोड़ रुपये वसूले गये. कांग्रेस पार्टी के एक सांसद के पास से 350 करोड़ रुपये बरामद हुए। ये पैसा मंत्री का नहीं, पश्चिम बंगाल की जनता का है. ममता बनर्जी का आरोप है कि उन्हें जांच एजेंसियां निशाना बना रही हैं. हमने उन्हें छापेमारी और जांच करने का आदेश नहीं दिया था, यह हाईकोर्ट ने आदेश दिया था। टीएमसी का मतलब तुष्टिकरण (तुष्टिकरण), माफिया और भ्रष्टाचार है।ममता जी, आप घुसपैठियों का रेड कार्पेट पर स्वागत करती हैं क्योंकि वे आपके वोट बैंक हैं। हालाँकि, आप हिंदुओं, सिखों को नागरिकता देने का विरोध कर रहे हैं।

झारखंड का पूर्व मुख्यमंत्री जमीन लूटने के मामले में जेल मेंः विष्णुदेव

रायपुर/पश्चिमी सिंहभूम/खूंटी/ गुमला। झारखंड के लोगों को जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार ने खूब भरमाया। हमेशा यही भ्रम फैलाते हैं कि मोदी जी और भाजपा सरकार आई तो यहाँ के जल, जंगल, जमीन को लूट लेगी। जबकि पूरे झारखंडवासियों को पता है कि यहाँ के जमीन को लूटने वाला एक मात्र आदमी यहाँ के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन हैं। झारखंड के लिए दुर्भाग्य की बात है कि आज यहाँ के पूर्व मुख्यमंत्री जमीन लूटने के मामले में, माइंस के लिए जमीन लेने के मामले में जेल में हैं।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का चुनाव प्रचार अभियान जोरों पर है। ओडिशा में लगातार दो दिन धुआंधार चुनाव प्रचार के बाद आज झारखंड में 3 जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने पश्चिमी सिंहभूम जिले के मनोहरपुर, सिमडेगा जिले के कुरडेग और गुमला जिले के चैनपुर में सभा कर भाजपा प्रत्याशियों के लिए वोट मांगे। जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन सरकार को घेरते हुए श्री साय ने कहा कि झारखंड की धरती खनिज संसाधन, वन संसाधन, उपजाऊ मिट्टी से भरपूर है। झारखंड में आयरन ओर का सबसे बड़ा डिपो है। लेकिन झारखंड की गठबंधन सरकार ने यहाँ के बेटे-बेटियों के भविष्य की बिल्कुल भी चिंता नहीं की। यहाँ के लाखों युवाओं को रोजगार देने की जगह संसाधनों को जमकर लूटा। ऐसे लोगों से सचेत रहना है, लोकसभा चुनाव में इनको सबक सिखाना है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद कांग्रेस ने देश में 55-60 वर्षों तक एक छत्र राज किया और अनेकों राज्यों में वर्षों-वर्षों तक राज किया। लेकिन लूट-लूट कर देश को खोखला करने का काम किया। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार की जननी है।

ख़याली पुलाव पका रहे हैं राहुल - साय

राहुल गांधी के यह कहने पर कि ये चुनाव मोदी जी के हाथ से निकल चुका है, पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतिक्रिया दी है। श्री साय ने पत्रकारों से कहा कि राहुल गांधी ख़याली पुलाव पकाते रहेंगे, उनके पास कोई मुद्दा नहीं है, मुद्दाविहीन हो गए हैं। इस चुनाव में कांग्रेस की और दुर्गति होने वाली है। साय ने कहा कि राहुल गांधी देश की जनता को गुमराह करने का काम कर रहे हैं, कभी बोलते हैं कि संविधान खतरे में है तो कभी बोलते है आरक्षण समाप्त हो जाएगा।

प्रमुख समाचार

बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय

नई दिल्ली। दिल्ली की अदालत ने महिला पहलवानों द्वारा दायर मामले में भाजपा सांसद और पूर्व डब्ल्यूएफआई प्रमुख बृजभूषण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप तय किए। महिला पहलवान यौन शोषण मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट की तरफ से ये आरोप तय किए गए हैं। दो धाराओं में बृभूषण सिंह के खिलाफ आरोप तय हुए हैं। पूर्व भाजपा सांसद पर महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के अपराध का भी आरोप लगाया गया है। 2023 में दो बार पहलवानों को बृज भूषण के खिलाफ सड़क पर उतरना पड़ा था। तमाम विवादों के बीच बीजेपी ने उनका टिकट काट दिया है और वो खुद चुनावी मैदान में नहीं हैं। उनके बेटे को टिकट दिया गया है। दिल्ली पुलिस ने 15 जून को बृज भूषण शरण के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया। आरोप पत्र धारा 354, 354 (ए) के तहत दायर किया गया था। मामले में 1599 पन्नों की चार्जशीट में सीआरपीसी 164 के तहत 44 गवाहों के बयान दर्ज हैं। छह पहलवानों की शिकायतों के आधार पर दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में कहा गया है कि बृज भूषण पर यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने के अपराधों के लिए मुकदमा चलाया जा सकता है.

खडूर साहिब से अमृतपाल ने दाखिल किया नामांकन

खडूर साहिब। वारिस पंजाब दे के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने शुक्रवार को खडूर साहिब निर्वाचन क्षेत्र से 2024 लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए अपना पर्चा दाखिल किया। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने शुक्रवार को पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय को सूचित किया कि राज्य ने राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत हिरासत में बंद %वारिस पंजाब दे% के प्रमुख अमृतपाल सिंह को आगामी लोक सभा के लिए अपना नामांकन दाखिल करने की सुविधा दी है। लाइव लॉ की रिपोर्ट के अनुसार, यह मानते हुए कि याचिका में की गई प्रार्थनाओं का पहले ही अनुपालन किया जा चुका है, न्यायमूर्ति विनोद एस भारद्वाज ने कहा कि याचिका निष्फल होगी। नामांकन फॉर्म और अन्य कागजी कार्रवाई के दो सेट 9 मई को अमृतपाल सिंह द्वारा भरे गए और हस्ताक्षरित किए गए। उन्हें डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल, डीएजी पंजाब में अपने प्रस्तावक और वकील से मिलने की भी अनुमति दी गई, अर्जुन श्योराण ने अदालत को सूचित किया।

हाई कोर्ट की देरी पर हेमंत की याचिका खारिज कर दी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भूमि घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर फैसले में झारखंड उच्च न्यायालय द्वारा की गई देरी के खिलाफ याचिका का निपटारा कर दिया। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 3 मई को अपना फैसला सुनाया था, इसलिए तत्काल याचिका निरर्थक हो गई है और उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ उनकी अलग विशेष अनुमति याचिका पर अगले सप्ताह विचार किया जाएगा। सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल पेश हुए। 3 मई को, झारखंड उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उनकी गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली सोरेन की याचिका खारिज कर दी, जिसके कुछ दिनों बाद सुप्रीम कोर्ट 6 मई से शुरू होने वाले सप्ताह में ईडी की गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर सुनवाई करने के लिए सहमत हो गया। उच्च न्यायालय ने 28 फरवरी में फैसला सुरक्षित रख लिया था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा था कि सोरेन ने राजनीतिक प्रतिशोध का हौव्वा खड़ा करके अपने लिए जो गड़बड़ी पैदा की है.

सैनी सरकार की लगातार बढ़ रही है मुश्किलें

नई दिल्ली। हरियाणा में जारी सियासी घमासान के बीच रोहतक जिले के महम विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू ने हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को पत्र लिखकर राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की है। महम विधायक ने अपने पत्र में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी के अल्पमत में आने का हवाला देते हुए हरियाणा के राज्यपाल से विधानसभा में शक्ति परीक्षण कराने की मांग की है। गौरतलब है कि हालिया घटनाक्रम राज्य के तीन निर्दलीय विधायकों द्वारा राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा सरकार से अपना समर्थन वापस लेने के बाद आया है। तीन विधायकों-सोमबीर सांगवान, रणधीर गोलेन और धर्मपाल गोंदर ने पहले रोहतक में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में अपने फैसले की घोषणा करते हुए कहा था कि वे अब चुनाव में कांग्रेस को समर्थन देंगे। प्रेस कॉन्फ्रेंस में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपिंदर सिंह हुड्डा और राज्य कांग्रेस प्रमुख उदय भान भी मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए गोंडर (विधायकों में से एक) ने कहा, हम सरकार से समर्थन वापस ले रहे हैं। हम कांग्रेस को अपना समर्थन दे रहे हैं।

पटना साहिब सीट से रविशंकर प्रसाद ने दाखिल किया नामांकन

नई दिल्ली। पटना साहिब सीट से भाजपा उम्मीदवार और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने अपना नामांकन दाखिल किया। इस दौरान उन्होंने चुनावी रैली में विजय चिन्ह लहराया। उन्होंने कहा कि मैं भाग्यशाली हूं कि दो वरिष्ठ और हमारे अभिभावक, पूर्व राज्यपाल गंगा बाबू और पूर्व केंद्रीय मंत्री सीपी ठाकुर...ने मेरा नाम प्रस्तावित किया है। मैं पटना की जनता से आशीर्वाद चाहता हूं। मैं देश के लिए काम करना जारी रखूंगा जैसा मैंने पहले किया है। उन्होंने कहा कि मेरी पार्टी, पीएम मोदी और सभी नेताओं ने मुझे आशीर्वाद दिया और एक बार फिर यहां से उम्मीदवार बनाया। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि मेरा मानना है कि पटना साहिब से रिकॉर्ड जीत दर्ज करेंगे. पीएम मोदी की अभूतपूर्व 400 पार जीत होगी। नामांकन दाखिल करते वक्त पूर्व केंद्रीय मंत्री के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्य इकाई के पूर्व अध्यक्ष सीपी ठाकुर और मणिपुर व सिक्किम के पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद मौजूद थे। जिलाधिकारी कार्यालय में नामांकन दाखिल करने से पहले पटनासाहिब से सांसद को यहां भाजपा के बिहार मुख्यालय में सम्मानित भी किया गया।

सैम पित्रोदा पहले भी दे चुके हैं आपत्तिजनक बयान

कृष्णमोहन झा

18 वीं लोकसभा के चुनावों में कांग्रेस और भाजपा की ओर से एक दूसरे पर तीखे हमले किए जा रहे हैं। दोनों ही दलों का प्रचार अभियान आक्रमण ही सर्वोत्तम बचाव है की नीति पर आधारित है । भाजपा के लिए तो यह नीति उसके प्रचार अभियान को धारदार बनाने में कारगर साबित हो रही है परन्तु कांग्रेस की दुविधा यह है कि उसके अपने वरिष्ठ नेता ही अपने अनावश्यक बयानों से पार्टी को बार बार बचाव की मुद्रा अपनाने के लिए विवश कर रहे हैं। पार्टी को अपने विवादास्पद बयानों से मुश्किल में डालने वाले वरिष्ठ नेताओं में इस बार सैम पित्रोदा सबसे आगे निकल गए हैं और यह भी कम आश्चर्य की बात नहीं है कि सैम पित्रोदा ने पार्टी को मुश्किल में डालने वाला बयान पहली बार नहीं दिया है। उनके एक बयान से उपजा विवाद शांत भी नहीं हो पाता कि वे फिर कोई ऐसा बयान दे देते हैं जो पार्टी को असहज स्थिति का सामना करने के लिए मजबूर कर देता है। सवाल यह उठता है कि अतीत में गांधी परिवार के अत्यंत निकट माने जाने वाले सैम पित्रोदा को लोकसभा चुनावों के दौरान बार बार विवादास्पद बयानों से परहेज़ करने की अनिवार्यता का अहसास क्यों नहीं है। देश के विभिन्न भागों में रहने वाले लोगों की त्वचा के रंग को लेकर दिए गए उनके ताजे बयान ने तो कांग्रेस पार्टी को इतनी मुश्किल में डाल दिया कि उसे अपने नुकसान की भरपाई के लिए सैम पित्रोदा से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा लेने के लिए मजबूर होना पड़ा लेकिन पार्टी को भी इस हकीकत का अहसास तो अवश्य होगा कि इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से सैम पित्रोदा का इस्तीफा ही उनके बयान से हुए नुकसान की भरपाई के लिए पर्याप्त नहीं है। असली सवाल तो यह है कि वर्तमान लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया जारी रहने तक क्या यह सिलसिला यूं ही चलता रहेगा। यहां यह भी विशेष उल्लेखनीय है कि इंडिया गठबंधन के अन्य घटक दलों के नेताओं ने भी सैम पित्रोदा के उक्त बयान को आपत्तिजनक बताया है।

हाल में ही एक अंग्रेजी अखबार को दिए गए साक्षात्कार में सैम पित्रोदा ने कहा था हम भारत जैसे विविधता से भरे देश को एक जुट रख सकते हैं जहां पूर्व में रहने वाले लोग चाइनीज जैसे दिखते हैं , पश्चिम में रहने वाले अरब जैसे दिखते हैं, उत्तर में रहने वाले मेरे ख्याल से गोरे लोगों की तरह दिखते हैं वहीं दक्षिण में रहने वाले अफ्रीकी जैसे लगते हैं । इससे कोई फर्क नहीं पड़ता ,हम सब भाई बहन हैं। सैम पित्रोदा के इस बयान पर विवाद तो छिड़ना ही था। भाजपा ने पित्रोदा के बयान को नस्लीय बताया तो खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नाराज होते हुए कहा कि क्या दशा में चमड़ी के आधार पर योग्यता तय होगी। सैम पित्रोदा के विवादास्पद बयान से चुनाव में कांग्रेस को होने वाले नुकसान को भांपते हुए पार्टी के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने सैम पित्रोदा के बयान से पार्टी को अलग करते हुए कहा कि उन्होंने विविधताओं को लेकर जो उपमाएं दी हैं वे दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं । इतना ही नहीं, कांग्रेस पार्टी ने तत्काल ही इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से सैम पित्रोदा का इस्तीफा भी मांग लिया। इंडिया गठबंधन के अनेक घटक दलों के नेताओं ने भी सैम पित्रोदा के बयान की आलोचना करने से परहेज़ नहीं किया। आश्चर्यजनक बात तो यह है कि अंग्रेजी अखबार को साक्षात्कार देते समय सैम पित्रोदा आखिर यह अंदाजा क्यों नहीं लगा पाए कि उनकी उनकी ये %उपमाएं% चुनाव में पार्टी को बचाव की मुद्रा में आने के लिए मजबूर कर सकती हैं लेकिन यह पहला मौका नहीं है कि जब कांग्रेस पार्टी को सैम पित्रोदा के किसी बयान ने मुश्किल में डाल दिया हो । अतीत में सैम पित्रोदा के बयान पार्टी के लिए मुश्किल खड़ी कर चुके हैं। लोकसभा चुनावों की प्रक्रिया प्रारंभ होने के बाद जब उन्होंने अपने एक बयान में अमेरिका में विरासत में मिली संपत्ति पर लगने वाले टैक्स का उल्लेख किया तो भाजपा ने उसे चुनावी मुद्दा बनाने में कोई देर नहीं की । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तो अपने अनेक चुनावी भाषणों में लोगों को इस तरह सतर्क किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो भारत में भी लोगों को विरासत में मिलने वाली संपत्ति का आधा हिस्सा उनसे सरकार छीन लेगी । प्रधानमंत्री ने सैम पित्रोदा के उस बयान को लेकर कांग्रेस पर इतने तीखे हमले किए कि पार्टी सफाई देते देते थक गई है। सैम पित्रोदा ने पांच साल पहले हुए लोकसभा चुनावों के दौरान भी यह बयान देकर पार्टी की मुसीबतें बढ़ा दी थीं कि मध्यम वर्ग को स्वार्थी नहीं बनना चाहिए बल्कि अधिक टैक्स देने के लिए तैयार रहना चाहिए। सैम पित्रोदा के इस बयान के बाद कांग्रेस पार्टी को यह सफाई देनी पड़ी कि उसके सत्ता में आने पर मध्यम वर्ग पर करों का बोझ नहीं डाला जाएगा।उसी दौरान सैम पित्रोदा ने यह भी कहा था कि अब हमें 1984 के सिख विरोधी दंगों की दुखद यादें भुला कर यह देखना चाहिए कि भाजपा सरकार ने पांच साल में क्या किया। पुलवामा में भयावह आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी तब सैम पित्रोदा के इस बयान ने पार्टी को असहज स्थिति का सामना करने के लिए मजबूर कर दिया कि ऐसे हमले तो होते रहते हैं और कुछ आतंकवादियों की करतूत की सजा पूरे पाकिस्तान को क्यों दी जा रही है।

किसान की बेटी करूणा कैवर्त बनना चाहती हैं कलेक्टर

■ 10वीं की परीक्षा में बनाया दसवां स्थान

रायगढ़। माध्यमिक शिक्षा मंडल ने गुरुवार 10वीं एवं 12वीं परीक्षा के परिणाम घोषित कर दिया है। जिसमें जशपुर जिले की सिमरन शब्बा ने टॉप किया है तो वहीं रायगढ़ जिले की खरसिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम नंदेली की छात्रा करूणा ने भी 10वीं की परीक्षा में बाजी मारते हुए दसवां स्थान हासिल किया हैं।

रायगढ़ जिले की रहने वाली करूणा कैवर्त ने 97.17 अंक प्राप्त कर पूरे प्रदेश में दसवां स्थान हासिल करते हुए रायगढ़ जिले का नाम रोशन किया है। करूणा कैवर्त ने अमर उजाला से चर्चा करते हुए बताया कि वह बड़ी होकर कलेक्टर बनना चाहती है और आगे साइंस और बायोलाजी विषय लेकर पढ़ाई करेगी। करूणा की इस सफलता के बाद रिश्तेदारों के अलावा गांव वालों के द्वारा बधाई देने का सिलसिला जारी है।

करूणा ने यह भी बताया कि गांव में रहते हुए उसने काफी मेहनत की और उसे अपनी बड़ी बहन का बहुत साथ मिला है और घर में माता-पिता ने भी काफी सहयोग दिया है। बातचीत के दौरान होनहार छात्रा करूणा कैवर्त ने बताया कि शहर की अपेक्षा गांव में पढाई की सुविधा कम मिलती है फिर भी वह पूरी मेहनत से पढ़ाई कर रही थी जिसके कारण यह स्थान मिला।

करूणा कैवर्त की मां ने भी बताया कि काफी कठिनाई में रहकर अपनी बेटी की पढ़ाई करवाई। उन्होंने बताया कि बड़ी बेटी पढ़-लिखकर आगे बढ

रही है और छोटी बेटी की पढ़ाई का खर्चा उठाने के लिये निजी संस्थान में नौकरी करते हुए उनको आगे लाने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि आज के दौर में पढ़ाई काफी महंगी है और इसके लिये सरकार को कोई पहल करनी चाहिए।

प्राचार्य ने भी बताया कि होनहार करूणा शुरू से ही पढाई में तेज थी और सभी के साथ का परिणाम है कि वह दसवी बोर्ड की परीक्षा में दसवा स्थान हासिल करने में सफल हुई है। करूणा की इस सफलता के बाद रिश्तेदारों के अलावा गांव वालों के द्वारा बधाई देने का सिलसिला जारी है।

दुर्ग की दुर्गा ने हाई स्कूल में टॉप कर पिता का सपना किया पूरा

दुर्ग। सीजी बोर्ड परीक्षा 2024 का रिजल्ट गुरुवार को जारी कर दिया गया है। 10वीं बोर्ड परीक्षा के मेरिट सूची में दुर्ग जिले की छात्रा दुर्गा रानी वर्मा ने आठवां स्थान हासिल किया है। दुर्ग रानी वर्मा ने 97.5 प्रतिशत नंबर हासिल किया है। दुर्गा रानी ग्राम महकाकला की स्थित शासकीय स्कूल में कक्षा 10वीं की छात्रा है।

तीन भाई-बहनों में दुर्गा सबसे छोटी है। दुर्गा टॉप 10 में आने के बाद अपने पिता को याद करते भावुक हो गई। अपनी सफलता का श्रेय उसने माता-पिता और अपने टीचर्स को दिया है। दुर्गा आगे चलकर डॉक्टर बनना चाहती है। पिता का साया सिर से उठने के बाद ही उसने पढ़ाई में कड़ी मेहनत की और आज अपने पिता का सपना पूरा कर दिखाया है।

दुर्गा रानी ने कहा मैंने अपने पिता की अंतिम इच्छा पूरी करने के लिए जीतोड़ पढ़ाई की और यह सफलता हासिल किया। छत्तीसगढ़ में 8वीं रैंक पाकर राज्य में टॉप किया। मेरी सफलता में स्कूल के शिक्षकों का काफी योगदान है। अब मेरा सपना है कि आगे चलकर एक बड़ी डॉक्टर बनूं। ताकि गरीब लोगों की सेवा कर सकूं।

दुर्गा रानी वर्मा ने छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय से मांग किया है वे आगे की पढ़ाई में उसकी मदद करें। आगे आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए वो ऐसे मेधावी बच्चों की मदद करें। दुर्गा के पिता की गंभीर बीमारी से एक साल पहले मृत्यु हो गई थी। पिता का सपना था कि बेटी टॉप टेन में स्थान बनाएं। आज पिता के सपने को पूरा करते हुए दुर्गा रानी वर्मा ने 10वीं कक्षा के टॉप टेन में स्थान हासिल किया।

प्रीति और अदिति ने बलौदाबाजार-भाटापारा का नाम किया रोशन

भाटापारा। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, रायपुर ने गुरुवार को 10वीं और 12वी का परीक्षा परिणाम घोषित किया। भाटापारा के ग्राम करही बाजार के प्रीति यादव ने 12वीं में छत्तीसगढ में तीसरा स्थान हासिल कर ग्राम करही बाजार के साथ ही पूरे छत्तीसगढ का नाम रोशन किया। साथ ही भाटापारा से अदिति साहु ने 12वीं में छठा स्थान हासिल किया है। परिणाम घोषित होते ही आदिति के घर बधाई देने वालों का तांता लग गया। 12वीं में तीसरा स्थान प्राप्त करने वाली प्रीति यादव के चार बहन और एक भाई है। जिसमे प्रीति तीसरे नंबर की हैं, प्रिती के पिता राज मिस्त्री का काम करते हैं। जब प्रीति के पिता को मालूम हुआ कि उनकी बेटी छत्तीसगढ मे तीसरे नंबर पर आई हैं तो वे खुशी से झूम उठे। प्रीति ने अपनी सफलता का श्रेय गुरूजनों व अपने माता-पिता को दिया। वहीं, अदिति साहु के पिता निजी कोचिंग क्लासेस चलाते थे, लेकिन कुछ माह पूर्व उनका देहांत हो गया। जिससे आदिति टूट गई थी। लेकिन बडे भाई व उनकी मां ने अदिति का होसला बढ़ाया और अपने पापा का सपना पूरा करने के लिए प्रेरित किया। जब परिणाम घोषित हुआ और आदिती का नाम छत्तीसगढ के टॉप 10 आया तो पिता की तस्वीर देख वह भावुक हो गईं।

12वीं में धमतरी के समीर ने जिले का नाम किया रोशन

धमतरी। 12वीं बोर्ड एग्जाम में धमतरी जिले के ग्राम भोथीडीह के समीर चक्रधारी ने चौथा स्थान हासिल किया है। जिससे छात्र के घर जश्न का माहौल रहा। छात्र के शिक्षक व परिजन बधाई देने घर पहुंच रहे हैं। समीर का मुंह मीठा कराकर उन्हें बधाई दे रहे हैं। बता दें कि समीर एक गरीब परिवार से आते हैं। समीर के पिता मिट्टी के बर्तन व अन्य सामान बेचकर घर का गुजर बसर करते हैं। समीर चक्रधारी ने बताया कि वे रोजाना पांच से छह घंटे पढ़ाई करता था। उन्हें उम्मीद था कि इस बार टॉप 10 में जगह जरूर मिलेगी। समीर का कहना है कि वह अब आगे सिविल सर्विस परीक्षा की तैयारी करेंगे।

दसवीं-बारहवीं के टॉपर्स से सीएम साय ने की वीडियो कॉल, दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दसवीं-बारहवीं के नतीजे घोषित कर दी गई है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों से सीधे वीडियो कॉल के माध्यम से बधाई दी है। बच्चों के लिए अपने मुख्यमंत्री से इस तरह अचानक रुबरू होना बेहद आनंददायक अनुभव रहा है। सीएम साय ने वीडियो कॉल के माध्यम से सभी टॉपर बच्चों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में पूछा। इस दौरान कई बच्चों आईएएस, किसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट और किसी ने बैंकिंग सेक्टर में जाने बात कही। सीएम साय ने उनकी हर मनोकामना पूरी होने की कामना की। साथ ही उन्हें लगातार परिश्रम करते रहने को कहा। बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों सहित उनके अभिभावकों और गुरुजनों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

पहली बार 72.8 प्रतिशत लोगों ने किया अपने मताधिकार का प्रयोग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीनों चरण पर मतदान 7 मई को पूरे हो गए। निर्वाचन आयोग ने बताया कि इस साल हुए चुनाव पर मतदान में 1.31 प्रतिशत की वृद्धी हुई है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबासाहेब कंगाले ने निर्वाचन में सहभागिता देने वाले अधिकारियों, कर्मचारियों, संगठनों और मतदाताओं के प्रति आभार प्रकट किया है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 में यहां के कुल 72.8 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। यह प्रदेश में हुए अब तक के

लोकसभा चुनावों में मतदान का सबसे अधिक प्रतिशत है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि, प्रदेश के मतदाताओं ने उत्साहपूर्वक अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी सहभागिता दी है। सफलतापूर्वक निर्वाचन के लिए उन्होंने केन्द्रीय सुरक्षा बलों, राज्य पुलिस बल, सभी प्रकार के मीडिया, पत्रकारों और मतदाताओं को जागरुक और मतदान के लिए प्रेरित करने वाले सभी लोगों, विभिन्न लोक सेवी संस्थाओं और संगठनों के प्रति भी अपना आभार व्यक्त किया है।

बच्चों के हुनर को विविध रंगों में संवारने अदाणी फाउंडेशन का समर कैंप

रायपुर। जिले के स्कूलों में गर्मी की छुट्टी का दौर अब शुरू हो चुका है। ऐसे में अदाणी फाउंडेशन द्वारा गांवों के बच्चों में अलग तरह की पाठ्येतर हुनर को संवारने सात दिवसीय समर कैंप का आयोजन ग्राम ताराशिव के रीपा केंद्र में किया। अदाणी पॉवर लिमिटेड, रायपुर के सामाजिक सहभागिता के अंतर्गत दिनांक 3 से 9 मई तक में आयोजित इस शिविर में आसपास के छह ग्राम पंचायतों के 250 से अधिक स्कूली बच्चों ने भाग लिया। समर कैंप का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर गांव के बच्चों को क्रियात्मक, रोचक और शिक्षाप्रद बनाने विभिन्न प्रकार के आर्ट और क्राफ्ट, खेल, नृत्य आदि द्वारा बच्चों के मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक गुणों को विकसित करने हेतु एक इंद्रधनुषी प्रयास था। शिविर का शुभारंभ ग्राम ताराशिव के सरपंच मनीष वर्मा द्वारा किया गया। इस दौरान अदाणी पावर लिमिटेड रायपुर से प्रबंधक विभास कर्माकर, सहायक अभियंता अबू सलेम तथा अदाणी फाउंडेशन के कार्यक्रम प्रबंधक दीपक कुमार सिंह ,शैक्षिक कार्यक्रम संचालक श्रीमती प्रीति प्रजापति उपस्थित थी।

अक्षय तृतीया पर हुई कुल्फी और चोकोबार के बेटे-बेटी की शादी

बाकायदा शादी कार्ड छपवाकर दिया निमंत्रण

गरियाबंद। देशभर में आज अक्षय तृतीया बड़े ही धूमधाम मनाया जा रहा है। वहीं छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में भी अक्षय तृतीया (अक्ती तिहार) का अलग जश्न देखने को मिला। यहां कुल्फी और चोकोबार ने अपने बेटे-बेटी की शादी बड़े उत्साह के साथ कराई। शादी के निमंत्रण के लिए बाकायदा फूलमती संग मंगलू के नाम से कार्ड भी छपवाए गए।

ग्रामीण बच्चों के लिए पारम्परिक तिहार अक्ती बेहद खास होता है। बच्चे गुड्डे-गुड़ियों की शादी बड़े धूमधाम करते हैं। वहीं फिंगेश्वर ब्लॉक के छोटे से गांव भेंड्री में बच्चों ने गुड्डा-गुड़िया की शादी के लिए बाकायदा शादी कार्ड भी छपवाया। गांव के बीच चौपाल में शादी का भव्य मंडप सजाकर ढोल-नगाड़ों के साथ नाचते-गाते गुड्डे-गुड़ियों की शादी कराई गई।

अक्ती तिहार में दूल्हा बने गुड्डा का नाम मंगलू और पिता का नाम कुल्फी रखा गया। वहीं गुड्डी (दुल्हन) का नाम फूलमती और पिता का नाम चोकोबार रखा गया है। अक्ती का यह दिन शादी के लिए शुभ महामुहूर्त होता है। बिना पोथी-पुराण देखे आज के इस खास दिन शादियां सम्पन्न किये जाने की प्राचिन मान्यता भी है।

बता दें कि अक्षय तृतीया वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि को मनाया जाता है। अक्षय तृतीया का दिन सालभर की शुभ तिथियों की श्रेणी में आता है। अक्षय तृतीया के दिन को त्रेता युग की शुरुआत भी माना जाता है। कहा जाता है कि इस दिन किये गये कार्यों से अक्षय फलों की प्राप्ति होती है। 'न क्षय इति अक्षय' यानि जिसका कभी क्षय न हो, वह अक्षय है। इस दिन जो भी शुभ कार्य, पूजा पाठ या दान-पुण्य आदि किया जाता है, वो सब अक्षय हो जाता है।

छत्तीसगढ़ के पांच हजार गांवों तक पहुंचा श्रद्धा का स्टील बर्तन अभियान

बालोद। धरती पर राज्य अगर सबसे बड़ी कोई समस्या है तो वह है कचरे की और वर्तमान समय में सिंगल यूज प्लास्टिक सबसे बड़ा कचरा बनता जा रहा है। शादी हो या अन्य कोई कार्यक्रम सिंगल यूज प्लास्टिक के कारण हर तरफ गंदगी नजर आती है मवेशी भी इसे खाकर बीमार पड़ जाते हैं। ऐसे में बालोद की रहने वाली श्रद्धा साहू ने पिछले 8 साल पहले बर्तन बैंक नई पहल की नीव रखी जहां पर उन्होंने सामाजिक आयोजनों में मुफ्त में स्टेनलेस स्टील के बर्तन देना शुरू किया। अब यह जागरूकता एक अभियान बनकर उभर कर सामने आ रहा है। शुक्रवार को अक्षय तृतीया का पर्व था और इस पर्व में सबसे ज्यादा सात फेरे लिए जाते हैं। वैवाहिक आयोजनों में पहुंचकर श्रद्धा साहू स्टील बर्तन बैंक के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर रही हैं और मुफ्त में उन्हें स्टील बर्तन भी उपलब्ध करा रही हैं। पूरे जिले में 80 गांव प्रदेश में पांच हजार गांवों तक यह अभियान पहुंच चुका है।

बालोद शहर के साहू परिवार में जब विवाह उत्सव हो रहा है तो वहां पर

सिंगल उसे प्लास्टिक के किसी भी तरह का कोई बर्तन नहीं नजर आए परंतु श्रद्धा साहू द्वारा इस मुहिम से जुड़कर उनके द्वारा सिंगल यूज प्लास्टिक को ना करते हुए स्टील के बर्तन उपयोग किया जा रहा है। वह अन्य लोगों को भी स्टील बर्तन उपयोग के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

वर्षा साहू ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक को सभी जगह पर बंद किया जाना चाहिए, मवेशी भी सिंगल यूज प्लास्टिक को खाते हैं और वह बीमार पड़ते हैं। इंसानों के साथ पशुओं की सुरक्षा भी हम सब की जिम्मेदारी है। श्रद्धा साहू ने बताया कि एक छोटी सी शुरुआत आज जन अभियान बनकर सामने आ रही है। 8 साल पहले हमने एक अभियान की शुरुआत की थी। ऐसे में हमारा प्रयास अब रंग लाने लगा है।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा की गई एलडब्लूई योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा

जगदलपुर। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के एलडब्लूई जिलों में विशेष केंद्रीय सहायता योजना की क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। जिला कार्यालय के एनआईसी कक्ष में पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा, जिला पंचायत सीईओ एवं प्रभारी कलेक्टर प्रकाश सर्वे, वन मंडलाधिकारी उत्तम गुप्ता सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि एलडब्ल्यूई योजनांतर्गत गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने राज्य के घुर नक्सल प्रभावित जिलों में विशेष केंद्रीय सहायता योजना तीन वर्ष के लिए वर्ष 2017-18 में शुरू की गई थी, जिसे तीन वर्ष के बाद भी जारी रखा गया है। बस्तर संभाग के 07 जिले जिसमें बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, नारायणपुर, सुकमा बस्तर एवं कोंडागांव है। जिसका सकारात्मक परिणाम भी बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित ईलाकों में देखने को मिल रहा है। इस योजना से बस्तर संभाग के नक्सल प्रभावित ईलाकों में जैसे-जैसे विकास के मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होने लगा है।

नक्सलियों द्वारा लगाये गये 20 किलो का आईईडी बरामद

दंतेवाड़ा। जिले में चलाये जा रहे नक्सल उनमुलन अभियान के तहत मुखबीर से आसूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम बर्रेम व पोटाली जाने वाले रास्तें पर नक्सलियों द्वारा आईईडी लगाये जाने की सूचना मिलने पर तस्दीक हेतु डीआरजी एवं बस्तर फाईटर दंतेवाड़ा के बल एरिया सर्चिंग हेतु थाना अरनपुर क्षेत्रान्तर्गत ग्राम समेली, केड़ापारा, बर्रेम, नीलावाया एवं पोटाली की ओर रवाना होकर समेली से बर्रेम जाने वाली व अरनपुर से पोटाली जाने वाली मार्ग पर बारिकी से सर्चिंग करने पर दो अलग-अलग रास्तो में नक्सलियों द्वारा जवानों को नुकसान पहुंचाने के लिये ग्राम समेली से बर्रेम जाने वाली रास्ते में 10 किग्रा का आईईडी एवं अरनपुर से पोटाली जाने वाली रास्ता में 10 किग्रा आईईडी बरामद किया गया। जिसे बीडीएस दंतेवाड़ा द्वारा सतर्कता पूर्वक बरामद कर निष्क्रय कर दिया गया।

कुटरू में किराना दुकान में लगी आग, सामान हुआ खाक

बीजापुर। बीजापुर जिले के कुटरू में बीती रात एक किराना की दुकान में आग लग गई। आग लगने की वजह से वहां रखा लाखों रुपये का सामना जलकर खाक हो गया है। कुटरू तहसीलदार वीरेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि कुटरू में बेदरे जाने वाले मार्ग पर विजय आनंद नाम के एक किराना व्यवसायी की दुकान में बीती रात आग लग गई। इस आगजनी की घटना से दुकान में रखा करीब 80 फीसदी से ज्यादा सामान जलकर खाक हो गया हैं। जिसकी अनुमानित कीमत 3 लाख रुपये आंकी गई है। तहसीलदार श्रीवास्तव ने बताया कि रात में कुटरू में बिजली गुल होने की वजह से दुकानदार ने दुकान में मोमबत्ती जला रखी थी। जाते वक्त दुकानदार मोमबत्ती बुझाना भूल गया और रात तकरीबन 11 बजे के आसपास आग भड़क उठी और दुकान में रखा सामान व बड़ा फ्रीजर जलकर खाक हो गया। तहसीलदार ने बताया कि पटवारी मौके पर गये हुए हैं। जांच की जा रही है।

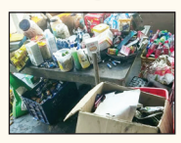

कार ने स्कूटी में मारी टक्कर दो सीआईएसएफ कर्मी घायल

दुर्ग। दुर्ग के भिलाई भट्टी थाना क्षेत्र के सेंट्रल एवेन्यू रोड के सेक्टर 1 एसबीआई बैंक क्रासिंग के पास तेज रफ्तार कार चालक ने स्कूटी सवार दो महिला सीआईएसएफ आरक्षकों को टक्कर मार दी। आरोपी चालक कार को छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने घायल दोनों आरक्षकों को सेक्टर-9 हॉस्पिटल में भर्ती कराया। जहां दोनों का उपचार जारी है। एक महिला आरक्षक की हालत गंभीर बताई जा रही है। भिलाई भट्टी थाना प्रभारी विपिन रंगारी ने बताया कि गुरुवार देर शाम की घटना है। सेक्टर-3 निवासी महिला आरक्षक भाग्यश्री कलीता और कसक जायसवाल दोनों सीआईएसएएप में पदस्थ हैं। दोनों स्कूटी पर सवार होकर सेक्टर-3 की ओर से सेंट्रल एवेन्यू रोड एसबीआई चौक को पार कर रही थीं। उसी समय मुर्गा चौक की तरफ से तेज रफ्तार स्कोडा कार चालक ने स्कूटी को जोरदार टक्कर मारी और मौके से फरार हो गया। इस घटना में दोनों आरक्षकों को चोट आई है, जिसमें एक महिला आरक्षक को गंभीर चोट आई है। वहीं, दूसरे का पैर फैक्चर हो गया।

चोरी के पैसों से दोस्तों के साथ गोवा में पार्टी

जगदलपुर। जगदलपुर में चोरों ने अपनी शौक पूरा करने के लिए सूने मकान पर धावा बोल दिया। नगदी रकम और सोने-चांदी के जेवरात पर हाथ साफ किया। चोरी के पैसे को बांटकर और जेवरात को बेचकर चोरों ने दोस्तों के साथ गोवा में पार्टी करने के लिए फरार हो गए। मामले में बस्तर पुलिस ने नगरनार क्षेत्र में हुए चोरी के मामलों को सुलझाते हुए आरोपियों को धर दबोचा है। चोरी के जेवरात को बेचकर और घर से मिले नगदी पैसों को लेकर गोवा में पार्टी मनाने चले गए, पुलिस ने उनके आने के बाद बचे पैसों के साथ ही जेवरात खरीदने वाले आरोपी को भी धर दबोचा। साथ ही आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया। मामले की जानकारी देते हुए बस्तर एसपी सलभ सिन्हा ने बताया कि मामले में कृष्णा सेटटी को हिरासत में लेकर पुछताछ की गई। आरोपी ने बताया कि 28 फरवरी को आरोपी अपने मामा राहुल सेटटी के साथ मोटर सायकल में थाना नगरनार के ग्राम कस्तुरी में एक सूने मकान पर चोरी की घटना को अंजाम दिया है।

बीएसपी मरोदा जलाशय पर स्थापित करेगा फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र

■ भिलाई इस्पात संयंत्र का एनएसपीसीएल के साथ हुआ पीपीए साइन

भिलाई। भिलाई इस्पात संयंत्र ने एनटीपीसी-सेल पावर सप्लाई कंपनी लिमिटेड (एनएसपीसीएल) के साथ 15 मेगावाट क्षमता वाले फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र की स्थापना के लिए पीपीए साइन किया गया। 9 मई को इस्पात भवन में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र और एनएसपीसीएल के बीच, विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह संयंत्र, बीएसपी के मरोदा-1 जलाशय में स्थापित किया जाएगा। यह छत्तीसगढ़ राज्य का पहला फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र होगा।

इस अवसर पर, भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार, कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (परियोजनाएं) श्री राजीव कुमार श्रीवास्तव और कार्यकारी कार्यपालक निदेशक (वित्त एवं लेखा) श्री देबेंद्र नाथ करण उपस्थित थे।

साथ ही मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (लौह) श्री तापस दासगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (सेवायें) श्री प्रबीर कुमार सरकार, मुख्य महाप्रबंधक प्रभारी (एम एंड यू) श्री असित साहा, मुख्य महाप्रबंधक (विद्युत सुविधाएं) श्री राजीव पांडेय, बिजनेस यूनिट प्रमुख (एनएसपीसीएल) श्री एस चट्टोपाध्याय, महाप्रबंधक (ओएस-एनएसपीसीएल) श्री त्रिदिब देब, महाप्रबंधक (प्रोजेक्ट-एनएसपीसीएल) श्री आलोक सिंह और सेल-भिलाई और एनएसपीसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित थे।

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (पावर फैसिलिटीज) श्री राजीव पांडेय और एनएसपीसीएल-भिलाई से बीयूएच (एनएसपीसीएल) श्री एस चट्टोपाध्याय ने इस विद्युत खरीद समझौते (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए। यह परियोजना बीएसपी के कार्बन उत्सर्जन को कम करने और ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। अनुमान है कि इस संयंत्र से सालाना 34.26 मिलियन यूनिट ग्रीन विद्युत् का उत्पादन होगा। जिसका उपयोग बीएसपी अपनी कैप्टिव विद्युत् जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगा। इससे बीएसपी के कार्बन उत्सर्जन में सालाना 28,330 टन की कमी आने की सम्भावना है। एनएसपीसीएल, जो एनटीपीसी और सेल का एक संयुक्त उद्यम है, इस परियोजना के लिए परामर्शदाता के रूप में कार्य करेगा। निविदा प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है और ईपीसी अनुबंध को शीघ्र ही अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। इस परियोजना को वर्ष 2025 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यह एनएसपीसीएल की पहली सौर ऊर्जा परियोजना होगी और यह कंपनी के लिए ग्रीन ऊर्जा पोर्टफोलियो विकसित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। यह बीएसपी को ग्रीन इस्पात उत्पादन की अपनी यात्रा को आगे बढ़ाने में मदद करेगा। बीएसपी के इस परियोजना के तहत अगले चरण में एनएसपीसीएल के माध्यम से, 35 मेगावाट क्षमता वाले अतिरिक्त फ्लोटिंग सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना प्रस्तावित है। इस परियोजना के लिए डीपीआर पहले ही तैयार कर लिया गया है और टेंडर प्रक्रिया भी जल्द ही शुरू होने की संभावना है।

भिलाई स्टील प्लांट में मेंटनेंस काम के दौरान मजदूर घायल

दुर्ग भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में फिर एक हादसा हो गया है। इस हादसे में एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए मेन मेडिकल पोस्ट लाया गया। जिसके बाद आगे इलाज के लिए उसे सेक्टर 9 हॉस्पिटल रेफर किया गया है। जानकारी के मुताबिक, ब्लास्ट फर्नेस-3 के पीछे मेंटेनेंस के कार्य के दौरान फाउलर से एक मजदूर को चोट लगी है। मेंटेनेंस के दौरान यह मजदूर ऊंचाई से गिरा है। हादसे में जिससे सेक्टर 4 निवासी 49 वर्षीय धनमोहन नायक के पैर में गहरी चोट लगी है। बीएमएस के महासचिव चन्ना केशवलू के मुताबिक, गंभीर हालत में जख्मी मजदूर को सेक्टर 9 हॉस्पिटल के बजाय शंकराचार्य हॉस्पिटल ठेका कंपनी के लोग लेकर जा रहे थे। यूनियन के विरोध पर उसे सेक्टर 9 हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। हादसे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। मजदूर के पैर में चोट आई है, जिसका इलाज जारी है। चन्ना केशवलू ने कहा यह प्रबंधन की घोर लापरवाही है। मजदूर का 10 लाख रुपए का इंश्योरेंस तक नहीं किया गया है। ठेकेदार ने मजदूरों का इंश्योरेंस तक नहीं किया है। हादसे की सूचना मिलने पर श्रमिक यूनियन के नेता भी मौके पर पहुंच गए। यूनियन के पदाधिकारी मेन मेडिकल पोस्ट लेकर सेक्टर 9 हॉस्पिटल तक लगे हुए हैं।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ के जागेश्वर यादव हुए पद्मश्री से सम्मानित, मुख्यमंत्री ने दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी

जनजातियों के उत्थान के लिए काम करने वाले बिरहोर के भाई के नाम से प्रसिद्ध जागेश्वर यादव को देश की महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी है। साथ ही उन्होंने जागेश्वर यादव के जीवन को प्रेरणादायक बताया। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स में बधाई संदेश में उन्होंने लिखा है कि- छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बिरहोर के भाई जागेश्वर यादव को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आदिवासी उत्थान के लिए प्रतिबद्ध आपका सम्पूर्ण जीवन प्रेरणादायक और अनुकरणीय है। जागेश्वर यादव का नाम 2024 के पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित हुआ था। जशपुर जिले के बिरहोर आदिवासियों के उत्थान के लिए बेहतर काम करने पर उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जागेश्वर यादव ने आदिवासियों को साक्षर करने और शिशु मृत्यु दर कम करने जैसे बड़े काम किए हैं।

आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत, राजद्रोह मामले पर लगाई रोक

बिलासपुर। आईपीएस जीपी सिंह को

हाईकोर्ट से एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है। हाईकोर्ट ने जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के केस पर रोक लगा दी है। बता दें कि 1994 बैच के आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केस की प्रोसिडिंग पर रोक लगा दी है। इससे पहले बीते 2 मई को आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी। हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उनके खिलाफ सुपेला थाने में दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी। जीपी सिंह ने इस एफआईआर को समाप्त करने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

चुनाव ड्यूटी के दौरान मौत, परिवार को दी गई 15 लाख रुपये की अनुग्रह राशि

रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के दौरान ड्यूटी में लगे अजय वर्मा की छह मई को निधन हो गया। इस पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रीना बाबा साहेब कंगाले ने संज्ञान में लेते हुए जिला प्रशासन को अनुग्रह राहत राशि देने के लिए निर्देशित किया गया। इस पर जिला निर्वाचन अधिकारी और कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर 48 घंटे के भीतर मृतक के परिजनों को अनुग्रह राशि दिया गया है। नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे स्वर्गीय अजय वर्मा के डगनिया स्थित निवास पर पहुंचे और उनकी पत्नी नीलू वर्मा को 15 लाख रुपये का चेक सौंपा। स्वर्गीय अजय वर्मा नगर निगम के जनसंपर्क शाखा में कार्यरत थे। उसके निधन होने पर छह मई को कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने महादेवघाट स्थित मुक्तिधाम पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की थी और शोक व्यक्त किया था।

सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की कमी, हाईकोर्ट ने माना गंभीर

बिलासपुर। प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की कमी के चलते बीते पांच साल में 40 हजार बच्चों की मौत को हाईकोर्ट ने गंभीर माना है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रजनी दुबे की डिवीजन बेंच ने जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान कहा कि शासन की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि सरकारी अस्पतालों में बेड और वेंटिलेटर की कमी चिंताजनक है। दरअसल, सरकारी अस्पतालों की अव्यवस्था और सुविधाओं की कमी को लेकर खबर आई थी, जिसके मुताबिक पिछले पांच सालों में शून्य से लेकर पांच साल की उम्र के 40 हजार बच्चों की मौत हुई है। इनमें 25 हजार से ज्यादा बच्चों की मौत तो जन्म के महज एक माह के भीतर हो गई। इसी तरह मृत जन्म यानी स्टिल बर्थ की संख्या भी 24 हजार से ज्यादा है।

पुलिस ने ओडिशा के तस्कर को रायपुर रेलवे स्टेशन पर दबोचा

रायपुर। रायपुर पुलिस ने एक बार फिर निजात अभियान के तहत गांजा तस्कर के खिलाफ कार्रवाई की है। पुलिस ने 16.441 किलोग्राम गांजा के साथ ओडिशा के अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर बृन्दाबन नूरनाका को गिरफ्तार किया है। जब्त गांजा की कीमत दो लाख 63 हजार रुपये आंकी गई है। रायपुर में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट अंतर्गत गठित नारोटिक्स टीम को सूचना मिली कि थाना गुढ़ियारी क्षेत्रांतर्गत रायपुर रेलवे स्टेशन नंबर सात पर एक व्यक्ति अपने पास गांजा रखा है। गांजा को कहीं ले जाने के फिराक में है। सूचना मिलते ही वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना गुढ़ियारी पुलिस ने टीम गठित की। इस दौरान पुलिस उक्त स्थान पर जाकर मुखबिर के बताये हुलिये के व्यक्ति को चिन्हांकित कर पकड़ा गया। पूछताछ में व्यक्ति ने अपना नाम बृन्दावन नूरनाका होना बताया।

भूपेश नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिले

■ सीएम साय ने पूर्व सीएम पर साधा निशाना

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीनों चरणों के मतदान पूरे होने के एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर निशाना साधा है। सीएम साय ने पूर्व सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि, मोदी जी की सरकार कभी किसी से भेदभाव नहीं करती है। पिछली कांग्रेस सरकार के साथ भी कोई भेदभाव नहीं था। लेकिन यहां की सरकार, स्वयं भूपेश बघेल भी नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले। उनकी सोच थी कि, इसका श्रेय भाजपा और मोदी जी को चला जाएगा।

सीएम साय ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में 18 लाख गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हो गए। यही हाल राष्ट्रीय राजमार्ग एवं आयुष्मान योजना का रहा। इन योजनाओं को पूर्व सरकार ठीक से लागू नहीं कर पाई इसलिए उन्हें सरकार से हाथ धोना पड़ा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक इंटरव्यू में पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और पीएम मोदी के साथ अपने काम के अनुभव को साझा करते हुए कहा था कि, मेरा सौभाग्य है कि जब अटल जी प्रधानमंत्री थे, तब मैं पार्लियामेंट में था। उसी समय उन्होंने 1 नवंबर वर्ष 2000 को छत्तीसगढ़ को एक नए प्रदेश के रूप में पहचान दी। अटल जी की भाषा शैली को विपक्ष के लोग भी उत्साह से सुनते थे। कुशल समन्वयक थे, सबको साथ

लेकर चलते थे। 23 पार्टियों के साथ मिलकर उन्होंने सरकार चलाई।

सीएम साय ने आगे बताया कि, अटल जी ने किसानों के हित में कई कार्य किए। जो किसान पहले ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज के बोझ तले परेशान थे उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कम ब्याज में कर्ज देने का काम अटल सरकार ने किया। फसल बीमा जिसका पहले केवल नाम सुनते थे उसको सरल बनाया, जिसका फायदा भी किसानों को मिला।

सीएम साय ने कहा कि मोदी जी के दस वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्य ङ्क हर घर बिजली-पानी, फ्री राशन, गैस सिलेंडर, बैंक अकाउंट खुलवाना, शौचालय निर्माण सहित करोड़ों लोगों की भावना से जुड़े भगवान राम मंदिर का निर्माण और दो निशान, दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेगा की तर्ज पर धारा 370 हटाना जैसी अनेक उपलब्धियां लोगों के बीच लेकर जा रहे हैं।

सीएम साय ने कहा कि, पूर्व की सरकारों में विकास का पैसा भ्रष्टाचार एवं कमीशनखोरी की बलि चढ़ जाता था। स्व. राजीव गांधी खुद कहा करते थे कि वो दिल्ली से 1? भेजते हैं लेकिन लोगों तक केवल 15 पैसा ही पहुंचता है। मोदी जी ने गरीबों के लिए बहुत से काम किए हैं साथ ही पूरे विश्व में उनका मान-सम्मान भी बढ़ाया है।

सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी जबसे हमारी सरकार बनी है, मोदी की गारंटी पर रॉकेट की गति से सांय-सांय काम हो रहे हैं। जिसे जनता समझ रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ की सभी सीटों पर हम चुनाव जीतने जा रहे हैं। ये चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए सबक होंगे। दूसरे प्रदेशों में लगातार सभाओं के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, उड़ीसा में प्रचार करने जा रहा हूं। जहां पूरा वातावरण भाजपा के पक्ष में हैं और 400 पार का हमारा संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है। सीएम साय ने बताया कि, पहले उन्होंने विधायक, सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम किया उस समय जिम्मेदारी भी छोटी थी। लेकिन अब एक प्रदेश के मुखिया होने के नाते उनका कार्य क्षेत्र बढ़ा है और जिम्मेदारी भी। जिससे समय और दिनचर्या में परिवर्तन करना जरूरी है। ताकि लोगों के विश्वास पर खरा उतर सकें।

उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता ने मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी पर बहुत विश्वास किया है। हम लोगों का भी पूरा प्रयास है कि, हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। छत्तीसगढ़ की जनता की खुशहाली के लिए जितनी भी मेहनत की जाए वो कम है। इसलिए वो वक्त देख कर नहीं जनता को देख कर पूरी ऊर्जा से काम कर रहे हैं। केंद्र या राज्य की राजनीति में पसंद के सवाल पर विष्णु देव साय ने कहा कि पार्टी का आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है। जहां भी काम करने का आदेश आएगा वहां काम करेंगे। मुझे यहां तक पहुंचाने वाली भी भारतीय जनता पार्टी है।

वहीं अपने पसंदीदा खाने के सवाल पर श्री साय ने कहा कि कुछ स्पेशल मुझे पसंद नहीं है, जो मिल जाए दाल- चावल, सब्जी रोटी, मैं वो खा लेता हूं। हमारी धर्मपत्नी अपने घर में रहती है, वो हमारा परिवार संभालती है और हम यहां रायपुर में। पहले भी जब हम सांसद थे तो अधिकतर समय दिल्ली में ही रहना होता था या लोगों के बीच में, जिससे खाना बाहर ही खा लेते थे। इस कारण पत्नी के हाथों से बना खाना बहुत ही कम खाने को मिलता है। मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई कि, मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर डबल इंजन की उनकी सरकार छत्तीसगढ़ को उस मुकाम पर पहुंचाने में कामयाब होगी जिसका छत्तीसगढ़ असल हकदार है।

डेमोग्राफी का चेंज होना भारत की एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है: गृहमंत्री

रायपुर। छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री/गृह मंत्री विजय शर्मा ने देश व प्रदेश की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में आ रहे बदलाव पर गहरी चिंता जताते हुए कहा है कि डेमोग्राफी का चेंज होना भारत की एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की रिपोर्ट में उल्लिखित आँकड़ों के मद्देनजर श्री शर्मा ने कहा कि सामान्यत: जनसंख्या में ऐसी बढ़ोतरी नहीं होती, इसलिए इसमें कितनी संख्या में घुसपैठिए हैं, इस पर भी विचार किया जाना बहुत आवश्यक है। श्री शर्मा ने कहा कि इसको स्पष्ट करना होगा कि किन-किन क्षेत्रों में ऐसा हो रहा है?

शर्मा ने कहा कि डेमोग्राफी का चेंज होना किसी भी स्थान के लिए बहुत बड़ा खतरा होता है। हिंदुओं की सहिष्णुता आदिकाल से पूरी दुनिया के सामने ही स्थापित है। हिंदू की सहिष्णुता के कारण ही यहाँ पर सारा अल्पसंख्यक समुदाय फल-फूल रहा है और हमें इसकी खुशी भी है, लेकिन हिंदुओं की संख्या कम हो जाए, यह भी चिंता का विषय है। हिंदुओं की संख्या कम होने से देश में अराजकता आएगी। श्री शर्मा ने कहा कि हिंदुओं की संख्या जिस अनुपात में 7.8 प्रतिशत घटी हुई बताई जा रही है तो यह विचारणीय है कि कितने करोड़ों में यह संख्या आएगी और जो जनसंख्या बढ़ी है, वह लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ी है। तो यह कितनी बड़ी बात है! इतनी जनसंख्या सामान्यतया नहीं बढ़ सकती। यह एक गंभीर प्रश्न है कि अगर इस अनुपात में आबादी बढ़ी है तो यह कैसे बढ़ी है? कितनी घुसपैठ हो गई है? इसको स्पष्ट करना होगा कि किन-किन क्षेत्रों में ऐसा हो रहा है? उसकी स्पष्टता पर जाना होगा और उसके बाद वहाँ पर सारा जनमानस तैयार होना चाहिए। इस विषय की गंभीरता को सभी को समझना होगा, अन्यथा भारत ऐसे ही विभाजन के दंश झेल चुका है। डेमोग्राफी का यह बदलाव भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। श्री शर्मा ने कहा कि कोई सामान्य प्रक्रिया में इतनी जनसंख्या इतनी जल्दी नहीं बढ़ सकती है। इसमें बहुत सारी चीजें हैं जो जिम्मेदार हैं। इसलिए यह कहना बेमानी है कि चुनाव के समय ऐसा क्यों बोला जा रहा है? इस विषय पर चुनाव के समय क्यों नहीं बोलना चाहिए? कोई भी विषय हो, चुनाव के समय बोलना है या नहीं बोलना है, ऐसा नहीं होता है। जो आवश्यक है, वह बोला जाए और इसमें कोई संशय नहीं है।

यदि देश में डेमोग्राफिकल चेंज हुआ है तो दोषी भाजपा और मोदी है: शुक्ला

2011 के बाद देश की जनगणना हुई ही नहीं

रायपुर। यदि देश में डेमोग्राफिकल चेंज हुआ है तो उसकी दोषी भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि देश में 10 सालों से भाजपा की सरकार है। भाजपा दंभ भरती है कि उसके राज में हिंदू ज्यादा सुरक्षित है। वह सनातन के आधार पर सरकार चलाने का दावा भी करती है, फिर भी यदि देश में हिन्दुओं की आबादी कम हो गयी है तो इसके लिये भाजपा की केन्द्र सरकार उसकी नीतियां दोषी है। आपने 10 वर्षों तक क्या किया जो ऐसी स्थिति निर्मित हुई है? यदि देश में घुसपैठिये घुस आये और एक धर्म की आबादी बढ़ गयी तो उसके लिये भी भाजपा की केन्द्र सरकार जिम्मेदार है। देश की सीमायें सुरक्षित क्यों नहीं रख पाये? 2011 की जनगणना में तो ऐसी स्थिति नहीं थी। 2014 से मोदी की सरकार बनी है तो

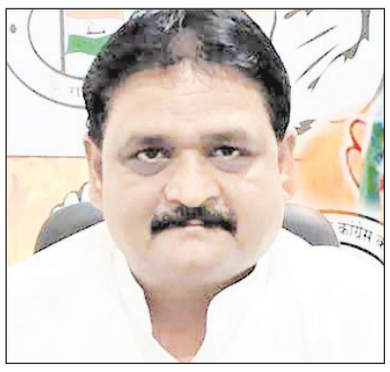

जनसंख्या के इस बदलाव की दोषी तो मोदी सरकार ही मानी जायेगी।

शुक्ला ने कहा कि देश में किसी भी धर्म जाति, संप्रदाय की संख्या का सही आंकड़ा सरकार के पास है ही नहीं। भाजपा प्रोपोगंडा कर रही ताकि इसको चुनावी मुद्दा बनाया जा सके। भाजपा और मोदी अपने आर्थिक सलाहकार से बयान दिलवा कर देश की जनता में मुस्लिमों की आबादी का भय दिखा कर वोट हासिल करना चाह रहे है। जब 2011 के बाद देश की जनगणना ही नहीं हुई है, 2022 में मोदी सरकार ने जनगणना करवाया ही नहीं फिर कैसे दावा कर रहे कि मुस्लिमों की आबादी बढ़ गयी, हिन्दुओं की कम हो गयी। यह बयान भाजपा की चाल है। चुनाव जीतने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा तो भाजपा हिन्दू-मुस्लिम पर उतर आई है लेकिन भाजपा का षडयंत्र अब नहीं चलने वाला जनता भाजपा के षडयंत्रों को समझ चुकी है अबकी मोदी की नाकामी, वादाखिलाफी के खिलाफ मतदान करेगी। 10 सालों में मोदी और भाजपा हिन्दुओं को सुरक्षित रखने और उनको समृद्ध बनाने में नाकामयाब साबित हुये है। मोदी के आर्थिक सलाहकार के बयानों से तो यही लग रहा है।

सरोज पांडेय की मुश्किलें बढ़ीं, भाजपा प्रत्याशी के चुनावी खर्च में जुड़ेगा हनुमान कथा का खर्चा

मनेन्द्रगढ़। आचार संहिता के दौरान कोरबा लोकसभा के चिरमिरी में आयोजित हुई बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमान कथा का खर्च कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्चे में जुड़ेगा। कोरबा लोकसभा के चिरमिरी के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम गोदरीपारा में 26 अप्रैल को हनुमान कथा का आयोजन किया गया था। इस कार्यक्रम में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी हेलीकॉप्टर से चिरमिरी पहुंचे थे।

हनुमान कथा के समापन के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आयोजकों के नाम का जिक्र करते हुए कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का नाम लेते हुए कहा था कि आयोजकों के लिए ताली बजाई जाए और वे मंच पर आएं

क्योंकि उन्होंने खर्चा किया है। कार्यक्रम स्थल की वीडियोग्राफी के आधार पर सरोज पांडेय को इस मामले में निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी किया था। जिसका जवाब देते हुए सरोज पांडेय ने कहा कि वे इस कार्यक्रम की आयोजक नहीं थीं न ही कार्यक्रम स्थल पर भाजपा का प्रचार हो रहा था।

निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम स्थल की करवाई गई वीडियोग्राफी व कांग्रेस की शिकायत के आधार व पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कबूलनामें के आधार पर निर्वाचन आयोग ने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्च में कार्यक्रम का खर्च जोड़ने का निर्णय लिया है।

आपको बता दें कि अब तक कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय द्वारा दिये गए खर्च ब्यौरे के आधार पर 5 मई तक 51 लाख 67 हजार 953 रुपए खर्च किए गए है। खर्च सीमा 90 लाख है। 29 लाख 37 हजार 179 रुपये शेष है। अगर धीरेंद्र शास्त्री की हनुमान कथा का खर्च 30 लाख से ऊपर जाता है तो भाजपा प्रत्याशी तय खर्च सीमा से ज्यादा राशि खर्च करने के मामले भी फंसती नजर आएंगी। क्योंकि चिरमिरी में बागेश्वर बाबा का कार्यक्रम भव्य तौर पर आयोजित हुआ था। हेलीकॉप्टर से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे थे और भव्य डोम के अलावा डोम के दोनों ओर पंडाल भी बनाया गया था।

महादेव सट्टा केस, दुर्ग का बर्खास्त आरक्षक अर्जुन यादव पचमढ़ी में धराया

दुर्ग। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले का बर्खास्त और फरार आरक्षक अर्जुन यादव को ईओडब्ल्यू की टीम ने मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में पकड़ा है। ईओडब्ल्यू की टीम उसे हिरासत में लेकर रायपुर दफ्तर लाया है। बर्खास्त आरक्षक अर्जुन यादव पर महादेव ऐप ऑनलाइन सट्टा केस में संलिप्तता का आरोप है।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच से बचने के लिए बर्खास्त आरक्षक अर्जुन यादव फरार हो गया था। ईडी की नोटिस के बाद भी वह पूछताछ में शामिल नहीं हुआ। महादेव ऐप घोटाले केस में उसका छोटा भाई बर्खास्त आरक्षक भीम सिंह यादव जेल में है। अब महादेव ऐप सट्टा घोटाले की जांच ईओडब्ल्यू कर रही है। इसलिए ईओडब्ल्यू की टीम ने फरार आरक्षक अर्जुन यादव की तलाश में थी।

गौरतलब है कि ईओडब्ल्यू की टीम महादेव ऐप को लेकर अर्जुन यादव से पूछताछ कर रही है। उसे गिरफ्तार कर शुक्रवार को विशेष न्याय न्यायालय में पेश किया जाएगा। ईओडब्ल्यू उसे पूछताछ के लिए रिमांड में लेगी।

इसी छापेमार कार्रवाई की कड़ी में प्रधान आरक्षक विजय पांडेय के घर कांकेर के चारामा टीम गई। लेकिन ईओडब्ल्यू के कार्रवाई की विजय को भनक लग गई थी। जिसके बाद वह परिवार समेत घर से फरार हो गया। ईओडब्ल्यू की टीम ने उसके मकान को सील कर दिया है। ईओडब्ल्यू को महादेव ऐप ऑनलाइन सट्टा से जुड़े सराफा व्यापारियों के ठिकाने से काफी अहम दस्तावेज मिले हैं, जिसे जब्त कर जांच की जा रही है।

कृषि विवि में मनाया गया अक्ती तिहार

कुलपति चंदेल ने मिट्टी व बीजों की पूजा कर अच्छी फसल की कामना की

■ कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत संचालित विभिन्न संस्थानों में भी मनाया गया अक्ती तिहार

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आज यहां अक्षय तृतीया के अवसर पर विश्वविद्यालय स्तरीय अक्ती तिहार समारोह का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने विश्वविद्यालय प्रक्षेत्र में माटी पूजन एवं बीज संस्कार कर खेत में धान के बीजों की बुवाई की। उन्होंने ट्रैक्टर चलाकर खेतों की जुताई भी की। डॉ चंदेल ने अच्छी फसल के लिये धरती माता से प्रार्थना करते हुवे कोठी से धान के बीज लाकर पूजा की और गौ माता को चारा भी खिलाया। इस अवसर पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की आंतरिक बस सेवा का शुभारंभ भी किया गया।

अक्ती तिहार समारोह को संबोधित करते

हुए कुलपति डॉ चंदेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की संस्कृति में अक्षय तृतीया को किसानों द्वारा मिट्टी एवं बीजों की पूजा कर बीज बुवाई करने की परंपरा है। इस प्रकार अक्षय तृतीया के दिन से नये कृषि सत्र की शुरूआत होती है। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए समस्त कृषि महाविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं बीज प्रक्षेत्रों में अक्ती तिहार समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। डॉ. चंदेल ने कहा कि आज का दिन मिट्टी, पानी तथा पर्यावरण की रक्षा का संकल्प लेने का अवसर भी है। उन्होने कहा कि इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ के किसानों को विभिन्न फसलों के उन्नत प्रमाणीकृत बीज उपलब्ध कराए जा रहे है जिससे उन्हें अच्छी पैदावार मिल सके और अधिक लाभ प्राप्त हो सके। इस अवसर पर कुलसचिव श्री जी.के. निर्माम, निदेशक प्रक्षेत्र एवं बीज डॉ. एस.एस. टुटेजा, निदेशक विस्तार सेवायें डॉ. अजय वर्मा, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ संजय शर्मा, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रायपुर डॉ. जी.के. दास, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी डॉ. वी.के. पाण्डेय, अधिष्ठाता खाद्य प्रौद्योगिकी डॉ ए.के. दवे सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

थाने में जाए बिना मकान मालिक दे पाएंगे किराएदारों की जानकारी

■ एप की पायलट टेस्टिंग में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने परखी उपयोगिता

रायपुर। मकान मालिकों को अपने किराएदारों की जानकारी साझा करने के लिए थाने में जाकर कागजी कार्रवाई की दिक्कत से निजात दिलाने छत्तीसगढ़ सरकार एप विकसित कर रही है। इस एप के पायलट टेस्टिंग के दौरान स्वयं उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने उपयोगिता परखी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे इस एप की उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा उपयोगिता परखे जाने का वीडियो सोशल मीडिया साइट ङ्क पर उज्जवल दीपक नामक यूजर ने शेयर किया है। उन्होंने बताया कि इस एप में केवल एक सुविधा नहीं बल्कि अनेकों सुविधाएं होंगी।

जन सामान्य के लिए समर्पित इस ऐप की पायलट टेस्टिंग के लिए एक जिले में ट्रायल किया गया है। इसके प्रस्तुतिकरण के दौरान मौजूद उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सॉफ्टवेयर में उपलब्ध डाटा में से एक मोबाइल नंबर डायल कर सत्यापन कर संतुष्टि जताई।

स्वार्थ से प्रेरित है भारत विरोधी प्रचार

अनिल त्रिगुणायत

पश्चिमी सरकारों, संस्थानों और मीडिया द्वारा भारत विरोधी नैरेटिव बनाने की कोशिश के बारे में विदेश मंत्री एस जयशंकर का जो बयान आया है, वह पूरी तरह सही है। भारत के विकास तथा उसके वैश्विक प्रभाव को बाधित करने की मंशा से कुछ देश हमारे विरुद्ध तरह-तरह का दुष्प्रचार कर रहे हैं। ऐसा केवल सरकारों की ओर से नहीं किया जा रहा है, बल्कि इसमें मीडिया और संगठनों की भूमिका भी है। पश्चिमी सरकारों और मीडिया ने निज्जर और पन्नू के मामलों में भारतीय एजेंसियों के शामिल होने की निराधार बातें की, मानवाधिकार को लेकर सवाल उठाने के प्रयास हुए, आंतरिक राजनीति, प्रशासन और कानून व्यवस्था के बारे में टिप्पणियां की गयीं। भारत सरकार की ओर से कड़ा एतराज दर्ज कराया गया है। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि यह सब एक सोची-समझी रणनीति के तहत किया जा रहा है। एक प्रकार से यह उनका विशेष टूल-किट है, जिसे वे अपनी मीडिया के जरिये बढ़ाना चाहते हैं। इसी क्रम में पश्चिम के कई देशों ने अपनी संस्थाएं स्थापित की हुई हैं, जिन्हें वे शोध संस्थान और नागरिक समाज की श्रेणी में रखते हैं। ये समूह तथ्यों को तोड़-मरोड़कर तथा पूर्वाग्रह से ग्रस्त अपने विश्लेषण को बिल्कुल पेशेवर अंदाज में प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए, हमने कई बार देखा है कि लोकतंत्र सूचकांक में पाकिस्तान जैसे देशों को भारत से ऊपर दिखा दिया जाता है, मीडिया की स्वतंत्रता के सूचकांक में भारत की तुलना में अफगानिस्तान को बेहतर बता दिया जाता है। इससे स्पष्ट है कि ऐसे सूचकांकों या रिपोर्टों की विश्वसनीयता नहीं है। उनका एजेंडा एक खास तरह का नैरेटिव बनाना है, सो वे उसी दिशा में काम करते रहते हैं। ऐसा वे इसलिए कर पाते हैं कि उनके पास एक मजबूत मीडिया है। अनेक देशों, जिनमें भारत भी शामिल है, का मीडिया कई मामलों में पश्चिम की अंग्रेजी मीडिया पर निर्भर और उससे प्रभावित रहता है। जानकारी के अभाव में या उनके प्रभाव में भारत में भी मीडिया कई बार पश्चिम मीडिया की बातों को दोहराता रहता है। इसका लोगों पर असर होता है, जो खतरनाक है क्योंकि वे ऐसी खबरों पर भरोसा कर लेते हैं। आजकल सोशल मीडिया का प्रभाव बहुत बढ़ गया है। विभिन्न सोशल मीडिया मंचों पर लोग बिना सोचे-विचारे खबरों को साझा कर आगे बढ़ाते रहते हैं। जब तक कोई प्रतिक्रिया आये या उसका खंडन हो, बात बहुत दूर तक फैल चुकी होती है। जबकि होना यह चाहिए कि लोग साझा करने से पहले खबरों की पड़ताल करें और उसके निहितार्थों को समझें। ऐसी स्थिति में हमें ठोस तैयारी की आवश्यकता है। भारत के विरुद्ध पश्चिम या कुछ अन्य देशों की सरकारों और मीडिया द्वारा जो नैरेटिव रचने का उपक्रम चल रहा है, उसे %ग्रे-जोन वॉरफेयर% कहा जाता है। अभी हाल में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कह दिया कि जिन देशों में अप्रवासी नहीं आते, वहां आर्थिक विकास नहीं होता। यह कहते हुए उन्होंने भारत को चीन, जापान और रूस के साथ रख दिया। जबकि सच यह है कि हजारों वर्षों से लोग भारत आते रहे हैं और यहां बसते रहे हैं। आज भी अच्छी तादाद में दूसरे देशों के लोग भारत में हैं। इस तरह के बयानों को भारतीय मीडिया भी प्रमुखता से छापता-दिखाता है।

राजनीतिक भंवर में भारत का मुसलमान

उमेश चतुर्वेदी

चुनावी अभियान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टाइम्स नाउ चैनल को जो इंटरव्यू दिया है, वह एक तरह से मुस्लिम समुदाय को उनका सीधा संबोधन है। इस साक्षात्कार में मोदी ने मुस्लिम समुदाय से आत्ममंथन करने की अपील की है। 2002 के गुजरात दंगों के बाद नरेंद्र मोदी की विशेषकर मुस्लिम समुदाय में जैसी छवि बनी या बनाई गई, उसकी वजह से मुस्लिम समुदाय को उनका सीधा संबोधन हैरतअंगेज लग सकता है। मोदी के प्रति मुस्लिम समुदाय के बड़े हिस्से की धारणा यही है कि वे उनके विरोधी हैं।

मोदी को लेकर मुस्लिम समुदाय के मन में किस तरह का भाव है, और वह कितना गहरा है, इसका एक उदाहरण कोरोना की महामारी के दौरान इंदौर से आए एक वीडियो से जाहिर होता है। इलाज से कोरोना मुक्त हो चुके एक मुस्लिम परिवार के लोग जब कोरोना केंद्र से अपने घर के लिए निकले तो उन्हें पत्रकारों से मिलवाया गया। एक निश्चित दूरी पर स्थित पत्रकारों ने उस परिवार का फोटो लिया और उनकी प्रतिक्रिया पूछी तो उस परिवार के एक नन्हें बच्चे ने बिना लाग लपेट के कह दिया था कि मोदी को मारेंगे। वह वाकया इस बात का सबूत है कि उस संभ्रांत से दिखने वाले उस परिवार में प्रधानमंत्री मोदी को लेकर कैसी बातें होती होंगी, जिसका असर बच्चे के मन पर पड़ा था।

बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी इस छवि को तोड़ने की कोशिश की है। एक टीवी इंटरव्यू के जरिए उन्होंने मुसलमान समुदाय के पढ़े-लिखे लोगों से अपील की है कि वे आत्ममंथन करें। उन्होंने यह भी कहा कि आप सोचिए कि देश आगे बढ़ रहा है, फिर भी आपके समुदाय में कमी महसूस हो रही है। इसकी वजह क्या है। क्या वजह रही कि कांग्रेस के शासन काल में सरकारी योजनाओं का फायदा मुस्लिम समुदाय को नहीं मिला। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि भारत में जब योग की बात की जाती है तो उसे मुस्लिम विरोधी बता दिया जाता है। जबकि अरब देशों में योग स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल हो गया है।

मुस्लिम वोट बैंक को लेकर यह स्थापित अवधारणा है कि कुछ भी हो जाए, वह भारतीय जनता पार्टी का समर्थन नहीं कर सकता। इसके साथ ही मुस्लिम समुदाय की रहनुमाई करने वाले कुछ दल भी स्थापित हैं। जिनमें सबसे पहला नाम कांग्रेस का आता है। उसके बाद समाजवादी खेमे के दल आते हैं। इन दिनों बिहार में लालू प्रसाद यादव का राष्ट्रीय जनता दल मुस्लिम वोट बैंक पर अपना एकाधिकार मानता है तो उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को लेकर भी ऐसी ही सोच है। पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी इस समुदाय की इन दिनों बड़ी हमदर्द हैं। एक दौर में कांग्रेस का पूरे देश के मुस्लिम वोट बैंक पर एकाधिकार था। इसके बाद समाजवादियों ने इसमें सेंध लगानी शुरू की। इसके लिए उन्होंने उर्दू की शब्दावली का इस्तेमाल शुरू किया। कांग्रेस के स्वर्णिम दिनों के कोलाइडोस्कोप की खूबसूरती का आधार ब्राह्मण, मुसलमान और दलित मतदाताओं का कोलाज था। लेकिन समाजवादी क्षत्रपों के उभार के बाद मुस्लिम वोट बैंक के एकाधिकार की कांग्रेसी अवधारणा छीजने लगी। इसके साथ ही कांग्रेस का राजनीतिक आधार सिमटने लगा।

दिलचस्प यह है कि मुस्लिम रहनुमाई वाले सभी दलों में एक चीज समान थी। उन्होंने मुस्लिम वोट बैंक को सिर्फ और सिर्फ यह डर दिखाया कि बीजेपी आ जाएगी तो मुसलमानों का नाश कर देगी। एक हद तक बीजेपी की अपनी राजनीति भी इसके लिए जिम्मेदार रही। इसी डर में पूरे देश में मुस्लिम वोट बैंक उस दल की ओर एकमुश्त समर्थन देता रहा, जो बीजेपी को हराने की कूव्वत रखता हो या जिसके जरिए बीजेपी को हराना संभव हो। मुस्लिम वोट बैंक का यह डर कम से कम पिछले बीस सालों में समाप्त हो जाना चाहिए था। नरेंद्र मोदी ने केंद्रीय सत्ता संभालने के बाद सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास का जो नारा दिया, उसका एक मकसद मुस्लिम समुदाय को भी सहभागी बनाना था। प्रधानमंत्री का ताजा बयान उनके इस नारे का विस्तार कहा जा सकता है।

बीजेपी के कथित डर के आधार पर बने मुस्लिम वोट बैंक को अव्वल तो उन दलों के शासन में सरकारी योजनाओं का भरपूर फायदा मिलना चाहिए था, जिन्होंने उनके वोटों के दम पर सत्ताएं हासिल कीं। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मुस्लिम समुदाय का अधिसंख्य हिस्सा अब भी गरीबी और अशिक्षा की मार झेल रहा है। इससे साबित होता है कि मुस्लिम समुदाय को मुख्यधारा में लाने की उन दलों की ओर से गंभीर कोशिश नहीं हुई, जिन्होंने उन्हें अपने राजनीतिक आधार के लिए वोट बैंक की तरह इस्तेमाल किया और उनके मत के दम पर कभी केंद्र तो कभी राज्य में राज हासिल किया।

वोट बैंक बनने का एक असर यह हुआ कि मुस्लिम समुदाय का एक तबका प्रगति की धारा से जुड़ने में हिचकता रहा। वह खुद को अपने पुराने सामाजिक और राजनीतिक खांचे में ही बांधे रखने में ही अपनी भलाई देखता रहा। इसका असर यह भी हुआ कि मुस्लिम समुदाय का बड़ा हिस्सा आधुनिक शिक्षा से वंचित रहा। उनके मजहबी रहनुमा भी उनको इसी हाल में रखकर अपनी राजनीति साधते रहे।

मुस्लिम समुदाय के अगड़े तबके के लोग शिक्षा हासिल करते रहे, आगे बढ़ते रहे, उनके बच्चे अमेरिका और ब्रिटेन की चमकीली दुनिया में पढ़ने और नौकरी करने के लिए जाते रहे। जबकि जिस तबके के वोट बैंक के आधार पर उन्हें राजनीतिक, आर्थिक और सामाजिक ताकत हासिल हुई, वह तबका पिछड़ा ही रहा। इसका असर यह हुआ कि हर सामाजिक बदलाव को मुस्लिम समुदाय कभी खुद तो कभी अपने कथित नेतृत्व वाले दलों और नेताओं के बहकावे में अपने सामाजिक विकास को अपनी परंपराओं और संस्कृति पर कुठाराघात मानता रहा। इसकी वजह से वह दूसरे समुदायों के साथ सहज ही घुलने-मिलने से बचता रहा।

चुनावों के बीच मुस्लिम समुदाय के प्रगतिवाद विरोधी रूख की ओर ध्यान दिलाकर प्रधानमंत्री मोदी ने डर की बुनियाद पर विकसित मुस्लिम वोट बैंक की ओर जहां मुस्लिम समुदाय का ध्यान दिलाने की कोशिश की है, वहीं इसके जरिए उनकी रहनुमाई करने वाले दलों की ओर सवालिया निशान भी लगा दिया है। प्रधानमंत्री मोदी भी राजनीति में हैं। इसलिए उनके इस बयान में राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश नजर आती है तो इससे इंकार भी नहीं किया जा सकता।

लेकिन यह सच है कि मोदी ने मुस्लिम समुदाय के इस अंतर्विरोध पर मुस्लिम समुदाय के ही लोगों का ध्यान दिलाने की कोशिश करके एक तरह से शांत पड़े तालाब में पत्थर उछाल दिया है। यह बात और है कि इससे उठने वाली लहरें उन दलों के वजूद को चुनौती दे सकती हैं, जिनका बड़ा राजनीतिक आधार मुस्लिम वोट बैंक भी है। चूंकि इस पर चर्चा से मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करने वाले दलों पर बड़ा सवाल उठ सकता है, शायद यही वजह है कि इस मसले पर जितनी गहन चर्चा होनी चाहिए, वैसी नहीं हो रही है।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

योगकुण्डल्युपनिषद् (भाग-17)

गतांक से आगे...

उस वाणी का ज्ञान देने वाला मैं ही अन्त:स्थित परम देव हूँ इस तरह निश्चित रूप से समझ कर जो उसके अनुरूप आचरण करता है, उसे अच्छा या बुरा कोई भी शब्द कह दिया जाए, तो वह व्यक्ति उससे प्रभावित नहीं होता।

विश्व, तैजस तथा प्राज्ञ ये तीन तरह के पिण्ड कहे गये हैं। विराट्, हिरण्यगर्भ तथा ईश्वर तीन ब्रह्माण्ड एवं भू:, भुव:, स्व: क्रमश: ये तीन लोक कहे गये हैं। ये सभी अपनी उपाधियों के समाप्त होने पर पुन: अपनी पूर्व स्थिति में वापस आ जाते हैं। ज्ञानरूपी अग्नि में तप्त होकर अपने कारणों के मूलस्वरूप में विलीन हो जाते हैं।

यह (जीव) परमात्मा से एकाकार होकर परम अगाध गम्भीर ब्रह्म स्वरूप हो जाता है, उस समय इसका ऐसा रूप होता है, जिसको न तो प्रकाश कहा जा सकता है, न अंधकार ही कहा जा सकता है।

उस समय एकमात्र नामरहित सत् स्वरूप, अव्यक्ततत्त्व ही शेष रह जाता है। (उस) मध्यस्थ (अन्त:करण में स्थित) आत्मा का कलश में स्थित दीपक की तरह ध्यान करके (आगे भी निरन्तर) अङ्गुष्ठमात्र, धूमरहित ज्योतिस्वरूप, प्रकाशमान, कूटस्थ (शाश्वत) और अव्यय (अविनाशी) आत्मतत्त्व का अन्त:करण में ध्यान करते रहना चाहिए।

मूलत: आत्मा विज्ञान (विशिष्ट ज्ञान) रूप होता है, परन्तु शरीर प्राप्त होने पर वह माया के वशीभूत होकर जाग्रत्, स्वप्न, सुषुप्ति अवस्थाओं को प्राप्त हो जाता है और उसी माया में मोहित हो जाता है। जब जन्म-जन्मान्तरों के पुण्यकर्म उदित होते हैं, तब मानव अपने दोषों को जानने की इच्छा करता है, तब वह सोचता है कि वास्तव में मैं कौन हूँ एवं दोषरूप यह संसार कैसे प्राप्त हुआ है?

क्रमश: ...

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

किसी देश की उन्नति में विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं इंजीनियरिंग की महती भूमिका होती है। देश की संप्रभुता एवं बाहरी आक्रमणों से सुरक्षा के मामले में भी हमारे देश के प्रौद्योगिकीविदों एवं वैज्ञानिकों का योगदान किसी से छिपा नहीं है। पड़ोसी देशों की हरकतों ने भारत को अपना सुरक्षा कवच मजबूत करने के उद्देश्य से परमाणु परीक्षण के लिए प्रेरित किया। हमारी वैज्ञानिक बिरादरी देश को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने के लिए लंबे समय से निरंतर प्रयास कर रही थी। इन प्रयासों का परिणाम 11 मई 1998 को पूरी दुनिया ने देखा, जब राजस्थान के पोखरण के पास भारत ने सफल परमाणु परीक्षण कर दुनिया को चौंका दिया। इस तरह कुछ गिने-चुने परमाणु संपन्न देशों की सूची में भारत का नाम शामिल हो गया। इस उपलब्धि को स्मरण करने के लिए देश में

प्रत्येक वर्ष 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।

देश के परमाणु कार्यक्रम को सफलता के सोपान पर पहुँचाने का लक्ष्य यदि संभव हो सका है, तो उसके पीछे हमारे प्रतिभाशाली वैज्ञानिकों की कड़ी मेहनत रही है। उनके इसी परिश्रम को मान्यता देने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने %जय जवान-जय किसान% के नारे में %जय विज्ञान% को जोड़कर भारत की गाथा में वैज्ञानिकों के योगदान को रेखांकित किया था। ऐसे में, 11 मई को जब हम राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाएं तो अपने वैज्ञानिक समुदाय के प्रति हमें कृतज्ञता का भाव अवश्य व्यक्त करना चाहिए, क्योंकि वे देश को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहते हैं और हमारे जीवन की दशा-दिशा सुधारने के सूत्रधार बनते हैं।

स्वतंत्रता के बाद कई वर्षों तक संसाधनों के मोर्चे पर जूझने के बावजूद हमारे वैज्ञानिकों ने कभी देश को निराश नहीं किया। एक नये स्वतंत्र देश को अपनी विस्तृत आबादी के लिए भोजन-पानी जैसी बुनियादी व्यवस्था के लिए भी चुनौतियों से जूझना पड़ रहा था। उस दौर की स्थितियों का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री को देश की जनता से सप्ताह में एक दिन उपवास का आह्वान करना पड़ा। उन्होंने इस मामले में स्वयं एक उदाहरण प्रस्तुत किया। यह वह दौर था, जब हम अमेरिका की पीएल-480 स्कीम के तहत हासिल लाल गेहूं खाने को बाध्य थे। ऐसे वक्त में देश के वैज्ञानिकों ने अपनी कमर कसी और पहली हरित क्रांति के माध्यम से देश को खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बनाया।

केवल देश में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी हमारे वैज्ञानिकों की सफलता का डंका जोरदार तरीके से बज रहा है। अमेरिका अपनी जिस सिलिकन वैली पर इठलाता है, उसके वास्तविक संचालक भारतीय वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीविद ही हैं। इसी तरह, नासा का शायद ही कोई ऐसा मिशन हो, जिसमें किसी भारतवंशी वैज्ञानिक का योगदान न हो। अपने निरंतर परिश्रम से हमारे वैज्ञानिक सफलता के नित नये सोपान प्राप्त कर रहे हैं।

भारत के पास तिब्बत के रूप में है ब्रह्मास्त्र

अशोक मधुप

चीन आजकल परेशान है। बताया जा रहा है कि वह भारत के रवैये से डरा हुआ है। दुश्मन का डरा होना और परेशान रहना ज्यादा बेहतर है। इससे वह अपनी समस्या सुलझाने में लगेगा। अपने दुश्मन देशों को तंग नहीं करेगा। उन पर दबावङ्कधौंस नहीं दिखाएगा। कभी चीन का व्यवहार हमें परेशानी कर रहा है। वह सीमापर घुसपैंठ करता। क्षेत्र के अंदर आए भारत के भाग में जमता और सौदेबाजी करता। किंतु अब ये बदलता भारत है। बकौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब भारत दुश्मन को उसके घर में घुसकर मार रहा है। परिणाम है कि आज चीन की आंखों में आंखे डालकर बात की जा रही है। सूचनाएं हैं कि चीन भारत की ब्रह्मोस से डरा हुआ है जब से भारत का शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल चीन के करीब तैनात की हैं और चीन के दुश्मन फिलीपींस को दी हैं, तबसे चीन दहशत में हैं। चीन ब्रह्मोस का काट नहीं निकाल पा रहा है। वह जानता है कि उसके सारे हथियार भी एक बार फायर की गई ब्रहमोस को नहीं रोक सकते।

ब्रह्मोस की काट निकालने के लिए चीन फिलीपींस को डराने के की कोशिश में जुटा है। चीन ने फिलीपींस के बेहद करीब अपने ड्रोन को भेजा है ताकि फिलीपींस डर जाए। लेकिन चीन का ये कदम बताता है कि असली डर फिलीपींस को नहीं बल्कि चीन को है क्योंकि अब साउथ चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। भारत पहले ही चीन के शत्रु देश वियतनाम की पीपुल्स नेवी को अपना आधुनिक युद्धपोत आईएनएस कृपाण का हस्तांतरण कर चुका है। इस युद्ध पोत पर आधुनिक मिसाइल तैनात हैं। दरअसल अब तक चीन भारत को घेरने में लगा था। वह भारत के दुश्मन देशों को आधुनिक अस्त्र-शस्त्र की आपूर्ति करने में लगा था। अब ऐसा उसके साथ हो रहा है तो वह परेशान है। चीन भारत में अशांति फैलाने वाले नक्सलाइड, मिजों एव अन्य आंतकियों को आधुनिक शस्त्रों की आपूर्ति करता रहा है। सूचनाएं रही हैं कि उन्हे प्रशिक्षण भी दे रहा है। ऐसे में समय की मांग है कि भारत अब चीन के विरूद्ध चल रहे तिब्बत के पूर्ण स्वतंत्रता के आंदोलन का खुलकर समर्थन करें। जरूरत पड़ने पर तिब्बती के आजादी के आंदोलन के लड़ाकों को शस्त्र के साथ प्रशिक्षण भी दे।

भारत की नहीं चीन के रवैये से दुनिया के लगभग सभी देश परेशान हैं।इसी कारण फिलीपींस और अमेरिकी सेना का साझा युद्धाभ्यास हाल में शुरू हुआ। इस मिलिट्री ड्रील में जापान की सेनाएं भी शामिल हो रही हैं। 16000 हजार सैनिक साझा युद्धभ्यास में शामिल हैं। सबसे बड़ी बात कि फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के सैनिक भी कुछ दिन में इस ज्वाइंट एक्सरसाइज से रहेंगे। मतलब पांच देश चीन को घेरने के लिए एक साथ होंगे। इस ड्रील में समुद्री और हवाई हमलों का अभ्यास किया जाएगा। भारत के ब्रह्मोस देने के बाद से चीन परेशान है। अभी तो ब्रह्मोस तैनात भी नही हुई होंगी कि चीन परेशान है। वह फिलीपींस पर द्रोण उड़ाकर उसे धमका रहा है। सवाल है कि क्या ड्रोन के जरिए चीन ब्रह्मोस के बारे में जानकारी जुटाना चाहता है। सवाल तो ये भी है कि क्या चीन उस ठिकाने का पता लगाना चाहता है, जहां फिलीपींस ब्रह्मोस को तैनात करेगी। चीन ने ड्रोन के अलावा समंदर में मिलिट्री ड्रील के जरिए भी फिलीपींस को आंख दिखाने की कोशिश की है। चीन की नौसेना ने साउथ चाइना सी में लड़ाकू विमानों और युद्धपोत से मिसाइलें दागकर फिलीपींस को डराने की कोशिश की।

दो दिन के अंदर चीन के ये ये कदम बताते हैं कि चीन ब्रह्मोस मिसाइल की तैनाती से भयभीत है। चीन के टेंशन इस बात की है कि अब भारत चीन सीमा के साथ चीन-फिलीपींस सीमा पर भी ब्रह्मोस तैनात होगा। अब तो चीन के एक और दुश्मन और पड़ोसी वियतनाम ने भी ब्रह्मोस में दिलचस्पी दिखाई है, जो चीन के लिए खतरे की घंटी है।

फिलीपींस में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पहुंच गई है और वहां की सैना उसकी तैनाती करेगी। फिलीपींस में अमेरिका ने अपनी नई टायफून मिसाइल प्रणाली तैनात कर रखी है। फिलीपींस में अमेरिका को चार बेस का एक्सेस मिला हुआ है। चीन के करीब जापान पर भी अमेरिका का बेस है। ऑस्ट्रेलिया-सिंगापुर में अमेरिका ने अपना बेस बना रखा है। थाईलैंड और साउथ कोरिया में अमेरिकी सेनाएं तैनात हैं। चीन के करीब गुआम में भी अमेरिका का बेस है। इन जगहों से वक्त पड़ने पर कभी भी अमेरिका चीन पर हमला कर सकता है। चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। चीनी सेना के प्रवक्ता ने फिलीपीन्स को ब्रह्मोस देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग में इस बात का ख्याल रखा जाए कि इससे किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि 'चीन हमेशा मानता है कि दो देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरा नहीं होना चाहिए। कर्नल वू कियान ने कहा कि एशिया-प्रशांत में अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती का हम कड़ा विरोध करते हैं। अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा को गंभीर रूप से खतरे में डालते हुए क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा करता है।

आज चीन को याद आ रहा है कि दो देशों के रक्षा सहयोग से तीसरे को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए, किंतु जब वह खुद ऐसा करता है, तब उसे कुछ याद नहीं आता। लंबे समय से वह पाकिस्तान को आधुनिकतम युद्धक शस्त्र देने में लगा हुआ है। वह नहीं जानता कि पाकिस्तान इन शस्त्रों का प्रयोग किस देश के विरूद्ध करेगा। वह अच्छी तरह से जानता और समझता है। किंतु अपने हित में उसे कुछ याद नहीं आता। अब उसके दुश्मन देश भारत, अमेरिका और फ्रांस आदि ऐसा ही कर रहे हैं तो उसे याद आ रहा है तीसरे राष्ट्र को नुकसान न पहुंचे।

भारत फिलीपीन्स को ही ब्रह्मोस मिसाइल नहीं दे रहा। वियतनाम भी इस मिसाइल को खरीदने में रूचि दिखा रहा है। यह तो है कि वियतनाम भी खरीदता है तो भारत उसे ब्रह्मोस देगा। प्रथम वरीयता पर देगा। भारत अपना आधुनिकतम युद्धपोत खुखरी वियतनाम को पहले ही उपहार में दे चुका है। ये आधुनिक युद्धास्त्रों से सज्जित युद्धपोत है। भारत की ये कार्रवाई दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये को लेकर चिंताओं के बीच यह भारत और वियतनाम में बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। अधिकारियों ने कहा भी कि भारत ने पहली बार किसी मित्रवत देश को कोई सेवारत पोत उपहार में दिया है। भारतीय नौसेना ने कहा कि पोत पूरी ''हथियार प्रणाली'' के साथ वियतनाम पीपुल्स नेवी (वीपीएन) को सौंपा गया है। आईएनएस कृपाण, 1991 में सेवा में शामिल किए के बाद से भारतीय नौसेना के पूर्वी बेड़े का एक अभिन्न अंग रहा और पिछले 32 वर्षों में कई ऑपरेशन में भाग लिया। लगभग 12 अधिकारियों और 100 नाविकों द्वारा संचालित, जहाज 90 मीटर लंबा और 10.45 मीटर चौड़ा है।

भारत जैसे का तैसा की नीति पर चल चुका है। अब वह कमजोर भी नही है। दुश्मन से आंख में आंख डालकर बात कर रहा है। ऐसे में अब चीन में घाव पर पूरी ताकत से हथौड़ा मारने का समय आ गया। चीन की बड़ी कमजारी है तिब्बत। तिब्बत पर उसने कब्जा किया हुआ है। तिब्बत की अस्थाई सरकार के धर्मशाला नगर में चल रही है। भारत के रूख के कारण तिब्बती अभी तक शांतिपूवर्क आदोलन कर रहे हैं। भारत ने तिब्बत की आजादी की लड़ाई का कभी समर्थन नहीं किया। अब समय आ गया है कि भारत इस आंदोलन का समर्थन करें। तिब्बत सरकार को मान्यता दें। तिब्बती आंदोलनकारी को शस्त्र और युद्ध प्रशिक्षण दे। जब तक दुश्मन को उसके घर में ही नही घेरा जाएगा, तक तक वह नही मानने वाला। घर में घिर कर वह अपने में उलझ जाएगा और दूसरों को तंग करना बंद कर देगा। चीन सरकार वहां बसे उइगुर मुसलमानों पर बेइतहां जुल्म करने में लगी है। मुस्लिम देश चुप हैं। भारत अपने परिचित मुस्लिम देश और संगठनों से उइगुर मुसलमान की आजादी और कल्याण के लिए आवाज बुलंद कराएं।

आज का इतिहास

1871 तिचबोर्ने मामले में पहला परीक्षण आम दलीलों का लंदन कोर्ट में शुरू हुआ।
1880 कैलिफ़ोर्निया के हनफोर्ड में दक्षिणी प्रशांत रेलमार्ग और जेटली के बीच एक भूमि विवाद उस समय घातक हो गया जब बंदूक की लड़ाई छिड़ गई, जिससे सात लोगों की मौत हो गई।
1889 अमेरिकी सेना के एक भुगतानकर्ता और एस्कॉर्ट पर हमले के परिणामस्वरूप .28,000 से अधिक की चोरी हुई और दो पदक ऑनर का पुरस्कार मिला।
1894 28 प्रतिशत वेतन कटौती के जवाब में, इलिनोइस में 4,000 पुलमैन पैलेस कारकॉन्ग के कार्यकर्ता हड़ताल पर चले गए, जो कि शिकागो के ट्रैफिक वेस्ट को रोक दिया।
1910 अमेरिकी राज्य मोंटाना में स्थित ग्लेशियर नेशनल पार्क को एक राष्ट्रीय उद्यान नामित किया गया था।
1918 उत्तरी काकेशस का पर्वतीय गणराज्य आधिकारिक तौर पर 11 मई, 1918 को स्थापित किया गया था। जून 1920 में बोल्शेविक रूस की लाल सेना ने इस पर कब्जा कर लिया था और रिपब्लिक ऑफ माउंटेनियर्स की सरकार कोकेशस छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था।
1927 मोशन पिक्चर आर्ट्स एंड साइंसेज अकादमी का गठन 11 मई, 1927 को संयुक्त राज्य अमेरिका के कैलिफोर्निया में किया गया था। अकादमी को अपने वार्षिक अकादमी पुरस्कारों के लिए जाना जाता है, जिन्हें आधिकारिक रूप से ऑस्कर के रूप में जाना जाता है।
1928 अमेरिकी वाल्टर हेगेन ने इंग्लैंड में ओपन चैम्पियनशिप गोल्फ टूर्नामेंट जीता।
1940 ग्रीबबेर्ग की लड़ाई केंद्रीय नीदरलैंड में शुरू हुई।
1946 संयुक्त मलेशियाई राष्ट्रीय संगठन, आज मलेशिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी की स्थापना की गई थी, मूल रूप से मलय संघ के संवैधानिक ढांचे का विरोध करने के लिए।
1949 इजरायल संयुक्त राष्ट्र में अपने 59 वें सदस्य के रूप में शामिल हुआ।
1949 11 मई, 1949 को इज़राइल यूनाइट्स नेशंस का सदस्य बन गया। संयुक्त राष्ट्र, औपचारिक रूप से वैध यहूदी राज्य के रूप में इज़राइल राज्य को मान्यता देने वाला पहला अंतर्राष्ट्रीय निकाय था।
1955 इजरायल ने गाजा पर हमला किया।
1960 पहली गर्भनिरोधक गोली बाजार में उपलब्ध कराई गई।
1961 एंजिनिनो सोलर ने 1961 में विलाता ए स्पेना साइकिल दौड़ जीती।
1964 टेरेंस कॉनरन ने लंदन के फुलहैम रोड पर पहला आवास स्टोर की शुरुआत की।
1996 माउंट एवरेस्ट पर एक गंभीर हिमपात आठ पर्वतारोहियों की मौत का कारण बना, जिससे उस वर्ष पहाड़ के इतिहास में सबसे घातक बना।

कब तक टिकेगा चुनावी रेवड़ियों का अर्थशास्त्र?

बिक्रम उपाध्याय

चुनाव के मौसम में वायदों और प्रलोभनों की भरमार है। कोई राजनीतिक दल कर्ज माफी और सबको लखपति बनाने की बात कर रहा है तो कोई मुफ्त लैपटॉप और महिलाओं को मुफ्त परिवहन के वायदे के साथ मतदाताओं को लुभाने का प्रयास कर रहा है। सत्ता पक्ष भी 80 करोड़ लोगों को मुफ़्त अनाज जारी रखने और गरीबों को पक्का मकान, बिजली, गैस और स्वास्थ्य बीमा की दुहाई देकर वोट मांग रहा है।

मोदी सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए नई पेंशन योजना (एनपीएस) की समीक्षा करने और 11.8 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मुफ्त खाद्यान्न सब्सिडी योजना को अगले पांच साल के लिए बढ़ाने का ऐलान भी इसी चुनाव को देख कर किया था। मुफ़्त की योजना और स्कीम लाने वाला कोई भी दल जनता को यह नहीं बताता कि ये वायदे कैसे पूरे होते हैं और इनका खर्च कौन उठाता है? जबकि सब जानते हैं कि पैसा अंततः करदाता की जेब से ही निकलता है।

काँग्रेस की तरफ से प्रधानमंत्री पद के सबसे बड़े दावेदार राहुल गांधी ने कहा है कि उनके सत्ता में आते ही देश से गरीबी भाग जायेगी, क्योंकि वह 30 करोड़ गरीबों को एक-एक लाख रुपये देने जा रहे हैं। राहुल गांधी का वादा शानदार है और लोग उन्हें 2024 के लिए अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के लिए चुनने की मांग कर रहे हैं। जाहिर है राहुल के पास इस बात का जवाब नहीं होगा कि कांग्रेस के 55 वर्ष से भी अधिक समय तक शासन में रहने के बाद भी भारत क्यों एक अत्यंत गरीब देश बना रहा? फिर भी इस बार इंडिया गठबंधन चुनाव जीत जाता है और राहुल गांधी प्रधानमंत्री बन भी जाते हैं तो सबको लखपति बनाने के लिए पैसे का इंतजाम कैसे करेंगे? क्या देश के मिडिल क्लास से इसे वसूल करेंगे या कर्ज लेंगे? क्या एक जेब से दूसरे की जेब में पैसा डालने से गरीबी खत्म हो जाएगी? गरीबी हटाने के लिए किसी भी देश के पास कोई शॉर्टकट नहीं है, केवल तेज विकास और भ्रष्टाचार खत्म कर के ही लोगों की आर्थिक स्थिति सुधारी जा सकती है।

राहुल गांधी ने कहा है कि वह हर गरीब परिवार की एक महिला को प्रति वर्ष एक लाख रुपये देंगे। उन्होंने कहा कि इस योजना से वह भारत से गरीबी को एक झटके में खत्म कर देंगे। दुनिया के तमाम बड़े अर्थशास्त्री यह कह चुके हैं कि मुफ्त पैसा देने से कभी भी वास्तविक समस्या का समाधान नहीं होता, बल्कि यह अर्थव्यवस्था के लिए ही खतरनाक प्रयोग है। अगर सचमुच किसानों की कोई हालत सुधारना चाहता है तो बाजार तक फसलों के प्रवाह को सुनिश्चित करें ताकि किसानों को अच्छी कीमत मिल सके। गावों में स्कूल की गुणवत्ता में सुधार करे ताकि उनके बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त हो सके। गाँवों के पास अस्पताल बनाए ताकि इलाज के लिए शहर जाकर पैसा ना लुटाना पड़े। किसान भी मुफ्त का पैसा नहीं चाहते, वे वही चाहते हैं जिसके वे हकदार हैं। मौजूदा मोदी सरकार 6,000 रुपये प्रति माह देकर किसानों की समस्या का समाधान होना मान रही है तो इसमे भी वोट हासिल करने की ही सोच है। जबकि अधिकतर किसानों को उत्पादन की वास्तविक लागत वापस नहीं मिलती है। राहुल गांधी के मुताबिक उनकी क्रांतिकारी योजना के लागू होने के बाद भारत में कोई गरीबी नहीं बचेगी। फिर उन्हें यह भी बताना चाहिए

था कि क्या अर्थव्यवस्था उसके बाद बच सकेगी? आखिर उनकी क्रांतिकारी योजनाओं की व्यवहारिकता कितनी है? क्या देश के नौजवान सरकार पर निर्भर रह कर अपनी तरक्की सुनिश्चित कर सकते हैं? क्या किसान कर्ज और कर्जमाफी के चक्कर में फंसे रह कर किसानी को लाभप्रद बना सकते हैं? मजदूर सरकार से 6 हजार प्रति माह की दया पर जिंदा रह सकते हैं?

राहुल गांधी की योजना के अनुसार पैसा 12 हजार से कम कमाने वाले व्यक्ति को नहीं, बल्कि परिवार को दिया जाएगा। इसका मतलब यह है कि यदि परिवार का पुरुष सदस्य 6 हजार कमाता है और महिला सदस्य 6 हजार कमाती है, तो वह राहुल की स्कीम से बाहर है। राहुल गांधी के अनुसार 12 हजार रुपये महीने कमाने वाला एक संपन्न परिवार है। इसलिए वह इस स्कीम से बाहर रहेगा। देश के 20 प्रतिशत सबसे गरीब परिवारों में आने वाले अधिकांश लोग औपचारिक आर्थिक गतिविधियों से नहीं जुड़े हुए हैं। इसलिए उनकी आय भी स्थिर नहीं होती। फिर इस बात का हिसाब कोई कैसे रख सकेगा कि किसी मजदूर को वास्तव में कितना भुगतान मिला। किसी बेरोजगार को 72,000 सालाना भुगतान करके भारत एक बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा ऐसा दावा केवल चुनाव के समय ही किया जा सकता है।

ऐसा नहीं है कि केवल इस बार ही मुफ्त योजनाओं की बाढ़ आई है। हाल के वर्षों में इस तरह की नीतियों की काफी चर्चा हुई है और विशेषज्ञों द्वारा चिंता भी जताई गई हैं। क्योंकि इस तरह के प्रलोभन का असर केंद्र और राज्य दोनों के राजकोष पर हुआ है। लोग इस बात के प्रति भी जागरूक हैं कि इन योजनाओं की भरपाई अंततः करदाता को ही करनी पड़ती है।

हर तरह से करदाता पिसता है। एक तरफ उच्च करों के रूप में वह भुगतान करता है, और दूसरी तरफ महंगाई भी झेलता है। खुद केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने चेताया है कि कई राज्य बिना वित्तीय व्यवहारिकता को ध्यान में रखे मुफ्त सुविधाओं की घोषणा कर रहे हैं, लेकिन जब धन आवंटन की बात आती है तो वे पीछे हट जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मुफ्तखोरी संस्कृति पर प्रहार करते हुए श्रीलंका के ऋण संकट का उदाहरण दे चुके हैं। कर्नाटक बजट पर एसबीआई इकोरैप ने भी कहा है कि सरकार को पांच चुनाव पूर्व गारंटी को पूरा करने के लिए सालाना लगभग 60,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी। खुद सुप्रीम कोर्ट राजनीतिक दलों को करदाताओं के खर्च पर नकदी और अन्य मुफ्त चीजें बांटने पर चिंता जता चुका है। भारतीय रिजर्व बैंक का भी कहना है कि गैर जरूरी सब्सिडी पर व्यय बढ़ने से पूंजीगत व्यय के लिए पूंजी बाधित हो सकती है।

कई राज्य अपनी राजस्व प्राप्तियों का लगभग 8-9 प्रतिशत सब्सिडी पर खर्च कर रहे हैं। बिजली, सार्वजनिक वितरण प्रणाली, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन जैसी विभिन्न सेवाओं और वस्तुओं पर सब्सिडी प्रदान कर रहे हैं और दूसरी तरफ पूंजीगत व्यय कम करते जा रहे हैं। हाल ही में राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड, पंजाब और हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ राज्यों ने न्यू पेंशन स्कीम को खत्म कर ओल्ड पेंशन स्कीम शुरू कर दी है। केवल इस कदम से उनका पेंशन पर राजकोषीय बोझ 4 से 5 गुना तक अधिक बढ़ गया है।

अब बात करते हैं मुफ्त की योजनाओं की अर्थव्यवस्था की। प्रत्येक परिवार को 1 लाख रुपये, एमएसपी को कानूनी अधिकार बनाने से बजट पर क्या असर पड़ेगा? क्या हमारा बजट घाटा चिंताजनक तरीके से नहीं बढ़ेगा और उसके कारण बुनियादी ढांचे और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए भरपूर पैसा उपलब्ध होगा? शिक्षा, स्वास्थ्य और रक्षा के लिए जरूरी बजट का आवंटन होगा? क्या इससे भारत की संभावित आर्थिक वृद्धि पर असर नहीं पड़ेगा? एक आकलन के अनुसार राहुल गांधी की स्कीम वास्तव में लागू करने के लिए लगभग 5 लाख करोड़ की अतिरिक्त लागत आएगी। पूरी दुनिया में यह तथ्य मान्य है कि मुफ्त नकदी के उपहार से महंगाई बढ़ती है। जिन देशों ने कोविड के दौरान लोगों को नकद पैसे दिए, वहाँ उसी अनुपात में मुद्रास्फीति भी बढ़ी। मुफ्त सुविधाएं गरीबों के एक बड़े वर्ग को गरीब बने रहने के लिए मजबूर करेगी। भारत को अपने गरीब लोगों को सक्षम बनाने की जरूरत है ताकि वे पैसा कमा सकें। उत्पादक रोजगार की उचित व्यवस्था ही गरीबी की समस्या को दूर कर सकती है, मुफ्त की चुनावी घोषणाएं नहीं।

फारूख अब्दुल्ला और चूड़ियों की बात

आर विक्रम सिंह

उन्होंने भी कोई चूड़ियां नहीं पहन रखी हैं। उनके पास भी एटम बम हैं, वे हमारे ऊपर ही गिरेंगे। यह रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के पीओके के स्वयं भारत में आकर मर्ज होने के बयान पर फारूख अब्दुल्ला की प्रतिक्रिया है, जिससे देश का हर व्यक्ति हैरान है। पाठकों को याद होगा कि जनरल मुशर्रफ ने भी आगरा समिट के समय कहा था, हमने कौन-सी चूड़ियां पहन रखी हैं! लगता है कि फारूक अब्दुल्ला को वही डायलॉग याद था। साफ है कि फारूख अब्दुल्ला ने फिर से वही पुराना राग छेड़ दिया है। एक दिन पहले वायुसेना की गाड़ियों के काफिले पर पुंछ में हुए आतंकी हमले में हमारा एक वायुसैनिक बलिदान हो गया और चार घायल हो गए। सेना आतंकियों को खोजने में लगी थी और फारूख अब्दुल्ला टिप्पणी कर रहे थे कि जब तक भारत और पाकिस्तान में वार्ता नहीं होगी, दहशतगर्दी नहीं रुकेगी। चीन से बात हो रही है, तो पाकिस्तान से क्यों नहीं? दरअसल, फारूख का भय वही है, जो कभी शेख अब्दुल्ला का था। वह भय है पीओके की भारत में वापसी का। गौरतलब है कि 1947 में कबाइली आक्रमण के बाद भारतीय सेना ने कबायलियों को खदेड़ना प्रारंभ किया, तो बड़ी संख्या में कबायली मारे गए और बहुत से भाग गए। उनका पीछा कर रही हमारी सेना को अचानक उड़ी में रोक दिया गया। यह आदेश माउंटबेटन व नेहरू के अलावा कोई दे भी नहीं सकता था। उरी से आगे के इलाके में कश्मीरी नहीं बोली जाती। वह पहाड़ी, गोजरी, पंजाबी बोलने वाले गूजर बकरवालों, पंजाबियों, राजपूतों का इलाका है। वे शेख अब्दुल्ला के समर्थक नहीं थे। उनके भारत में रहने से शेख के राजनीतिक वर्चस्व को चुनौतियां मिलतीं। इसलिए पीओके को जान-बूझकर पाकिस्तान के कब्जे में जाने दिया गया। आज यदि पीओके व गिलगित-बालटिस्तान भारत में वापस आ गया, तो घाटी में फारूख के खानदानी वर्चस्व की संभावनाएं धूमिल हो जाएंगी। इसलिए फारूख अब्दुल्ला चाहते हैं कि पाकिस्तान से बातचीत हो, ताकि कोई ऐसा समझौता हो जाए कि पीओके व गिलगित-बालटिस्तान भारत में न आ सके और नियंत्रण रेखा को ही अंतरराष्ट्रीय सीमा मान लिया जाए। इसलिए फारूख के ऐसे बयान आते रहे हैं और आते रहेंगे। इन दिनों कश्मीर में भी वहां की पांच संसदीय सीटों पर चुनाव हो रहे हैं। संभावना है कि पिछले वर्षों के 5-10 फीसदी की तुलना में इस बार बड़ी संख्या में मतदाताओं की भागीदारी होगी। बारामूला से उमर अब्दुल्ला, अनंतनाग-राजौरी से महबूबा मुफ्ती उम्मीदवार हैं। ये चुनावों में पाकिस्तान एवं अलगाववाद को मुद्दा बनाते रहे हैं। इसलिए मौका मिलते ही फारूख ने अपना खानदानी पाकिस्तान कार्ड चल दिया, जो उनके पिता भी अक्सर चला करते थे। बहरहाल, तब से अब तक झेलम में बहुत पानी बह गया है। अनुच्छेद 370 के निष्प्रभावी होने, कश्मीर व लद्दाख के अलग-अलग केंद्रशासित प्रदेश बन जाने के बाद अब यह चुनाव जम्मू व कश्मीर की जनभावनाओं का लिटमस टेस्ट जैसा है। पूर्ण राज्य से कश्मीर को केंद्रशासित प्रदेश बना देने और फिर कश्मीर के औद्योगिकीकरण के साथ आर्थिक व बुनियादी संरचना विकास और रोजगार का अभियान चलाने से एक मिला-जुला परिदृश्य उभरा है। आम मतदाता समझते हैं कि रेल नेटवर्क, हाईवे यातायात का विकास व परिणामस्वरूप पर्यटन की पर्याप्त संभावनाएं कश्मीर का भाग्य बदल देंगी। लेकिन देखना होगा कि इन सब सकारात्मक परिवर्तनों का असर चुनावों में आम आदमी की सोच पर किस तरह से पड़ने वाला है।

हरियाणा में भाजपा ने खुद बुलाया है संकट

अजय सेतिया

भाजपा के रणनीतिकार अमित शाह, हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और मौजूदा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी यह भूल गए थे कि 1999 में ओडिशा के मुख्यमंत्री गिरधर गोमांग के एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई थी। तब गिरधर गोमांग नए नए मुख्यमंत्री बने थे, उन्होंने तब तक अपनी लोकसभा सदस्यता से इस्तीफा नहीं दिया था। सोनिया गांधी ने उन्हें दिल्ली पहुंच कर वाजपेयी सरकार के खिलाफ रखे अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में वोट करने को कहा था। उन्हीं के एक वोट से वाजपेयी सरकार गिर गई थी। नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाए जाते समय भाजपा सरकार तलवार की धार पर थी, क्योंकि खट्टर सरकार को समर्थन दे रही जेजेपी को भाजपा ने गठबंधन से बाहर करने का फैसला कर लिया था। इसके बाद इसकी कोई जरूरत नहीं थी कि मनोहर लाल खट्टर अपनी विधानसभा सीट से इस्तीफा देते।

इसके अलावा चौधरी देवीलाल के बेटे निर्दलीय विधायक रंजीत सिंह चौटाला ने भी इसलिए विधायक पद से इस्तीफा दे दिया, क्योंकि वह भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए थे। दलबदल विरोधी क़ानून के अनुसार कोई निर्दलीय विधायक किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं हो सकता, इसलिए भाजपा में शामिल होते ही उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। भाजपा ने निर्दलीय होते हुए उन्हें मंत्री तो बना ही दिया था, वह सदन से बाहर भाजपा के सदस्य बन सकते थे, सदन के भीतर भाजपा के सहयोगी सदस्य के तौर पर रह सकते थे। भाजपा की इन दो रणनीतिक गलतियों के कारण नायब सिंह सैनी सरकार पर अब खतरा मंडरा रहा है, क्योंकि 12 मार्च को जिन छह निर्दलीय विधायकों ने उन्हें सरकार बनाने के लिए समर्थन दिया था उनमें से तीन निर्दलीय विधायकों सोमबीर सांगवान (दादरी), रणधीर सिंह गोलन (पुंडरी) और धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) ने समर्थन वापस ले लिया है।

सैनी की शपथ ग्रहण के समय भाजपा के 41 विधायक थे, उन्हें छह निर्दलीय और हरियाणा लोकहित पार्टी के गोपाल कांडा का समर्थन था। इन 48 विधायकों में से दो इस्तीफा दे चुके और तीन समर्थन वापस ले चुके, यानी 88 के सदन में स्पीकर ज्ञान चंद गुप्ता समेत भाजपा सरकार को सिर्फ 43 सदस्यों का समर्थन बचा है। भाजपा के 40 विधायकों के अलावा दो निर्दलियों नयन पाल रावत और राकेश दौलताबाद के अलावा हरियाणा लोकहित पार्टी के गोपाल कांडा का समर्थन ही बना हुआ है। बड़ा सवाल यह है कि विधानसभा में अल्पमत में आई नायब सैनी सरकार इस खतरे से कैसे निपटेगी।

हर गुजरते पल के साथ हरियाणा की राजनीति में नए ट्विस्ट सामने आ रहे हैं। साढ़े चार साल तक भाजपा सरकार को बचाए रखने वाली जेजेपी ही अब उसका गेम बिगाड़ने में जुट गई है। खट्टर सरकार में साढ़े चार साल उप मुख्यमंत्री रहे दुष्यंत चौटाला ने सरकार बनाने के लिए विपक्ष के नेता भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को बाहर से समर्थन का एलान कर दिया है। जेजेपी के विधायक देवेन्द्र सिंह चौटाला ने कहा है कि भूपेन्द्र सिंह हुड्डा को राज्यपाल के पास जाकर सरकार के अल्पमत में होने का सवाल उठाना चाहिए। दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि अगर अल्पमत में आई हरियाणा की सरकार को गिराया जाता है, तो वह कांग्रेस को बाहर से समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस को सोचना है कि वह भाजपा सरकार को गिराने के लिए कोई कदम उठाएगी या नहीं।

फिलहाल कांग्रेस के पास 30 विधायक हैं, जेजेपी के दस विधायकों को मिलाकर यह आंकड़ा 40 होता है, जिन तीन निर्दलीय विधायकों ने नायाब सिंह सैनी सरकार से समर्थन वापस लेकर कांग्रेस को समर्थन देने का ऐलान किया है, उनको मिलाकर विधायकों की संख्या 43 हो जाएगी। यानी दोनों तरफ 43-43 की संख्या हो गई है। बहुमत की कुंजी अब मेहम के निर्दलीय विधायक बलराज कुंडू और ओम प्रकाश चौटाला की पार्टी के एकमात्र विधायक अभय सिंह चौटाला के हाथ में है। अभय सिंह चौटाला अब तक तो कांग्रेस के साथ थे, लेकिन दुष्यंत चौटाला के कांग्रेस को समर्थन के बाद उनका रुख क्या होता है, यह देखना होगा। क्योंकि देवीलाल परिवार के इन दोनों वारिसों में राजनीतिक टकराव इतना ज्यादा है कि दोनों ने अपनी अलग अलग पार्टी बना रखी है।

वैसे यह थ्योरेटिकल गणित है कि सरकार अल्पमत में आ गई है, जमीनी हकीकत कुछ और है, क्योंकि दुष्यंत चौटाला के पांच विधायक देवेन्द्र सिंह बबली, राम कुमार गौतम, ईश्वर सिंह, राम निवास सुरजाखेड़ा और जोगी राम सिहाग उनके साथ नहीं है। इनमें से राज कुमार गौतम को छोड़ कर बाकी चार विधायक सैनी के शपथग्रहण समारोह में शामिल हुए थे, लेकिन उनके विश्वास प्रस्ताव पर मतविभाजन से पहले दुष्यंत चौटाला के व्हिप का पालन करते हुए वाकआउट कर गए थे। दुष्यंत चौटाला ने अभी भी कहा है कि अगर कांग्रेस हरियाणा सरकार गिराने का कदम उठाती है, तो वह अपने विधायकों को व्हिप जारी करेंगे। हालांकि अगर उनके विधायक व्हिप का उल्लंघन करके सरकार बचा लेते हैं, तो व्हिप पर फैसला करना भाजपा के स्पीकर के हाथ में होगा। विधानसभा का कार्यकाल सिर्फ अक्टूबर तक है, तब तक तो वह व्हिप के उल्लंघन की याचिका पर फैसला टाल ही सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि जब तक विपक्ष के नेता भूपेन्द्र हुड्डा राज्यपाल के सामने 45 विधायकों की परेड नहीं करवाएंगे, राज्यपाल मुख्यमंत्री को बहुमत साबित करने के लिए नहीं कहेंगें, या फिर हुड्डा विधानसभा सत्र का इन्तजार करें, ताकि सदन की बैठक शुरू होते ही वह अविश्वास प्रस्ताव पेश कर सकें।

सबका साथ सबका विकास के बाद हिन्दू मुसलमान क्यों?

संजय तिवारी

गुजरात दंगे के करीब एक दशक बाद 2011-12 में वहां के मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रदेशभर में सद्भावना सम्मेलन किया था। इन सद्भावना सम्मेलनों में वो राज्य के अलग अलग स्थानों पर जाते और दिन भर का उपवास करते। इन सम्मेलनों में उनकी पार्टी के वर्कर तो रहते ही लेकिन मुख्य रूप से मुसलमानों को बुलाया जाता था ताकि देश में यह संदेश जाए कि मोदी पर मुस्लिम विरोधी होने का जो गहरा दाग लगा है वो उसे धो सकें। लेकिन ऐसे ही एक सद्भावना सम्मेलन में सितंबर 2011 में जब कुछ सूफी मुसलमानों ने उन्हें मुस्लिम टोपी पहनाने की कोशिश की तो उन्होंने टोपी पहनाने वाले हाथों को बीच में रोक दिया। दो सेकेण्ड का मोदी का यह व्यवहार देश के हिन्दूवादी वोटरों के मन में गहरे धंस गया। हिंदुओं को लगा कि रोजा इफ्तार वाली कांग्रेस सरकार के दौर में कोई तो है जिसने मुसलमानों की टोपी पहनने से मना कर दिया।

इस घटना के करीब दो साल बाद देश में आम चुनाव होने जा रहा था। मोदी समझते थे कि अगर राष्ट्रीय नेतृत्व पर उभरना है तो अपने ऊपर लगे मुस्लिम विरोधी ठप्पे को मिटाना होगा। 2013-14 में उनको मिला प्रचंड समर्थन ऐसा था कि पूरी बीजेपी लीडरशिप को उन्हें यह मानकर नेतृत्व सौंपना पड़ा कि वो देश के सबसे पॉपुलर लीडर हैं। वो पापुलर थे भी। 2014 के चुनाव परिणामों ने बता दिया कि देश में मोदी का कोई विकल्प नहीं था। हालांकि सत्ता में आने के बाद उन्होंने अपने आपको हिन्दूवादी लीडर के रूप में प्रस्तुत करने की बजाय विकास पुरुष के रूप में प्रस्तुत किया। ऐसा विकास पुरुष जो सबका साथ सबका विकास चाहता है।

2019 में उन्होंने इस नारे के साथ एक तीसरा वाक्य भी जोड़ा। सबका विश्वास। इस तरह 1014 से 2024 तक दस साल अपने कार्यकाल में मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास के मूल मंत्र से ही चलाया। बतौर प्रधानमंत्री उनकी यह पहल सराहनीय थी। मोदी ने 2002 में गुजरात दंगों के बाद अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा दिये गये उस मंत्र को चरितार्थ करने का प्रयास किया कि राजा को प्रजा प्रजा में भेद नहीं करना चाहिए।

गौरक्षकों को गुण्डा बताने वाली बात हो या फिर नुपुर शर्मा को पार्टी से बाहर निकलवाने वाली घटना, प्रधानमंत्री रहते मोदी ने यही संदेश देने का प्रयास किया कि वो मुस्लिम समुदाय की भावनाओं की कद्र करते हैं। सरकार

में रहते हुए सूफियों का सम्मेलन कराना हो या मेट्रो में किसी मुस्लिम के साथ फोटो खिंचवाना, उनकी ओर से सांकेतिक रूप से हमेशा यही संदेश दिया गया कि वो देश में हर नागरिक के प्रधानमंत्री हैं। अपनी पार्टी में भी उन्होंने यही संदेश दिया कि एक सत्ताधारी दल को यह शोभा नहीं देता कि वह धर्म के आधार पर नागरिकों में भेद करे। पार्टी के प्रवक्ताओं को भी संदेश भेजा गया कि टीवी पर होनेवाली हिन्दू मुसलमान की बहसों से या तो अपने आप को अलग रखें या फिर बहस के दौरान मुस्लिम विरोधी न दिखें। पार्टी फोरम पर भी पसमांदा मुसलमानों को जोड़ने की पहल शुरु हुई। मोदी सरकार की योजनाओं के लाभार्थी समान रुप से हर धार्मिक समुदाय के लोग हैं, इस बात को प्रमुखता से उभारने की बात कही गयी। अपने कार्यकाल के दौरान मोदी ने न केवल भारत के मुसलमानों से बेहतर रिश्ता बनाने का प्रयास किया बल्कि अरब देशों का बार बार दौरा करके उनसे आर्थिक सांस्कृतिक संबंध बढ़ाये। कई अरब देशों ने उन्हें अपने यहां का सर्वोच्च नागरिक सम्मान भी दिया।

सवाल यह है कि अगर सरकार में रहते हुए मुसलमानों को लेकर मोदी का सबकुछ ठीक चल रहा था तो फिर अचानक से आधा चुनाव बीतते बीतते वो हिन्दू मुसलमान की राजनीति पर क्यों उतर आये? बार बार अलग अलग मंचों से वो मुस्लिम सांप्रदायिकता को उभारने का प्रयास क्यों करने लगे? मेरे जीते जी कोई धर्म के आधार पर मुसलमानों को आरक्षण नहीं दे सकता जैसे जुमले क्यों बोलने लगे? उन्हें मुसलमानों का वोट जिहाद भला क्योंकर याद आ गया जिसके विकल्प में उन्होंने हिन्दुओं को रामराज्य के नाम पर वोट करने की अपील शुरु कर दी है?

लेकिन अब जबकि तीसरे चरण का मतदान समाप्त हो चुका है और लोकसभा की 285 सीटों के लिए मतदान हो चुका है तब हिन्दू मुसलमान का ध्रुवीकरण करने का प्रयास यह बताता है कि %सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास भाजपा के लिए राजनीतिक रूप से एक कामयाब फार्मूला नहीं रहा है। इसलिए पुनः देश में हिन्दू मुस्लिम ध्रुवीकरण का चुनावी प्रयास किया जा रहा है। लेकिन यह नीति एक दोधारी तलवार की तरह है कि सत्ता में रहते हुए आप कुछ और नीति अपनाएंगे और चुनाव में जाते ही कुछ और नीति अपना लेंगे। इससे मोदी के कहे अनुसार ही पसमांदा मुसलमानों को जिस तरह से भाजपा के पाले में लाने का प्रयास शुरु हुआ था या फिर तीन तलाक को कानूनन खत्म करने के बाद जिस तरह से मुस्लिम महिलाओं को भाजपा के साथ जोड़ने की कोशिश शुरु हुई थी, उसको धक्का लगेगा। साथ ही साथ उस कोर हिन्दू वोटर के मन में भी अविश्वास पैदा होगा जो चुनाव के दिनों में कुछ और तो सरकार के दिनों में कुछ और भाषा सुनता है। इसमें कोई दो राय नहीं कि मुस्लिम समुदाय दुनिया में जहां भी है वह अलग-थलग ही रहता है। उसके इस्लामिक सिद्धांत इस प्रकार के हैं कि वह बाकी समाज के साथ समरस नहीं हो पाता।

इसलिए वह जहां कहीं भी अल्पसंख्यक है उसका वोटिंग पैटर्न बाकी लोगों से बिल्कुल अलग होता है। जैसे मजहब के मामले में वह मुल्ला मौलवी पर निर्भर रहता है वैसे ही चुनाव में वोट देने के मामले में भी उनके इशारे का इंतजार करता है। वह एक व्यक्ति बनकर कभी मतदान नहीं करता। वह एक मजहबी समूह बनकर लोकतंत्र में हिस्सेदार होता है और जिस पार्टी के पास जाता है उससे अपने वोट की पूरी मजहबी कीमत वसूलता है। हिन्दुओं का स्वभाव इस प्रकार का नहीं है, और कभी होना भी नहीं चाहिए कि वह लोकतंत्र में मुसलमानों की तरह एक ब्रेन डेड व्यक्ति की तरह व्यवहार करे। हिन्दुओं का ध्रुवीकरण जातीय आधार पर तो हो सकता है लेकिन धार्मिक आधार पर उन्हें इकट्ठा करना बहुत कठिन काम है। बीजेपी ने बड़े लंबे समय के संघर्ष के बाद इसमें कुछ हद तक कामयाबी पायी है लेकिन अगर उसकी भाषा चुनाव में कुछ और तथा सरकार में कुछ और हो जाएगी तो इस दोहरेपन को उसके समर्थक ही नहीं पचा पायेंगे। बेहतर होगा कि अगर भाजपा के रणनीतिकार अगले पचास साल तक सत्ता में रहने की बात करते हैं तो वो मुसलमानों को लेकर भी एक स्पष्ट नीति बना लें। अगर सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति ही उचित है तो इसे सिर्फ सरकार बनने के बाद लागू न किया जाए। इसी आधार पर भाजपा द्वारा चुनाव भी लड़ा जाए।

पहले आम चुनाव में बलिया ने दिखाए बागी तेवर

उमेश चतुर्वेदी

आम चुनावों के बीच तमाम तरह से मुद्दे छाये हुए हैं.. कुछ जगहों पर बाहरी उम्मीदवार को लेकर स्थानीय वोटर और पार्टी कार्यकर्ता नाराज हैं। ऐसी कहानियां तमाम पार्टियों की हैं। कभी पार्टी अनुशासन का भय दिखाकर तो कहीं पुचकार कर कार्यकर्ताओं को मनाया जा रहा है। ताकि वे समर्थक वोटरों को मतदान केंद्र तक ला सकें। लेकिन कई जगह वोटरों को मनाना पार्टियों के लिए टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। तो कई जगहों पर बाहरी उम्मीदवार के पीछे स्थानीय कार्यकर्ता अभिभूत नजर आ रहे हैं। जितनी भारत की संस्कृति विविधरंगी है, जितना बहुरंगी अपना समाज है, उतने ही रंग चुनाव में भी दिख रहे हैं। आजादी के बाद का पहला ही चुनाव था..आजादी के आंदोलन की अगुआ रही कांग्रेस की पूरे देश में तूती बोल रही थी। तपे-तपाए नेताओं के आभामंडल से भारतीय राजनीतिक क्षितिज दैदीप्यमान था, इसके बावजूद पंडित नेहरू देश की राजनीतिक धुरी बने हुए थे..चुनावों में नेहरू जहां भी जाते, वहां भीड़ लग जाती। लेकिन उसी नेहरू की बात को बलिया ने एक नहीं सुनी। ठीक उसी अंदाज में कांग्रेसी आलाकमान से बगावत कर दिया, जिस अंदाज में एक दशक पहले अंग्रेजों से बलिया का शासन छीन लिया था। दूसरे आम चुनाव में पंडित नेहरू ने गोविंद मालवीय को बलिया में कांग्रेस का उम्मीदवार बनाकर मैदान में उतार दिया था। गोविंद मालवीय कोई मामूली शख्सियत नहीं थे। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक, कांग्रेस और हिंदू महासभा के अध्यक्ष रहे पंडित मदनमोहन मालवीय के बेटे थे। गोविंद मालवीय की भी ख्याति मशहूर शिक्षाविद् के रूप में थी। नेहरू को लगा कि महामना मालवीय की प्रतिष्ठित विरासत और कांग्रेसी साख के साथ गोविंद मालवीय बलिया से चुनावी नैया पार लगा ले जाएंगे। नेहरू ने तब बलिया के कांग्रेस नेताओं से सलाह लेना भी उचित नहीं समझा। बलिया के वरिष्ठ पत्रकार अशोक जी बताते हैं कि दरअसल बलिया की कांग्रेस कमेटी ने पहले चुनाव की उम्मीदवारी के लिए दो लोगों मुरली मनोहर श्रीवास्तव और उनके पिता और मशहूर पत्रकार दुर्गा प्रसाद गुप्त के नाम सुझाए थे। लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने संविधान सभा के सदस्य रहे और कुछ ही दिन पहले काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति पद से हटे गोविंद मालवीय को उम्मीदवार बना दिया। बलिया के लोगों को यह नागवार गुजरा। उन्हें गोविंद मालवीय की उम्मीदवारी मंजूर नहीं हुई। ऐसा नहीं कि बलिया के लोग महामना मालवीय को नहीं जानते थे। ऐसा भी नहीं कि गोविंद मालवीय के बारे में स्थानीय लोगों को पता नहीं था। लेकिन बलिया को बाहरी उम्मीदवार मंजूर नहीं था। बलिया के कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस के तत्कालीन आलाकमान के सामने स्थानीय उम्मीदवार देने की मांग रखी। लेकिन उनकी मांग नकार दी गई। नेहरू ने गोविंद मालवीय की उम्मीदवारी हटाने से इनकार कर दिया। बलिया के लोगों को यह बात नागवार लगी। बयालिस के आंदोलन में अंग्रेजों से आजादी हासिल कर लेने वाले बलिया के लोगों को बाहरी उम्मीदवार पसंद नहीं आया। बलिया के गांवों, चट्टी-चौराहों पर बाहरी उम्मीदवार की चर्चा आम हो गई। गोविंद मालवीय से लोगों को निजी तौर पर किसी को एतराज नहीं था। लेकिन बलिया को ऐसा लगा कि बाहरी उम्मीदवार एक तरह से उनके स्वाभिमान को चुनौती है। बलिया में बाहरी बनाम स्थानीय की चर्चा आम हो गई। गांव-गांव एक राय बनती चली गई कि स्थानीय उम्मीदवार को ही वोट देना है। बलिया के कांग्रेस कार्यकर्ताओं और नेताओं पर स्थानीय उम्मीदवार देने का दबाव बढ़ने लगा। इस दबाव में कांग्रेस के स्थानीय नेतृत्व ने उम्मीदवार की खोज शुरू की और उसकी निगाह जाकर बलिया के प्रतिष्ठित वकील मुरली मनोहर लाल पर टिक गई। मुरली मनोहर लाल को स्थानीय लोग मुरली बाबू के नाम से जानते थे। मुरली बाबू की वकील के रूप में प्रतिष्ठा थी। 1942 में बलिया पर कब्जा करने के बाद अंग्रेज सरकार ने लोगों पर खूब अत्याचार किए। लोगों के खिलाफ तमाम तरह के मुकदमे दर्ज किए गए। संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया। लोगों की इस पीड़ा की कहानी फिरोज गांधी तक पहुंची। फिरोज गांधी ने बलिया का दौरा किया था। तब सड़कें नहीं थी, आवागमन के साधन नहीं थे। तब फिरोज गांधी तांगे से पीड़ितों के पास पहुंचे। लोगों पर हुए अत्याचार और नुकसान की रिपोर्ट तैयार की।

लहंगे के साथ बनवाएं यूनिक डिजाइन के ये ब्लाउज, मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

शादियों में लहंगा पहनने का क्रेज कभी खत्म नहीं होता। दुल्हन से लेकर दुल्हन की सहेली और बहनें, लगभग सबको लहंगा पसंद आता है। ऐसे में अगर आप अपने लहंगे के साथ कुछ हटके लुक चाहती हैं तो ब्लाउज के इन अट्रैक्टिव डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं। जो ना केवल हर बॉडी टाइप पर जचेंगे बल्कि आपका लुक देख सब तारीफ भी करेंगे। तो अट्रैक्टिव लुक के लिए बॉलीवुड एक्ट्रेस के इन खूबसूरत लहंगा डिजाइन को ट्राई कर सकती हैं।

बटरफ्लाई ब्लाउज डिजाइन

लहंगे के साथ कुछ हटके डिजाइन का ब्लाउज बनवाना चाहती हैं तो आलिया भट्ट का ये बटरफ्लाई डिजाइन का ब्लाउज बनवा सकती हैं। साथ में चाहे तो इसमे नूडल स्ट्राईप की बजाय स्लीव को ऐड करवाएं। ये ब्लाउज डिजाइन अट्रैक्टिव लुक देगा।

डीप वी नेकलाइन

ब्लाउज की ये डीप वी नेकलाइन डिजाइन इन दिनों काफी ज्यादा ट्रेंड में है। जिसे आप भी अपने लहंगे के साथ बनवा सकती हैं। अगर आप इतना डीप नेकलाइन को पहनना पसंद नहीं करती हो इसमे स्किन कलर की लाइनिंग ऐड करवाएं। ये काफी खूबसूरत लुक देगा।

फुल स्लीव संग स्वीटहार्ट नेकलाइन

सर्दियों की शादी में अगर आप ठंड से बचना चाहती हैं तो वेलवेट फैब्रिक के ब्लाउज को भी बनवा सकती हैं। स्वीटहार्ट नेकलाइन और फुल स्लीव ब्लाउज डिजाइन गॉर्जियस लुक देंगे।

बैकलेस चोली ब्लाउज

कृति सेनन की तरह लहंगे के साथ इस तरह की डिजाइन वाले ब्लाउज बनवाएं। फ्रंट से लांग वेस्ट तक डिजाइन और बैक से क्रिसक्रॉस पैटर्न पर लगी डोरी इस ब्लाउज को बेहद ग्लैमरस और अट्रैक्टिव बना सकती है।

ऑफ शोल्डर या पफ स्लीव

लहंगे के साथ दुपट्टे को कैरी करने का इरादा नही है तो ऑफ शोल्डर और पफ स्लीव ब्लाउज बनवाएं। या फिर केवल ऑफ शोल्डर ब्लाउज को भी बनवा सकती है। स्लीव पर फ्रिल डिजाइन का पफ भी काफी अट्रैक्टिव लुक दे सकता है।

तो इस वेडिंग सीजन सहेली की शादी में या मेहंदी से लेकर संगीत के फंक्शन में रेडी होने के लिए लहंगा पहन रही हैं तो इन ब्लाउज की डिजाइन को ट्राई करें। सब तारीफ

सुबह के समय इन नेचुरल चीजों की मदद से करें फेस वॉश, चमक जाएगा चेहरा

स्किन को साफ करने के लिए लोग महंगे-मंहगे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। स्किन केयर का पहला स्टेप चेहरे को साफ करना या फिर फेस वॉश का इस्तेमाल करना होता है। अगर सही तरह से इसे ना पूरा किया जाए तो उतनी चमक नहीं आती। चेहरे तो साफ करने के लिए घर की चीजों का इस्तेमाल किया जा सकता है। जानिए, फेस वॉश के लिए नेचुरल चीजों का इस्तेमाल कैसे किया जाए।

टमाटर से करें चेहरा वॉश

टमाटर के रस से चेहरा साफ किया जा सकता है। टमाटर में क्लिंजिंग गुण होते हैं, जो त्वचा पर अच्छा असर दिखाते हैं। इसका इस्तेमाल करने के लिए एक कटोरी में टमाटर का रस लें और उसे उंगलियों से चेहरे पर मलें। कुछ देर के लिए इसे लगा रहने दें फिर 5 मिनट लगा रहने दें। फिर चेहरे को साफ करें।

चेहार चमकाने के लिए शहद

रूखी-सूखी स्किन से छुटकारा पाने के लिए शहद को चेहरे पर लगाएं। इसके एंटी-ऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण स्किन को सूदिंग इफेक्ट्स भी देते हैं। इसे लगाने के लिए पहले चेहरे को गिला करें और फिर थोड़ा सूखने के बाद शहद को चेहरे पर लगाएं और हल्के हाथों से मसाज करें।

कच्चा दूध

चेहरे पर कच्चे दूध को लगाने से फायदा मिलता है। इसे लगाने से डेड स्किन साफ होती है। दूध से चेहरा साफ करने के लिए एक कटोरी में कच्चा दूध लेकर उसमें रूई डुबोएं और चेहरे पर अच्छे से लगाएं। कुछ देर के लिए चेहरे पर कच्चे दूध की मसाज के बाद चेहरे को पानी से धो लें।

शादी के फंक्शन में मिनिमल लुक में भी दिखेंगी स्टाइलिश

शादी में खासतौर पर लड़कियां लहंगा पहनती हैं। वहीं लहंगे में कई डिजाइन और पैटर्न मिल जाते हैं। आज हम आपको सिल्क लहंगे कि कुछ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही इस लहंगे को स्टाइल करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में भी जानेंगे। आज के समय में हर कोई स्टाइलिश दिखने की चाहत रखता है। वहीं इन दिनों वेडिंग सीजन की शुरूआत हो चुकी है। शादियों की तैयारियां वैसे तो महीनों पहले से शुरू हो जाती हैं। शादी में खासतौर पर लड़कियां लहंगा पहनती हैं। वहीं लहंगे में कई डिजाइन और पैटर्न मिल जाते हैं। बता दें कि फैशन का ट्रेंड काफी तेजी से बदल रहा है। आजकल सिल्क लहंगा काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। सिल्क के लहंगे में कई डिजाइन और पैटर्न देखने को मिल जाते हैं। ऐसे में अगर आप भी किसी शादी में लहंगा पहनने की सोच रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको सिल्क लहंगे कि कुछ डिजाइंस के बारे में बताने जा रहे हैं। साथ ही इस लहंगे को स्टाइल करने के कुछ आसान टिप्स के बारे में भी जानेंगे। जिससे कि शादी जैसे फंक्शन में आपको स्टाइलिश और मिनिमल लुक मिल सके।

बनारसी सिल्क लहंगा

आजकल बनारसी सिल्क साड़ी के साथ-साथ सिल्क लंहगा भी काफी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। इसमें आपको कई पैटर्न मिल जाएंगे। बता दें कि इस तरह के बनारसी सिल्क लहंगे आपको मार्केट में 3000 रुपए से लेकर 5000 रुपए तक में मिल जाएंगे। वहीं आप इस बनारसी सिल्क लहंगे के साथ गले में चोकर के साथ मैचिंग स्टड्स इयररिंग्स को कैरी कर सकती हैं। जो आपके लुक में चार चांद लगाने का काम करेगा।

गोटा-पट्टी डिजाइन सिल्क लहंगा

इसके अलावा आजकल गोटा-पट्टी डिजाइन वाला सिल्क लहंगा काफी चलन में हैं। इस तरह का लहंगा आपको मार्केट में 2500 से 4000 रुपए तक के बीच में मिल जाएगा। बता दें कि इस तरह के लहंगे के साथ आप पर मेसी लुक वाला हेयर बन खूब जचेगा।

अगर आप शादी में दिन के फंक्शन में लाइट कलर का आउटफिट पहनना चाहती हैं। तो पेस्टल कलर सिल्क लहंगा पहनना चाहिए। वहीं दिन के फंक्शन के लिए इस तरह का सटल कलर एकदम परफेक्ट है। यह आपको सॉफ्ट लुक देने में मदद करेगा। इसके साथ आप लो मेसी लुक वाली पोनीटेल कर सकती हैं।

हरी सब्जियां काटकर काले हो रहे हैं हाथ? साफ करने के लिए अपनाएं ये टिप्स

किचन में काम करने वाली महिलाओं की अक्सर ये शिकायत रहती है कि सब्जियों को काटकर उनके हाथ खराब दिखने लगते हैं। खासकर ऐसा सर्दियों में होता है। क्योंकि सर्दी में हरी सब्जियां आना शुरू हो जाती हैं, ऐसे में उन सब्जियों को काटने पर हाथ काल हो जाते हैं। अगर इस तरह के हाथों को साफ ना किया जाए तो ये बहुत गंदे दिखने लगते हैं। ऐसे में हरी सब्जी काटने के बाद आप अपने हाथों को साफ करना चाहते हैं तो कुछ तरीकों को अपना सकते हैं। ये तरीके महिलाएं आसानी से फॉलो कर सकती हैं। जानिए, हाथों की सफाई के बेहतरीन तरीके-

सब्जी काटने के बाद कैसे साफ करें हाथ-

1) सब्जी काटने के बाद हाथ काले हो गए हैं, तो साफ करने के लिए इन्हें गरम पानी में भिगोएं। इस पानी में आप नींबू या फिर शैम्पू मिला सकती हैं। इससे उंगलियां भी अच्छे से साफ होंगी और नाखुन भी।

2) हाथों को साफ करने के लिए आप टमाटर का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए टमाटर के एक छोटे टुकड़े को लें और फिर इसे हाथों पर अच्छी तरह से रगड़ें। चाहें तो टमाटर की जगह नींबू भी रगड़ सकती हैं।

3) अगर हाथ बहुत ज्यादा गंदे हो गए हैं और बहुत नुस्खे अपनाने के बाद भी साफ नहीं हो रहे हैं तो आप हथेलियों पर थोड़ा सिरका लगाकर रगड़ें और बाद में साबुन और पानी से हाथों को अच्छी तरह से साफ कर लें।

4) हाथों को साफ करने के लिए आप दूध का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसे यूज करने के लिए या तो हाथों को दूध में डुबोकर रख लें या फिर थोड़ा सा दूध लगाकर रगड़ें।

5) हाथ साफ करने के लिए कच्चा आलू भी काम आ सकता है। इसके लिए आलू की स्लाइस को हाथों में रगड़ सकते हैं। या फिर कच्चे आलू को कद्दूकस करके यूज कर सकते हैं।

चेहरे पर इन तरीकों से इस्तेमाल करें आंवला,

आंवला हर मौसम में खाने की सलाह दी जाती है। इससे सेहत का सुधार होता है और स्किन-बाल भी अच्छे होते हैं। स्किन पर मौजूद जिद्दी से जिद्दी दाग-धब्बे हटाने की बात हो या फिर रंगत निखारने की, आप आंवला इस्तेमाल कर सकते हैं। ये विटामिन सी और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, यही वजह है कि कई लोग इसे रोजाना खाना पसंद करते हैं। घर पर कई देसी तरीकों से आप आंवला का इस्तेमाल कर सकते हैं और अपनी सुंदरता को बढ़ा सकते हैं। यहां जानिए अलग-अलग तरीकों से आंवला का इस्तेमाल कैसे करें।

1) अगर आपको पिंपल्स की समस्या है, तो आप अपने स्किन केयर रूटीन में आंवले का फेस पैक जरूर शामिल करें। इस फेस पैक बनाने के लिए बाउल में 2 चम्मच आंवला पाउडर में दही और गुलाब जल मिला लें। फिर इसे अपने चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए छोड़ दें। 15 मिनट बाद फेस को पानी से साफ करें।

2) बढ़ती उम्र के साथ बढ़ रही स्किन प्रॉब्लम से निपटने के लिए भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। आंवला का इस्तेमाल फेस मसाज के लिए भी किया जा सकता है। फेस मसाज के लिए 1 चम्मच आंवले के जूस में 1 चम्मच बादाम का तेल मिक्स कर लें। फिर सुबह या फिर रात में सोने से पहले इस मिक्स से अपने फेस की अच्छी तरह मसाज करें। इसे चेहरे पर 15 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर बाद में फेस को साफ करें।

3) झुर्रियां और ब्लैकहेड्स की समस्या से बचाव के लिए रोजाना अपनी स्किन को स्क्रब करें। फिर आंवला से स्क्रब बनाएं, इसके लिए दो कच्चे आंवले को पीसकर पेस्ट बना लें। फिर इसमें आधा चम्मच शहद मिलाएं। दोनों को मिक्स करने के बाद 1 चम्मच ग्रीन टी मिक्स करें। फिर इस मिक्स से फेस को अच्छी तरह स्क्रब करें। रंगत निखारने के लिए ये बेस्ट है।

सेहत ही नहीं त्वचा के लिए भी फायदेमंद हैं ये फल और सब्जियां

कई ऐसे फल और सब्जियां होती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाए रखने में सहायक होती हैं। आज हम आपको इन फलों और सब्जियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनके सेवन से आपको सेहत संबंधी लाभ मिलने के साथ ही स्किन संबंधी फायदे भी मिलते हैं। फलों और सब्जियों का सेवन हमारे स्वास्थ्य के लिए काफी जरूरी होता है। फलों और सब्जियों में मौजूद फाइबर न सिर्फ पाचन को स्वस्थ रखता है, बल्कि इससे आपकी इम्यूनिटी भी बूस्ट होती है। इसके अलावा यह हमारी त्वचा के लिए भी लाभकारी होती है। कई ऐसे फल और सब्जियां होती हैं, जो स्किन को हेल्दी बनाए रखने में सहायक होती हैं। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इन फलों और सब्जियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनके सेवन से आपको सेहत संबंधी लाभ मिलने के साथ ही स्किन संबंधी फायदे भी मिलते हैं।

शकरकंद- आपको बता दें कि सेहत के साथ-साथ शकरकंद स्किन के लिए भी फायदेमंद मानी जाती है। शकरकंद में बीटा केरोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो हमारी त्वचा को नेचुलर रूप से हेल्दी रखने में मददगार होता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा भी पायी जाती है। जो त्वचां संबंधी इंफेक्शन के खतरे को कम करता है। शकरकंद को उबालकर खाने से त्वचा को फायदा मिलता है।

एवोकाडो- स्किन के लिए एवोकाडो का सेवन भी लाभकारी माना जाता है। एवोकाडो में विटामिन्स, एंटीऑक्सीडेंट और ओमेगा-3 फैटी एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से आपकी त्वचा अंदर से साफ होता है। जब स्किन अंदर से साफ होती है तो बाहर भी इसका निखार साफ पता चलता है। आप चाट या फिर शेक के तौर पर भी एवोकाडो का सेवन कर सकते हैं।

खीरा- खीरा में पानी की पर्याप्त मात्रा पायी जाती है। इसके सेवन से त्वचा हाइड्रेड रहती हैं। वहीं खीरे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है। जो त्वचा को स्वस्थ रखने में मददगार होता है। खीरे के नियमित सेवन से स्किन हाइड्रेट रहने के साथ ही मॉइस्चराइज रहती है।

संतरा- विटामिन सी से भरपूर संतरा त्वचा की सेहत के लिए काफी अच्छा माना जाता है। संतरा में आवश्यक एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो स्किन को नेचुरल तरीके से हेल्दी और ग्लोइंग रखता है। साथ ही संतरे के सेवन झुर्रियां कम होने के साथ कोलेजन बढ़ता है।

पपीता- हमारे पाचन तंत्र को स्वस्थ रखने में पपीता भी अहम भूमिका निभाता है। पपीता में मिनरल्स के साथ-साथ विटामिन-ए, विटामिन बी और विटामिन सी पाया जाता है। जो स्किन को हेल्दी बनाने में मदद करता है। साथ ही यह त्वचा को हाइड्रेट भी रखता है। ऐसे में आप रोजाना पपीते का सेवन कर सकते हैं।

अनानास- स्किन को हेल्दी रखने में अनानास भी मददगार होता है। अनानास में विटामिन ए, सी की अधिक मात्रा पायी जाती है। इसमें मौजूद विटामिन ए और सी त्वचा को हेल्दी और ग्लोइंग बनाता है। वहीं इसमें एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी पाए जाते हैं। जो चोट को जल्दी रिकवर करते हैं। इसके सेवन से आपकी त्वचा हील होने के साथही ग्लोइंग भी बनती है।

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

अमेठी से गांधी परिवार का नाता कभी नहीं टूटा : प्रियंका

लखनऊ। भाजपा नेताओं पर अमेठी के लोगों

को गांधी परिवार के खिलाफ करने का आरोप लगाते हुए, एआईसीसी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि कुछ समय के लिए वे (अमेठी के लोग) प्रतिद्वंद्वियों की बातों से प्रभावित हो गए और राहुल गांधी के खिलाफ मतदान किया, जिससे 2019 में उनकी हार हुई, लेकिन उनके संबंध गांधी परिवार से कभी नहीं टूटे। अमेठी में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा, भाजपा ने लोगों को गुमराह करने और उन्हें हमारे खिलाफ भड़काने की कोशिश की और कहा कि हम केवल उनकी जमीन और संपत्ति हड़पना चाहते हैं। नतीजतन, आप में से कुछ लोग बहकावे में आ गए और राहुल जी 2019 में हार गए। मेरे परिवार और आपके बीच पुराने संबंध कुछ समय के लिए खत्म हो गए लेकिन वे कभी टूटे नहीं। प्रियंका ने भाजपा नेताओं पर झूठ और नाटक करने का आरोप लगाया।

पाकिस्तान के पास परमाणु बम हमें उन्हें इज्जत देनी चाहिए

नईदिल्ली। कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने

शुक्रवार को यह कहकर विवाद खड़ा कर दिया कि पाकिस्तान एक सम्मानित राष्ट्र है और उन्होंने सुझाव दिया कि भारत को उनके साथ बातचीत करनी चाहिए। 15 अप्रैल को चिल पिल मणिशंकर अय्यर के साथ एक साक्षात्कार में, कांग्रेस नेता ने चेतावनी दी कि यदि सम्मान नहीं दिया गया, तो इस्लामाबाद भारत के खिलाफ अपने परमाणु बम का उपयोग करने पर विचार कर सकता है। अय्यर ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कहा पाकिस्तान भी एक संप्रभु देश हैं। वे एक सम्मानित राष्ट्र हैं। आप उनके (पाकिस्तान) साथ सख्ती से बात कर सकते हैं। लेकिन बातचीत शुरू करें। आप बंदूक लेकर चल रहे हैं जिससे आपको कुछ नहीं मिला। तनाव बढ़ रहा है। और अगर कोई एक पागल आदमी वहां आता है, देश का क्या होगा? उनके पास भी परमाणु बम है, लेकिन अगर कोई पागल लाहौर स्टेशन पर हमारा बम विस्फोट कर दे, तो आठ सेकंड के भीतर उसकी रेडियोधर्मिता अमृतसर तक पहुंच जाएगी।

मणिशंकर अय्यर के बयान से कांग्रेस ने खुद को किया अलग

नईदिल्ली। कांग्रेस ने शुक्रवार को पार्टी के

वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर की उस टिप्पणी से खुद को अलग कर लिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि भारत को पाकिस्तान का सम्मान करना चाहिए ताकि वे हम पर परमाणु बम न गिराएं। पवन खेड़ा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस कुछ महीने पहले मणिशंकर अय्यर द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग करती है और पूरी तरह से असहमत है, जिसे आज भाजपा ने प्रधान मंत्री मोदी की दैनिक गलतियों से ध्यान हटाने की कोशिश में पुनर्जीवित किया है। खेड़ा ने कहा, अय्यर किसी भी हैसियत से पार्टी के लिए नहीं बोलते हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और वास्तव में पूरा देश गर्व के साथ याद करता है कि इंदिरा गांधी के निर्णायक और दृढ़ नेतृत्व और हमारे सशस्त्र बलों की वीरता के कारण दिसंबर 1971 में पाकिस्तान टूट गया था और एक स्वतंत्र बांग्लादेश का उदय हुआ था।

दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत

नईदिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम

आदमी पार्टी संयोजक अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम जमनात दे दी है जिसके अनुसार, वह 1 जून तक जेल से बाहर रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान जमानत देते हुए ईडी से कहा, केजरीवाल को 21 दिन की अंतरिम जमानत देने से केस में कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा। ईडी ने चुनाव प्रचार के आधार पर केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का सुप्रीम कोर्ट से विरोध किया, कहा कि ऐसी कोई मिसाल उपलब्ध नहीं है। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने के तर्कसंगत आदेश का पालन किया जाना चाहिए। गौरतलब है कि दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी द्वारा मुख्य आरोपी बनाए जाने के बाद से केजरीवाल की जमानत पर तलवार लटक रही थी। लेकिन कोर्ट के फैसले के बाद उन्हें राहत मिली है।

गद्दार कहे जाने पर सीएम शिंदे ने उद्धव को दिखाया आईना

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और शिवसेना

प्रमुख एकनाथ शिंदे ने खुद को गद्दार कहे जाने और शिवसेना (यूबीटी) नेताओं द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए मेरा बाप चुराया है, पार्टी चुराया है, निशान चुराया है जैसे आरोपों के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि मेरे लिए इस्तेमाल किए गए शब्द उन पर लागू होते हैं। 2019 में उन्होंने बालासाहेब ठाकरे की विचारधारा को छोड़ दी। उन्होंने अपने पिता की विचारधारा को बेच दिया। उन्होंने पाप किया है और जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। 2019 में उन्होंने अपने दोस्त और महाराष्ट्र के लोगों को धोखा दिया। उन्होंने बालासाहेब की विचारधारा को धोखा दिया। जब हमने साथ मिलकर चुनाव लड़ा था तो शिवसेना और बीजेपी की विचारधारा एक ही थी। सीएम शिंदे ने कहा कि लोगों को विश्वास था कि गठबंधन की सरकार बनेगी और इसीलिए उन्होंने वोट दिया लेकिन सीएम पद के लालच में वे कांग्रेस और शरद पवार के साथ चले गए। यह विश्वासघात है।

प्रधानमंत्री ने अल्पसंख्यक कल्याण के नाम पर कांग्रेस पार्टी के घटिया खेल को किया एक्सपोज

आरक्षण को लेकर कांग्रेस की स्थिति चोर मचाये शोर जैसी

मुंबई। पीएम नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नंदुरबार में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि ये महा अघाड़ी, आरक्षण के महाभक्षण का महा अभियान चला रही है। वहीं एससी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण बचाने के लिए मोदी आरक्षण के महारक्षण का महायज्ञ कर रहा है। आरक्षण पर कांग्रेस का हाल चोर मचाए शोर वाला है। धर्म के आधार पर आरक्षण बाबा साहेब की भावना के खिलाफ है। संविधान की भावना के खिलाफ है। लेकिन कांग्रेस का एजेंडा है - दलित, पिछड़े, आदिवासी का आरक्षण छीनकर अपने वोटबैंक को देना! कांग्रेस जानती है कि वो विकास में मोदी का मुक़ाबला नहीं कर सकती। इसलिए, वोनिस चुनाव में झूठ की फैक्ट्री खोलकर बैठ गए हैं, झूठ फैलाकर वोट लेना चाहते हैं। कभी आरक्षण को लेकर झूठ, कभी संविधान को लेकर झूठ। आरक्षण को लेकर कांग्रेस में स्थिति चोर मचाये शोर जैसी है!

धर्म के आधार पर आरक्षण का लाभ प्रदान करना हमारे संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों के बिल्कुल विपरीत है। यह बाबा अम्बेडकर की कल्पना के विपरीत है। कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक कल्याण के नाम पर एससी, एसटी और ओबीसी से आरक्षण का लाभ छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है। यह तुष्टिकरण, वोट बैंक की राजनीति के घटिया खेल के अलावा और कुछ नहीं है! एक तरफ भाजपा के प्रयास हैं और दूसरी तरफ कांग्रेस है। कांग्रेस ने आदिवासी भाई-बहनों की कभी परवाह नहीं की। आदिवासी इलाकों में सिकल सेल एनीमिया एक बड़ा खतरा रहा है, लेकिन कांग्रेस ने इस बीमारी की तरफ उतना ध्यान ही नहीं दिया। ये भाजपा है, जिसने सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान चलाया है।

कांग्रेस जानती है कि वह विकास में मोदी का मुकाबला नहीं कर सकती। इसीलिए उसने चुनाव में झूठ की फैक्ट्री खोल दी है। वह झूठ और अफवाह फैलाकर वोट हथियाना चाहती है। लेकिन हकीकत कौन नहीं जानता? हर किसी को पता है! एनडीए सरकार ने महाराष्ट्र के 20 हजार से अधिक गांवों में हर घर जल पहुंचाया है। इसमें नंदुरबार के 111 गांव भी शामिल है। अभी तो ये ट्रेलर है, अभी तो मोदी को बहुत कुछ करना है और आपके लिए करना है। मोदी ने संकल्प लिया था - हर गरीब, हर आदिवासी को घर, हर आदिवासी के घर में पानी, हर

परिवार को पानी की सुविधा, हर गांव में बिजली। हमने नंदुरबार के करीब 1.25 लाख गरीबों को पीएम आवास योजना के अंतर्गत पक्के आवास दिए।

आदिवासियों के लिए चिंता जताते हुए पीएम मोदी ने कांग्रेस को सवालों के घेरे में लिया। उन्होंने कहा, एक तरफ भाजपा के प्रयास हैं और दूसरी तरफ कांग्रेस है। कांग्रेस ने आदिवासी भाई-बहनों की कभी परवाह नहीं की। आदिवासी इलाकों में सिकल सेल एनीमिया एक बड़ा खतरा रहा है, लेकिन कांग्रेस ने इस बीमारी की तरफ उतना ध्यान ही नहीं दिया। ये भाजपा है, जिसने सिकल सेल एनीमिया को जड़ से खत्म करने के लिए अभियान चलाया है।

संजय राउत के बयान पर पीएम मोदी ने महाराष्ट्र जाकर दिया जवाब

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा नकली शिवसेना वालों को गरीब से कितनी नफरत है, ये इन्होंने फिर बताया है। ये नकली शिवसेना वाले मुझे जिंदा गाड़ने की बात कर रहे हैं। एक तरफ कांग्रेस है, जो कहती है - मोदी तेरी कब्र खुदेगी, दूसरी तरफ ये नकली शिवसेना मुझे जिंदा गाड़ने की बात करती है। मुझे गाली देते हुए भी ये लोग तुष्टिकरण का पूरा ध्यान रखते हैं। पीएम मोदी ने कहा, नकली राकांपा और शिवसेना ने चार जून के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद कांग्रेस में विलय करने का मन बना लिया है लेकिन उन्हें अजित पवार और एकनाथ शिंदे के साथ मिल जाना चाहिए। राकांपा-एसपी के प्रमुख शरद पवार का नाम लिए बिना पीएम मोदी ने कहा, महाराष्ट्र में एक दिग्गज नेता 40-50 साल से राजनीति कर रहे हैं। बारामती के चुनाव के बाद वह इतने चिंतित हैं कि उन्होंने एक बयान दिया। मैं मानता हूं कि काफी लोगों से विचार-विमर्श करने के बाद ही उन्होंने यह बयान दिया होगा। दरअसल, हाल ही में एक साक्षात्कार में शरद पवार ने कहा था कि अगले कुछ साल में कई क्षेत्रीय पार्टी कांग्रेस के करीब आ जाएंगे।

आज ये गरीब का बेटा, आपका सेवक बनकर प्रधानमंत्री के पद पर जब काम कर रहा है। तो ये गरीब विरोधी मानसिकता वाले, शाही परिवार की मानसिकता वाले, इसे बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। प्रभु राम ने सिखाया है- अपि स्वर्णमयी लंका न मे लक्ष्मण रोचते। जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी॥ अर्थात हमारी मातृभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है। ऐसे प्रभु राम को कांग्रेस आइडिया ऑफ इंडिया के खिलाफ मानती है। ये लोग अहंकार से इतने भरे हुए हैं कि गरीब इनके लिए कोई मायने नहीं रखता। कांग्रेस का एजेंडा कितना खतरनाक है, शहजादे के गुरु ने इसका भी खुलासा किया है। शहजादे के गुरु ने अमेरिका से कहा है कि राम मंदिर का निर्माण और रामनवमी का उत्सव भारत के विचार के खिलाफ है।

कांग्रेस के शहजादे के गुरु अमेरिका में रहते हैं, उन्होंने भारत के लोगों पर रंगभेदी टिप्पणी की है। जिनका रंग भगवान कृष्ण जैसा होता है, कांग्रेस उन्हें अफ्रीकन मानती है। इसलिए द्रौपदी मुर्मू जी का राष्ट्रपति बनना उन्हें मंजूर ही नहीं था। आप सभी जानते हैं कि भाजपा और एनडीए ने आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनाया। लेकिन आपको याद रखना चाहिए कि वो कौन लोग थे, जिन्होंने आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी को राष्ट्रपति का चुनाव हराने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे। ये कांग्रेस वाले थे, जिन्होंने एक आदिवासी बेटी को राष्ट्रपति बनने से रोकने के लिए रात-दिन एक कर दिए थे। अमेरिका में रहने वाले गुरुओं में से एक शहजादा ने भारतीयों पर बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और नस्लवादी टिप्पणी की है। भगवान कृष्ण के समान रंग वाले लोगों को कांग्रेस अफ्रीकी मानती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी द्रौपदी मुर्मू जी को देश के माननीय राष्ट्रपति के रूप में स्वीकार नहीं करना चाहती थी।

यूपी में इंडिया अलायंस की आंधी, डर गए है मोदी: राहुल

लखनऊ। लोकसभा चुनाव को लेकर कन्नौज में इंडिया गठबंधन की साझा चुनावी सभा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, सपा नेता अखिलेश यादव और आप नेता संजय सिंह शामिल हुए। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया अलायंस और अखिलेश यादव यहां जीत हासिल करने जा रहे हैं। मैं आपको लिखकर देता हूं, उत्तर प्रदेश में इंडिया एलायंस का तूफान आने वाला है। मैं आपको लिखित में देता हूं, भाजपा को देश में अपनी सबसे बड़ी हार का सामना यहां उत्तर प्रदेश में होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश देश का मार्ग प्रशस्त करता है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने मन बना लिया है कि यहां परिवर्तन लाना है, भारत में परिवर्तन लाना है और इसीलिए ये निर्णय लिया गया है। जनता ने मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि 10 साल में नरेंद्र मोदी ने कभी अडानी और अंबानी का नाम नहीं लिया। उन्होंने 10 साल में हजारों भाषण दिए लेकिन कभी उनका नाम नहीं लिया। जब कोई डर जाता है तो वह उन लोगों का नाम लेता है जो उसे लगता है कि उसे बचा सकते हैं। तो नरेंद्र मोदी ने अपने दो दोस्तों का नाम लिया- मुझे बचा लो, इंडिया गठबंधन ने मुझे घेर लिया है, मैं हार रहा हूं। अडानी-अंबानी, मुझे बचा लो। इसीलिए नरेंद्र मोदी ने उनका नाम लिया।

राहुल ने कहा कि उन्हें यह भी पता है कि अडानी टेम्पो में पैसे कैसे भेजते हैं। प्रधानमंत्री को गति का निजी अनुभव है। अब बीजेपी, नरेंद्र मोदी और अमित शाह आपका ध्यान भटकाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने कहा कि अगले 10-15 दिनों तक वे आपका ध्यान भटकाने की कोशिश करेंगे...आप विचलित न हों। भारत में आम चुनाव में एक ही मुद्दा है, सारे मुद्दे उसी से निकलते हैं- भारत का संविधान। इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि ये कन्नौज के हमारे लोग इस बार हमें ना केवल जिताने जा रहे हैं बल्कि देश की बड़ी जीतों में कन्नौज का नाम शामिल करने जा रहे हैं। मैंने अपना पहला चुनाव भी कन्नौज से लड़ा था।

सपा नेता ने कहा कि कन्नौज को विकास की ऊंचाईयों तक ले जाने का काम किया है, कन्नौज में जितने भी बड़े-बड़े काम दिखाई दे रहे हैं समाजवादी सरकार के किए हैं। जो लोग हाईवे पर चलते हैं उनको पता है कि हाईवे समाजवादियों ने बनवाया है लेकिन हमने कभी हाइवे को धुलवाया नहीं होगा। उन्होंने कहा कि वैसे तो चोरों में झगड़ा तभी होता है जब बंटवारा ठीक से ना हो, मुझे वो दिन भी याद हैं जब बादलों की वजह से रडार से दिखाई नहीं दे रहा था, नाले की गैस से चाय बना रहे थे, ये लोग झूठे हैं। भाजपा पर वार करते हुए उन्होंने कहा कि ये लोग हमारे आपके और संविधान के पीछे पड़े हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि हार के घाव गहरे होते हैं, लेकिन हमारा दृढ़ संकल्प भी गहरा है। उन्होंने कहा कि कन्नौज सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र से कहीं अधिक है; यह हमारी विरासत का प्रतीक है, और हम इसे हाथ से जाने नहीं देंगे। 1990 के दशक में, मुलायम सिंह यादव ने रणनीतिक रूप से यादवों और मुसलमानों के प्रभुत्व वाले निर्वाचन क्षेत्र कन्नौज में अपने प्रभाव का विस्तार किया, और इसे समाजवादी पार्टी के प्रथम परिवार के लिए एक गढ़ में बदल दिया। 1967 के बाद से कन्नौज में हुए 16 चुनावों में, यादव-संबद्ध उम्मीदवार 10 बार विजयी हुए, जबकि गैर-यादव उम्मीदवारों ने छह मौकों पर जीत हासिल की। विशेष रूप से, समाजवादी पार्टी ने इस सीट पर सात बार जीत हासिल की, जिससे उत्तर प्रदेश के राजनीतिक परिदृश्य में इसका महत्व मजबूत हो गया।

खेल
प्रमुख समाचार

केकेआर की नजरें ईडन से प्लेआफ का टिकट कटाने पर

कोलकाता। शानदार फॉर्म में चल रही दो बार

की पूर्व चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स शनिवार को अपने मैदान पर इस सत्र के आखिरी मैच में मुंबई इंडियंस से खेलेगी तो उसका लक्ष्य ईडन गार्डंस पर ही तीन साल में पहली बार आईपीएल प्लेआफ का टिकट कटाने का होगा। दो बार के खिताब विजेता कप्तान गौतम गंभीर की टीम मेंटोर के रूप में वापसी के बाद केकेआर ने इस सत्र में शानदार प्रदर्शन किया है। अब तक 11 मैचों में से आठ जीतकर दस टीमों शीर्ष पर काबिज केकेआर को प्लेआफ का टिकट कटाने के लिये एक और जीत की जरूरत है।

शाहरूख खान की टीम अपने गढ ईडन गार्डंस पर ही यह श्रेय हासिल करना चाहेगी। सुनील नारायण को दुनिया के दूसरे नंबर के टी20 बल्लेबाज फिल साल्ट के साथ पारी की शुरूआत करने भेजने का गंभीर का दाव मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ है। दोनों ने टीम को पावरप्ले में शानदार शुरूआत देते हुए आठ मैचों में पहले बल्लेबाजी करते हुए 200 के पार पहुंचाया है। नारायण अब तक 32 छक्के लगा चुके हैं और अभिषेक शर्मा (35) के बाद दूसरे स्थान पर है। अब तक एक शतक और तीन अर्धशतक लगा चुके नारायण ने 183 . 66 की स्ट्राइक रेट से 461 रन बना लिये हैं । वहीं इंग्लैंड के साल्ट ने 183 . 33 की स्ट्राइक रेट से 429 रन बनाये हैं। इन दोनों के शानदार फॉर्म के कारण आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे फिनिशरों को ज्यादा मौके नहीं मिले । इन दोनों की बल्लेबाजी ने गेंदबाजों खासकर मिचेल स्टार्क के खराब फॉर्म की भी भरपाई कर दी है । तीसरे नंबर पर युवा अंगकृष रघुवंशी ने अपनी उपयोगिता साबित की है। वहीं पांच बार की चैम्पियन मुंबई इंडियंस हार्दिक पंड्या की कप्तानी में इस सत्र से बाहर होने वाली पहली टीम रही । पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को हराने वाली मुंबई अब प्रतिष्ठा के लिये खेल रही है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

शेयर बाजार लौटा रौनक निफ्टी फिर से 22 हजार के पार

नईदिल्ली। लगातार 5 दिनों की गिरावट के बाद शेयर बाजार में आज फिर से थोड़ी रौनक लौटी। बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 260.30 अंक चढ़कर 72,664.47 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी-50 में 97.70 अंकों का उछाल आया और यह 22,055.20 पर बंद हुआ। आज 30 शेयरों वाले एसएंडपी बीएसई सेंसेक्स में 9 शेयर लाल निशान में बंद हुए, जबकि बाकी के 21 शेयरों में बढ़त देखने को मिली। जबकि निफ्टी-50 पर 38 शेयरों में तेजी और 12 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। आज के बाजार में दिलचस्प बात यह भी रही कि निफ्टी-50 ने फिर से 22 हजार का लेवल पार कर लिया। पिछले पांच दिनों से चल रही बाजार में सुस्ती के बीच निफ्टी इस लेवल से नीचे आ गया था। पिछले कारोबारी दिन यानी 9 मई को यह 21,957.50 पर क्लोज हुआ था। बीपीसीएल के शेयरों ने आज सबसे ज्यादा 4.50 फीसदी का उछाल दर्ज किया।

आईटी हार्डवेयर पीएलआई के तहत शुरू करेंगी उत्पादन

नईदिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी सचिव एस कृष्णन ने शुक्रवार को कहा कि आईटी हार्डवेयर उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत चुने गये पर्सनल कंप्यूटर और सर्वर विनिर्माताओं में से ज्यादातर के इस साल उत्पादन शुरू करने की उम्मीद है। कृष्णन ने यहां नेटवेब टेक्नोलॉजीज की एक नई अत्याधुनिक कंप्यूटिंग सर्वर विनिर्माण इकाई के उद्घाटन के मौके पर अलग से बातचीत में कहा, 27 पीएलआई कंपनियों में से लगभग 17 इस साल उत्पादन शुरू कर देंगी। उनमें से लगभग छह-सात ने पिछले साल उत्पादन शुरू किया था और दो ने अगले साल उत्पादन शुरू करने की योजना बनाई है। सरकार ने नवंबर, 2023 में आईटी हार्डवेयर के लिए नई उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के तहत डेल, एचपी, फॉक्सकॉन, लेनोवो, नेटवेब टेक्नोलॉजीज सहित 27 कंपनियों के आवेदन को मंजूरी दी थी।

केअर रेटिंग्स का चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट 35 प्रतिशत बढ़ा

नईदिल्ली। घरेलू रेटिंग एजेंसी केअर रेटिंग्स का एकल आधार पर शुद्ध लाभ मार्च 2024 को समाप्त चौथी तिमाही में 35 प्रतिशत उछलकर 34.8 करोड़ रुपये रहा। केअर रेटिंग्स का इससे पूर्व वित्त वर्ष 2022-23 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 25.9 करोड़ रुपये था। कंपनी ने गुरुवार देर शाम शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसकी कुल आय 2023-24 की चौथी तिमाही में 13 प्रतिशत बढ़कर 88.5 करोड़ रुपये रही। पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में केयर रेटिंग्स का एकल आधार पर शुद्ध लाभ 15 प्रतिशत बढ़कर 119.4 करोड़ रुपये रहा। इस दौरान कुल आय 15 प्रतिशत बढ़कर 330 करोड़ रुपये रही। केअर रेटिंग्स के निदेशक मंडल ने 11 रुपये प्रति शेयर के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। कुल मिलाकर कंपनी ने 2023-24 के लिए 18 रुपये प्रति शेयर लाभांश देने की घोषणा की है।

कुल बिक्री में लग्जरी मकानों की हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ी

नईदिल्ली। बीते 5 साल के दौरान यानी कोरोना के बाद कीमतों के लिहाज से मकानों की बिक्री में बड़ा बदलाव आया है। पहले जहां किफायती मकान खूब बिकते थे। लेकिन अब महंगे मकानों की बिक्री तेजी से बढ रही है। महंगे मकानों में भी लग्जरी मकान (1.5 करोड़ रुपये से अधिक कीमत के) भी खूब बिक रहे हैं। बीते 5 साल में लग्जरी मकानों की हिस्सेदारी 3 गुना बढ़ चुकी है, जबकि किफायती मकानों की हिस्सेदारी तेजी से घटी है। रियल एस्टेट संपत्ति सलाहकार फर्म की रिपोर्ट के अनुसार 2024 की पहली तिमाही में 1.30 लाख मकान बिके। जिनमें 21 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 27,070 मकान लग्जरी थे। 2019 की पहली तिमाही में बिके कुल मकान में लग्जरी मकानों की हिस्सेदारी 7 फीसदी थी। इस तरह बीते 5 साल के दौरान मकानों की कुल बिक्री में लग्जरी मकानों की हिस्सेदारी बढ़कर 3 गुना हो गई है।

आईपीएल : न केएल राहुल गलत हैं और न ही संजीव गोयनका

विनोद पाठक

सोशल मीडिया पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की टीम लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान के.एल. राहुल और फ्रेंचाइजी मालिक संजीव गोयनका की एक छोटी वीडियो क्लिप में सनसनी मचाई हुई है। दरअसल, हैदराबाद में बुधवार रात लखनऊ सुपर जायंट्स की सनराइजर्स हैदराबाद के हाथों शर्मनाक हार के बाद कप्तान और फ्रेंचाइजी मालिक के बीच कुछ वार्तालाप चल रहा था, जो टीवी कैमरों में कैद हो गया।

वार्तालाप में के.एल. राहुल शांत तो संजीव गोयनका कुछ तैश में नाराजगी जताते दिख रहे हैं। इस वीडियो क्लिप को लेकर सोशल मीडिया पर दो पक्ष आमने-सामने हैं। एक पक्ष कह रहा है कि संजीव गोयनका को के.एल. राहुल से ऐसा बर्ताव नहीं करना चाहिए, जबकि दूसरे पक्ष का मत है कि संजीव गोयनका को पूरा हक है कि वो खिलाड़ियों की परफॉर्मेंस को लेकर कप्तान से सवाल जवाब करें।

सर्वप्रथम पहले पक्ष की बात करते हैं। यह पक्ष संजीव गोयनका के व्यवहार से नाखुश है। उसका कहना है कि संजीव गोयनका क्रिकेट एक्सपर्ट या खिलाड़ी नहीं हैं। उन्हें इस हार को खेल भावना के रूप में लेना चाहिए था। यह बात सही भी है कि क्रिकेट को इमोशन से ऊपर उठकर खेल की तरह लेना चाहिए।

भारत में क्रिकेट कोई खेल न होकर इमोशन बन चुका है। के.एल. राहुल, जो भारतीय क्रिकेट टीम के तीनों फॉर्मेट में खेलते आ रहे हैं, उनको लेकर क्रिकेट प्रेमी इमोशनल रूप से जुड़े हुए हैं। उन्हें यह बात पसंद नहीं आई कि कैसे एक गैर क्रिकेटर उनके प्रिय खिलाड़ी से सवाल जवाब कर रहा

है। फिर संजीव गोयनका को यह भी देखना चाहिए कि क्रिकेट में ऐसा चलता है। लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम ने के.एल. राहुल की कप्तानी में इस सीजन में 12 में से 6 मुकाबले जीते भी हैं। टीम के पास अब भी क्वालीफाई करने का अवसर है। ऐसे में संजीव गोयनका का यह व्यवहार निश्चित रूप से गलत ही दिखेगा।

अब बात दूसरे पक्ष की। इसका कहना है कि संजीव गोयनका को पूरा अधिकार है कि वो कप्तान के.एल.राहुल से सवाल-जवाब करें या अपनी नाराजगी जताएं। वो भले क्रिकेट एक्सपर्ट नहीं हैं, लेकिन एक व्यापारी के रूप में उन्होंने वर्ष 2021 में 7090 करोड़ रुपए खर्चकर लखनऊ सुपर जायंट्स टीम खरीदी थी। संजीव गोयनका की कंपनी का इससे पहले क्रिकेट या किसी अन्य खेल को लेकर कोई भी बैकग्राउंड नहीं मिलता है, यानी आईपीएल में पैसों की बौछार को देखते हुए ही उन्होंने इस खेल में निवेश किया।

टीम की हार या जीत से उनके निवेश पर फर्क पड़ता है। इसलिए इमोशन से ज्यादा उनकी पॉकेट से यह खेल जुड़ा है। फिर जिस पिच पर लखनऊ सुपर जायंट्स को 165 रन बनाने में पसीने आ गए हों, उसी पिच पर सनराइजर्स हैदराबाद मात्र 9.4 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए जीत हासिल कर ले तो फ्रेंचाइजी मालिक की नाराजगी बनती है।

अब इस पूरे वाक्या को एक कंपनी के रूप में देखते हैं। किसी कर्मचारी के खराब परफॉर्मेंस पर बॉस नाराज भी होता है और कभी-कभी उस कर्मचारियों की नौकरी भी चली जाती है। लखनऊ सुपर जायंट्स के मालिक संजीव गोयनका के लिए टीम एक प्रोजेक्ट जैसी ही तो है। टीम के एक-एक खिलाड़ी पर उन्होंने करोड़ों रुपए का निवेश किया है। वो यह उम्मीद करते हैं कि खिलाड़ी अपना बेस्ट परफॉर्म करे और कम से कम इस तरह की शर्मनाक हार टीम को न देखनी पड़े।

संजीव गोयनका और के.एल. राहुल के बीच के वार्तालाप को लेकर बहस के दोनों पक्ष अपनी-अपनी जगह सही हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेट का एक तमाशा भर है। जिस तरह से वर्तमान सीजन में रनों की बौछार हो रही है। मैदान पर छक्कों का तूफान आया हुआ है। हर कोई उत्साह में तालियां बजा रहा है तो इसे क्रिकेट या खेल से बाहर की दृष्टि से देखने की जरूरत है।

कांग्रेस देश को खंडित करने का काम करती है- भाजपा

कांग्रेस हमेशा सेना का मनोबल कमजोर करती है- भाजपा

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के पाकिस्तान-प्रेम से पगे उस बयान की तीव्र भर्त्सना की है, जिसमें अय्यर ने कहा है कि पाकिस्तान एक संप्रभु देश है और उनके पास परमाणु बम भी है, इसलिए हमें उन्हें सम्मान देना चाहिए। श्री देव ने कहा कि कांग्रेस का पाकिस्तान और भारत के दुश्मनों से प्रेम अब कोई छिपी बात नहीं रह गई है, लेकिन अय्यर यह याद रखें कि जिन श्री नरेंद्र मोदी को उन्होंने (अय्यर ने) चाय वाला और नीच कहकर विषवमन किया था, उन्हीं श्री मोदी के प्रधानमंत्रित्व काल में परमाणु बम रखकर भी पुलवामा एयर स्ट्राइक के बाद भारत के कड़े रुख से थर्राकर पाकिस्तान 24 घंटे के भीतर हमारे जाँबाज सैनिक अभिनंदन को सकुशल भारत की सीमा तक छोड़ने के लिए मिमियाते हुए आया था। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष देव ने कहा कि विश्व शक्तियों की परवाह किए बगैर भारत ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय स्व. अटलजी के प्रधानमंत्रित्व काल में एक नहीं, पूरे पाँच परमाणु परीक्षण करके भारत के शक्ति-सम्पन्न होने का जो उद्घोष किया था, मौजूदा प्रधानमंत्री श्री मोदी उस उद्घोष की गगनभेदी गर्जना कर रहे हैं। उरी सर्जिकल और पुलवामा एयर स्ट्राइक के बाद से अय्यर का वह तथाकथित परमाणु बम धारी पाकिस्तान दुम दबाए बैठा है और विश्व बिरादरी में अलग-थलग पड़ गया है। श्री देव ने कहा कि अय्यर अपना पाकिस्तान-प्रेम अपने पास सहेजकर रखें, भारतीयों को इन फिजूल की बातों से डराने का हास्यास्पद उपक्रम न करें। यह नया भारत है, जो मोदी के नेतृत्व में अपनी शक्ति की गर्जना कर रहा है। अपने देश की सीमाओं पर अपने सैनिकों की शहादत के प्रतिकार करने या प्रतिशोध लेने के बजाय संयुक्त राष्ट्र में मिमियाने वाला वह भारत अब घर में घुसकर मारना सीख चुका है, इसलिए अय्यर अपनी फिजूल की नसीहतें देना बंद करें। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि अय्यर का यह पाकिस्तान-प्रेम कोई पहली बार जगजाहिर नहीं हुआ है। इससे पहले सन 2018 में अय्यर ने अपने एक बयान में कहा था कि उन्हें कश्मीर पर पाकिस्तान की नीति पर फख्र है। अय्यर को जरा आज के पाकिस्तान की दयनीय दशा पर नजर डाल लेना चाहिए, जो कश्मीर में धारा 370 के खात्मे के बाद चूँ तक नहीं कर पाया और कश्मीर मांगते-मांगते अब आटे की भीख मांगने के लिए मजबूर हो चला है। श्री देव ने सवाल किया कि आखिर कांग्रेस नेताओं को पाकिस्तान से और पाकिस्तान को कांग्रेस से इतना प्रेम क्यों है? आखिर यह रिश्ता क्या कहलाता है? भारत में अय्यर जैसे कांग्रेसी नेता पाकिस्तान से सम्मान से पेश आने की बातें कर रहे हैं और उधर पाकिस्तान में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के पक्ष में कसीदे पढ़े जा रहे हैं। पाकिस्तान चाह रहा है कि किसी तरह कांग्रेस-इंडी गठबंधन की कमजोर सरकार भारत में बने, ताकि पाकिस्तान अपनी ठप पड़ चुकी आतंकवाद की फैक्ट्री फिर से चला सके। श्री देव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में जो सशक्त भारत विश्व मंच पर अपनी धाक जमा रहा है, उसकी कुंठा अय्यर और पित्रोदा जैसे नेताओं के बयान में रह-रहकर व्यक्त हो रही है।

ओडिशा विकास से कोसो दूर, रिवर्स गेयर से राज्य को नवीन ने किया पीछे : किरण देव

छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष किरण देव ने शुक्रवार को कोरापुट लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत टिकरी में रोड शो किया.इस मौके पर उन्होंने लोकसभा चुनाव में कोरापुट से भाजपा प्रत्याशी कालीराम मांझी तथा रायगड़ा से विधानसभा प्रत्याशी बसंत उल्का के पक्ष में प्रचार किया। किरण देव ने अपने संबोधन में कहा कि ओडिशा की नवीन पटनायक सरकार ने राज्य की तरक्की पर रिवर्स गेयर लगा दिया है, जिससे प्रदेश लगातार पिछड़ता जा रहा है। यहां जनकल्याण की एक भी योजनाएं पारदर्शिता से लागू नहीं हो रही हैं। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने लोगों से आह्वान किया कि राज्य के विकास को गति देने के लिए डबल इंजन की सरकार चाहिए।उन्होंने कहा कि लोकसभा और विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को जीताकर विकसित भारत और विकसित ओडिशा को लेकर आप सभी अपना योगदान तय करें। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नवीन पटनायक की सरकार में नौकरशाही इस कदर हावी है कि जनप्रतिनिधियों की ही कहीं सुनवाई नहीं है तो सामान्य जन की स्थिति का आकलन किया जा सकता है। किरण देव ने कहा कि ओडिशा में मतदाताओं का व्यापक जनसमर्थन हमें मिल रहा है। राज्य की जनता ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व वाली डबल इंजन की सरकार को आशीर्वाद देने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा, ओडिशा और छत्तीसगढ़ के बीच साझा सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत रही है। इस चुनाव में छत्तीसगढ़ भाजपा के कई नेता और पदाधिकारी चुनाव प्रचार में जुटे हैं। कार्यकर्ताओं के परिश्रम का सुखद परिणाम सामने आएगा।

ओडिशा में बन रही भाजपा सरकारः साय

लोगों में आपसी भेद पैदा कर रहे सैम पित्रोदा - भ्रष्टाचार पर हमारी सरकार अपना रही जीरो टॉलरेंस की नीति

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज झारखंड रवाना होने से पूर्व मीडिया से बात करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सभी सीटों पर मतदान होने के बाद से दूसरे प्रदेशों में प्रचार के लिए वे जा रहे हैं। जिसमें उड़ीसा की नवरंगपुर लोकसभा में दो जनसभा हुई और कोरापुट लोकसभा क्षेत्र की लक्ष्मीपुर विधानसभा में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। ओडिशा में विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव साथ में है, इस कारण लोगों में बहुत उत्साह है। सभाओं में उमड़े जनसैलाब और भाजपा को मिल रहा आपार जनसमर्थन बता रहा है कि इस बार ओडिशा में बीजेपी की सरकार बन रही है। वहीं लोकसभा में भी अधिकांश सीटें भारतीय जनता पार्टी जीत रही है।

ओडिशा में चुनाव प्रचार के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि वहां बीजेडी की सरकार 24 साल से चल रही है और कोई विकास वहां पर नहीं हो रहा है। केंद्र की भी जो योजना है, प्रदेश सरकार ठीक से लागू नहीं कर पा रही है। आयुष्मान योजना के अंतर्गत 5 लाख तक का मुफ्त इलाज गरीबों को मिलता है, जिसका लाभ ओडिशा के लोग नहीं ले पा रहे है। वहां की सरकार डायवर्ट कर अपनी योजना चला रही है जो केवल सरकारी अस्पतालों तक ही सीमित है और इन अस्पतालों की हालत बहुत ही खराब है। लोग प्राइवेट अस्पताल में इलाज करने से वंचित हो रहे हैं। और भी केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजना है, जो बीजेडी सरकार के भेदभाव के कारण धरातल तक नहीं पहुंच पा रही है, इसलिए इस बार जनता डबल इंजन की सरकार बनाना चाह रही है। सैम पित्रोदा के ताजा बयान पर श्री साय ने कहा कि मेरे हिसाब से ऐसा नहीं बोलना चाहिए, लोगों में भेद पैदा हो ऐसे बयान देने से बचना चाहिए। उन्होंने राहुल गांधी के टेम्पो वाले बयान पर कहा कि भारतीय जनता पार्टी और एनडीए 400 पार सीट जीतने जा रही है, कोई डर नहीं है। सीजी बोर्ड के रिजल्ट पर सीएम साय ने कहा कि 10वीं और 12वीं की दोनों परीक्षाओं की टॉपर हमारी बेटियां रही हैं। उनको शुभकामनाएं देता हूं एवं उत्तीर्ण हुए सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं। जो बच्चे इन दोनों परीक्षाओं में असफल हुए है उनसे भी मैं कहना चाहता हूं कि निराश होने की आवश्यकता नहीं है, परीक्षा में ये सब होता रहता है। भ्रष्टाचार के सवाल पर जवाब देते हुए श्री साय ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले पर हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, अनेक मामले पर जांच चल रहा है, जो भी दोषी पाए जाएंगे उन पर सख्त कार्रवाई होगी।

जागेश्वर यादव हुए पद्मश्री से सम्मानित, मुख्यमंत्री ने दी बधाई एवं शुभकामनाएं

रायपुर। छत्तीसगढ़ में विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए काम करने वाले बिरहोर के भाई के नाम से प्रसिद्ध जागेश्वर यादव को देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने पद्मश्री से सम्मानित किया। इस पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उन्हें अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने उनके जीवन को प्रेरणादायक बताया। अपने सोशल मीडिया हैंडल ङ्क में बधाई संदेश में उन्होंने लिखा है कि - छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले बिरहोर के भाई जागेश्वर यादव जी को महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी द्वारा पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया जाना पूरे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है। उन्हें बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। आदिवासी उत्थान के लिए प्रतिबद्ध आपका सम्पूर्ण जीवन प्रेरणादायक और अनुकरणीय है।

गौरतलब है कि जागेश्वर यादव का नाम 2024 के पद्मश्री पुरस्कार के लिए चयनित हुआ था। जशपुर जिले के बिरहोर आदिवासियों के उत्थान के लिए बेहतर कार्य करने पर उन्हें इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जागेश्वर यादव ने आदिवासियों को साक्षर करने और शिशु मृत्यु दर कम करने जैसे बड़े कार्य किए हैं।

दसवीं-बारहवीं परीक्षा के टॉपर्स विद्यार्थियों से मुख्यमंत्री ने की वीडियो काल पर बात, दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दसवीं-बारहवीं के नतीजे घोषित होने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने दोनों कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों से सीधे वीडियो काल पर बात कर बधाई दी। बच्चों के लिए अपने मुख्यमंत्री से इस तरह अचानक रुबरू होना बेहद आनंददायक अनुभव रहा। श्री साय ने बच्चों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में भी पूछा। अपने मुख्यमंत्री से सीधे वीडियो काल पर जुड़े भावविभोर बच्चों में से किसी ने आईएएस बनने, तो किसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट, तो किसी ने बैंकिंग सेक्टर में जाने की योजनाएं बताई। सीएम साय ने उनकी हर मनोकामना पूरी होने की कामना की और उन्हें लगातार परिश्रम करते रहने को कहा। बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों सहित उनके अभिभावकों और गुरुजनों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि कल छत्तीसगढ़ में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं और बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित किये। जिसमें दसवीं में क्रमशः जशपुर की सिमरन शब्बा, गरियाबंद की होनिशा और जशपुर के ही श्रेयांश यादव टॉप श्री में रहे। वहीं बारहवीं में क्रमशः महासमुंद की महक अग्रवाल, बलौदाबाजार की कोपल अम्बष्ठ और जशपुर की आयुषी गुप्ता व बलौदाबाजार की प्रीति टॉप श्री में रहीं।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस विरोध करेगी

रायपुर। स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी छत्तीसगढ़ में जन्में एक विद्वान संत और विश्वविख्यात आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे और इसीलिए कांग्रेस की सरकार ने इस योजना का नाम उनके नाम पर रखा था। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनके नाम को हटाना चाहती है। शासन की ओर से 'स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना' का नाम बदलकर 'पीएमश्री' करने का आदेश जारी किया गया है, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति लेने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस पार्टी की ओर से हम सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से अपील करते हैं कि सरकार की ओर से इस तरह का कोई प्रस्ताव आता है तो इसका लिखित और मुखर विरोध करना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की धरोहर थे। भाजपा सरकार उनके नाम को सिर्फ इसलिये बदलना चाहती है कि उनके नामों को पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने शुरू किया था। छत्तीसगढ़ के एक विश्वविख्यात संत और आध्यात्मिक व्यक्ति के नाम पर चल रही योजना का नाम बदलने से पता चलता है कि अब भाजपा को संतों और धार्मिक व्यक्तियों से भी दिक्कत होने लगी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की विभूति है, उनके नाम से जो स्कूल चालू किया गया था यह स्कूल एक महत्वकांक्षी योजना के तहत शुरू किया गया था। गरीबों के बच्चों को मुफ्त अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दी गयी और उसके सार्थक परिणाम भी सामने आये। 10 वी और 12 वी में 75 फीसदी से अधिक बच्चे प्रवीण्य सूची में आये। ऐसे में स्कूल का नाम दलीय दुर्भावना से बदला जाना दुर्भाग्यजनक है। भारतीय जनता पार्टी के इन स्कूलों के सामने पीएम श्री लगायेगी। प्रधानमंत्री का या केन्द्र सरकार का इन स्कूलों के स्थापना में क्या योगदान है? पिछले 5 महीनों से इन स्कूलों के शिक्षकों को वेतन क्यों नही दिया जा रहा है सीधे-सीधे इन स्कूलों को बंद करने की साजिश भारतीय जनता पार्टी कर रही है। यह छत्तीसगढ़ के गरीब, मध्यम बच्चों के साथ अन्याय है।

अग्रसेन महाविद्यालय में नव निर्माण कार्यों का हुआ भूमिपूजन

रायपुर। पुरानीबस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर नव निर्माण कार्यों का भूमि पूजन कार्यक्रम हुआ। इस अवसर पर महामंडलेश्वर राजेश्री महन्त रामसुन्दर दास जी महाराज ने अपने सहयोगियों सहित कार्यक्रम में उपस्थित होकर नवनिर्माण के लिए भूमि पूजन किया। भूमि पूजन के अवसर पर अजय तिवारी, दाऊ महेंद्र अग्रवाल,निर्मल दास वैष्णव तथा महाविद्यालय स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित थे।

छत्तीसगढ़/राजधानी

प्रमुख समाचार

कुलपति ने राज्यपाल को संजीवनी धान के संबंध में जानकारी दी

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन से आज इंदिरा गांधी कृषि विश्विद्यालय के कुलपति डॉ गिरीश चंदेल ने सौजन्य मुलाकात कर उन्हे इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित धान की नवीन प्रजाति संजीवनी धान के बारे में जानकारी दी। डॉ चंदेल ने राज्यपाल को बताया की भाभा एटॉमिक रिसर्च इंस्टीटयूट मुंबई के सहयोग से कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ की औषधीय गुणों वाली परंपरागत किस्मों से संजीवनी धान का विकास किया गया है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाती है तथा इसमें एन्टी कैंसर गुण पाये गये हैं। राज्यपाल श्री हरचिंदन ने इस उपलब्धि के लिये कुलपति डॉ चंदेल तथा उनके वैज्ञानिकों को बधाई और शुभकामनायें दी। श्री हरिचंदन ने कहा की संजीवनी धान का ज्यादा मात्रा में उत्पादन किया जाये तथा अधिक से अधिक लोगों तक इसे पहुंचाया जाए जिससे इसका लाभ अधिक लोगों को मिल सके।

भाजपा सरकार में शराब की कोचियागिरी शुरू

रायपुर। राजनांदगांव जिला में शराब दुकान के स्टिंग ऑपरेशन के खुलासा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपाई शराब तस्करी कर रहे। सैया भैये कोतवाल तो डर किस बात का जब मुख्यमंत्री के पास ही आबकारी विभाग है। ऐसे में अवैध शराब के धंधे करने वाले पर कार्यवाही कौन करेगा? पूर्व मुख्यमंत्री के क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार तेजी से फल फूल रहा है। शराब दुकान में की गई स्टिंग ऑपरेशन से उसका खुलासा हो गया है। भाजपा सरकार में शराब की कोच्चियागिरी फिर शुरू हो गई है। आबकारी विभाग ने शराब कोच्चियों के लिए रेट फिक्स कर दिया है प्रति पेटी 200 रु. अतिरिक्त आबकारी विभाग को दो और जितना चाहे उतना पेटी शराब दुकान से लो और गांव-गांव में बेचो। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा का शराब के प्रति प्रेम 15 साल के रमन सरकार के दौरान भी दिखता है और अब फिर 4 महीने में ही शराब से अवैध कमाई का काला खेल फिर शुरू हो गई है। रमन सरकार के दौरान कैबिनेट की बैठक में दो मंत्री भिड़ गए थे कि शराब से आने वाली 1500 करोड रुपए की अतिरिक्त कमाई किस खाते में जाएगा पूरा प्रदेश ने देखा था.

जमीन रजिस्ट्री के नियम बदले जाएंगेः ओपी चौधरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बीजेपी की सरकार बनने के बाद पंजीयन आफिसों को ठीकठाक करने पर ध्यान दिया जा रहा है। मंत्री ओपी चौधरी ने अफसरों को दो टूक निर्देश दे दिया गया है कि रजिस्ट्री आफिस को दलालों से मुक्त करना है। उन्होंने अफसरों को रजिस्ट्री के लिए ऐसा आसान साफ्टवेयर बनाने के लिए कहा है कि जिससे आम आदमी को बिना रजिस्ट्री कार्यालय आए रजिस्ट्री हो जाए। मंत्री ने इसके लिए कुछ राज्यों में चल रही योजनाओं का भी अध्ययन करने कहा है। मंत्री के निर्देश के बाद पंजीयन विभाग के सचिव और महानिरीक्षक एक्शन मोड में आ गए हैं। कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने पंजीयन सिस्टम में अच्छा काम किया है। वहां अफसरों की टीम भेजने की तैयारी की जा रही है। पंजीयन विभाग के मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि छत्तीसगढ़ में घर बैठे रजिस्टी हो जाए, ऐसा प्रयास किया जा रहा है। आम आदमी को सुविधाएं मिले, इसके लिए विभाग में सुधार के लिए अनेक स्तर पर कार्य किए जा रहे हैं।

मनोज सोनी को मिली 5 दिन की ईडी रिमांड

रायपुर। छत्तीसगढ़ के कस्टम मिलिंग घोटाले के आरोप में गिरफ्तार मार्कफेड के पूर्व अधिकारी मनोज सोनी को ईडी ने आज विशेष कोर्ट में किया। जहां से उन्हें फिर से 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड में भेज दिया गया है। बता दें, ईडी ने 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड खत्म होने के बाद आज उन्हे फिर से कोर्ट में पेश किया। जहां दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद PMLA के विशेष कोर्ट ने ईडी के आवेदन को सही मानते हुए पूर्व मार्कफेड अधिकारी मनोज सोनी को 5 दिन की कस्टोडियल रिमांड पर भेज दिया है। दोपहर को ईडी ने कोर्ट में किया था। पेश ईओडब्ल्यू महादेव सट्टा से जुड़े आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर फरार आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड में लेकर पूछताछ कर रही है। महादेव सट्टा ऐप मामले में गिरफ्तार बर्खास्त पुलिस आरक्षक अर्जुन यादव को ईओडब्ल्यू ने कोर्ट में पेश किया। उसे कल ही पचमढ़ी से गिरफ्तार कर लेकर आई थी। ईओडब्ल्यू ने 5 दिन पुलिस रिमांड पर लेने विशेष कोर्ट में आवेदन लगाया है। बता दें कि ईडी का आरोप है कि मार्कफेड के अधिकारी मनोज सोनी और राज्य चावल मिलर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने मिलकर कस्टम मिलिंग घोटाले को अंजाम दिया है। इसके लिए अधिकारी और मिलर्स ने विशेष प्रोत्साहन राशि का दुरुपयोग किया है। करोड़ों की रिश्वत कमाने की साजिश रची है।

नियमो में शिथिलता से ही शिक्षा में गुणवत्ता सम्भव - प्रो शुक्ला

रायपुर। स्थानीय गांधी चौक स्थित महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय एवं विवेकानंद महाविद्यालय के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित पांच दिवसीय प्राध्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ। इस अवसर पर डॉक्टर सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय प्रोफेसर राजीव चौधरी शारीरिक शिक्षा अध्ययन शाला पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर एवं डॉ मनोज मिश्रा प्राचार्य विवेकानंद महाविद्यालय डॉक्टर देवाशीष मुखर्जी प्राचार्य महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय तथा श्री आरके गुप्ता उपाध्यक्ष शिक्षा प्रचारक समिति की विशेष उपस्थिति रही। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में बोलते हुए महंत लक्ष्मी नारायण दास महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ देवाशीष मुखर्जी ने फैकेल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम की महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा यह प्रशिक्षण कार्यशाला बेहद अच्छे माहौल में शुरुआत होने जा रही है सभी सत्र रोचक और महत्वपूर्ण होंगे। यहां मौजूद सभी शिक्षक इस प्रशिक्षण कार्यशाला में भागीदारी देकर उपयोगी ज्ञान अर्जित करने में सफल होंगे ऐसी उम्मीद है। कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि मौजूद डॉक्टर सच्चिदानंद शुक्ला कुलपति पंडित रविशंकर शुक्ल विद्यालय ने कहा कि शिक्षा में गुणवत्ता और तकनीक काफी चुनौतीपूर्ण है ऐसा दौर आने वाला है जब सभी शिक्षकों को तकनीक आधारित शिक्षा से स्वयं को अपडेट करना होगा।

समय का सदुपयोग करने वाला ही सफलता प्राप्त करता है

रायपुर। राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने कहा कि विद्यार्थी जीवन हमारी जिन्दगी का सबसे सुनहरा समय होता है। इसलिए एक-एक सेकण्ड का सदुपयोग अपने भविष्य को संवारने के लिए करना चाहिए। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति ही जीवन में सफल होता है।

ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी आज प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा चौबे कालोनी में आयोजित समर कैम्प में समय प्रबन्धन कला (टाईम मैनेजमेन्ट) विषय पर बच्चों को सम्बोधित कर रही थीं। उन्होंने बच्चों को सुझाव देते हुए कहा कि अपने कार्यों को तीन भागों में बांट लेना चाहिए। अतिआवश्यक, आवश्यक और शेष बचे हुए कार्य। सबसे पहले अतिआवश्यक कार्य को पूरा करें। फिर आवश्यक और उसके बाद शेष रहे हुए कार्यों को निपटाना चाहिए।

उन्होंने आगे बतलाया कि समय के महत्व को समझने वाले व्यक्ति का जीवन मूल्यवान बन जाता है। समय को टेलीविजन देखने और मोबाईल में गेम खेलने में व्यतीत करना वास्तव में समय को बर्बाद करना है। जो महान लोग होते है वह अपने एक-एक मिनट का हिसाब रखते हैं। उसे सफल करने के लिए अपनी दिनचर्या बनाते हैं। इससे उनका जीवन सुव्यवस्थित हो जाता है।

ब्रह्माकुमारी सौम्या दीदी ने बच्चों को भी अपने समय का सही उपयोग करने के लिए प्रतिदिन की दिनचर्या बनाने का सुझाव दिया और कहा कि हमें हरेक कार्य का समय निश्चित कर लेना चाहिए। ताकि हमें पता रहे कि कब पढ़ना है और कब खेलना तथा कितनी देर तक खेलना है। पढ़ने के लिए सुबह का समय बहुत अच्छा होता है। क्योंकि उस समय हमारा दिमाग पूरी तरह से ताजगी से भरा (फ्रेश) होता है। इसलिए सुबह का पढ़ा हुआ विषय हमें अच्छी तरह से याद रहता है। इसके बाद सुबह के पढ़े हुए चेप्टर को सारे दिन में जब भी समय मिले दोहराने का अभ्यास करना चाहिए।

छत्तीसगढ़ राज्य नीति आयोग के कार्यों से अवगत हुए प्रशिक्षु आई.ए.एस.

रायपुर। राज्य नीति आयोग के सभा कक्ष में आज भारतीय प्रशासनिक सेवा वर्ष 2022 के प्रशिक्षु अधिकारियों को आयोग के कार्यों की जानकारी दी गई। आयोग के उपाध्यक्ष श्री अजय सिंह एवं सदस्य सचिव श्री अनूप श्रीवास्तव तथा संयुक्त संचालक डॉ नीतू गौरडिया द्वारा अधिकारियों को आयोग की पृष्ठभूमि, आयोग को सौंप गए दायित्व, आयोग की संरचना, प्रमुख उपलब्धियां, सतत विकास लक्ष्य एवं उसका क्रियान्वयन से संबंधित जानकारी दी गई। राज्य एवं जिला स्तर पर एसडीजी के प्रभावी मॉनिटरिंग हेतु आयोग द्वारा तैयार किए गए फ्रेमवर्क एवं डैशबोर्ड तथा उन पर आधारित रिपोर्ट, स्टेट इंडिकेटर फ्रेमवर्क, 'अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन @2047 ' डॉक्यूमेंट तैयार करने की अद्यतन प्रगति के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षु अधिकारियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का भी जवाब देकर उनकी शंका-समाधान किया। उपाध्यक्ष अजय सिंह ने अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की तथा अपने लंबे प्रशासनिक अनुभव और आने वाली चुनौतियों, उनके कर्तव्य, दायित्व और जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने संवेदनशीलता से आम जनों के हित में काम करने के लिए उन्हें प्रेरित भी किया। इस अवसर पर कांकेर के सहायक कलेक्टर प्रखर चंद्राकर, बलौदाबाजार-भाटापारा की सहायक कलेक्टर सुश्री नम्रता चौबे, संयुक्त संचालक डॉ वत्सला मिश्रा एवं श्रीमती कल्याणी सिंह सहित अधिकारीगण उपस्थित थे।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.